चिदंबरम का बड़ा दावा: 26/11 मुंबई हमले... 12

# राष्ट्रीय शिखर

खबरों की स्वतंत्रता

श्रुति हासन ने गायकी के प्रति... 11

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गाजियाबाद, गौतमबुद्धनगर, नई दिल्ली, देहरादून और लखनऊ से एक साथ प्रसारित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

वर्ष - 01, अंक - 178 | गाजियाबाद / मंगलवार 30 सितम्बर 2025 | PRGI No. - UPHIN/25/A0086 | पृष्ठ -12, मूल्य - 04 रूपए


### आठवीं मां महागौरी

वह रूप जो कि सौन्दर्य से भरपूर है, प्रकाशमान है – पूर्ण रूप से सौंदर्य में डूबा हुआ है। प्रकृति के दो छोर या किनारे हैं – एक मां कालरात्रि जो अति भयावह, प्रलय के समान है, और दूसरा मां महागौरी जो अति सौन्दर्यवान, देदीप्यमान, शांत है–पूर्णत: करुणामयी, सबको आशीर्वाद देती हुई।

# स्कूल, कॉलेजों के हेल्थ एजुकेशन कोर्सेज में जुड़ेगा आयुर्वेद

**एनसीईआरटी और यूजीसी मिलकर तैयार कर रहे कोर्स मॉड्यूल, अगले सेशन से बदल सकता है सिलेबस**

**नईदिल्ली (एजेंसी)।** भारत के प्राचीन आयुर्वेद ज्ञान को अब स्कूल और कॉलेजों के हेल्थ एजुकेशन कोर्सेज में शामिल किया जाएगा। इसके लिए एनसीईआरटी और यूजीसी मिलकर स्कूल एजुकेशन और हायर एजुकेशन के लिए कोर्स मॉड्यूल तैयार कर रहे हैं। ये जानकारी केंद्रीय आयुष मंत्री प्रतापराव जाधव ने दी है।

उन्होंने कहा कि इससे नई पीढ़ी को स्वास्थ्य के प्राचीन भारतीय ज्ञान से जोड़ा जाएगा। कुछ राज्यों जैसे गोवा, मध्य प्रदेश, उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश ने पहले ही भारतीय ज्ञान प्रणाली को स्कूल शिक्षा में शामिल कर लिया है।

**सीसीआरएएस कर रहा है आयुर्वेद के क्लिनिकल ट्रायल**–जाधव ने बताया कि मंत्रालय एविडेंस-बेस्ड रीसर्च यानी सबूत-आधारित शोध पर ध्यान दे रहा है।

- **आयुर्वेद की एलोपैथी से कोई प्रतिस्पर्धा नहीं– आयुष मंत्री**– जाधव ने कहा कि आधुनिक चिकित्सा यानी एलोपैथी और आयुष चिकित्सा पद्धति एक–दूसरे की पूरक हैं, प्रतियोगी नहीं। नेशनल आयुष मिशन (एनएएम) और आयुष ग्रिड के जरिए दोनों प्रणालियों के लाभों को मिलाकर बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं देने की कोशिश हो रही है।
- **अगले सेशन से हो सकता है सिलेबस में बदलाव**– नया मॉड्यूल कब बनकर तैयार होगा और सिलेबस में कब शामिल होगा, इसे लेकर अभी कोई जानकारी नहीं दी गई है। हालांकि, ये संभव है कि अगले एकेडमिक सेशन से स्कूली किताबों में आयुर्वेद का ज्ञान जोड़ दिया जाए।
- **एनसीईआरटी अब हर साल बदलता है सिलेबस**– पिछले साल शिक्षा मंत्रालय ने जानकारी दी थी कि अब एनसीईआरटी की किताबों का सिलेबस हर साल बदला जाएगा। शिक्षा मंत्रालय से जुड़े एक अधिकारी का कहना था, आज तेजी से बदलते वक्त में ये जरूरी है कि किताबें अपडेटेड रहें। इस वजह से एनसीईआरटी को हर साल किताबों का रिव्यू करने और जरूरत के हिसाब से उनमें बदलाव करने को कहा गया है। हर साल एकेडमिक सेशन शुरू होने से पहले किताबों को अपडेट किया जाएगा।

## मोदी ने इटली पीएम की ऑटोबायोग्राफी की प्रस्तावना लिखी

- कहा- यह मेलोनी की 'मन की बात', उनका जीवन हमारे लिए प्रेरणादायक

**नईदिल्ली (एजेंसी)।** पीएम नरेंद्र मोदी ने इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी की ऑटोबायोग्राफी 'आई एम जॉर्जिया – माय रूट्स, माय प्रिंसिपल्स' के इंडियन एडिशन के लिए फॉरवर्ड (प्रस्तावना) लिखा है। इस किताब को जल्द ही

भारत में रूपा पब्लिकेशंस लॉन्च करेगा। मोदी ने मेलोनी को एक 'देशभक्त और बेहतरीन समकालीन नेता' बताते हुए तारीफ की। साथ ही उनकी निजी और राजनीतिक यात्रा को भारत के लोगों के लिए प्रेरणादायक बताया। मोदी ने अपने रेडियो शो 'मन की बात' का जिक्र करते हुए इस किताब को मेलोनी की 'मन की बात' जैसा बताया।

# लद्दाख में कर्फ्यू के बाद बिगड़े हालात

**'खाना भी मुश्किल से मिल रहा, पर्यटन पूरी तरह से ठप'**

**लेह में इंटरनेट बंद, सैलानी हो रहे हैं परेशान**

**नईदिल्ली (एजेंसी)।** लद्दाख का पर्यटन उद्योग मुश्किलों से जूझ रहा है। लेह में हुए प्रदर्शनों और सोनम वांगचुक की गिरफ्तारी के कारण स्थिति और भी खराब हो गई है। पहलगाम हमले के बाद पर्यटकों की संख्या में गिरावट आई थी लेकिन हालिया प्रदर्शनों ने बुकिंग रद्द करा दी हैं। लेह में कर्फ्यू लगने से कई पर्यटक फंस गए हैं।

**हजारों परिवारों की आय पर संकट, सैलानी होटल में फंसे**– लद्दाख का पर्यटन उद्योग इस समय बड़ी मुश्किल में है। लेह में हाल ही में हुए प्रदर्शनों और कार्यकर्ता सोनम वांगचुक की गिरफ्तारी के बाद हालात और बिगड़ गए। पहले से ही अप्रैल में पहलगाम हमले के बाद पर्यटकों की संख्या घट गई थी, लेकिन पिछले हफ्ते हुए प्रदर्शनों के कारण और भी ज्यादा बुकिंग रद हो गई है। 24 सितंबर को लेह शहर में अनिश्चितकालीन कर्फ्यू लगा दिया गया। इस वजह से कई सैलानी वहां फंस गए हैं और परेशानियों का सामना कर रहे हैं। 24 सितंबर को लेह एपेक्स बॉडी से जुड़े एक संगठन ने बंद बुलाया था। इस दौरान झड़पें हुईं, जिसमें चार लोगों की मौत हो गई और 150 से ज्यादा लोग घायल हो गए। स्थिति को काबू में करने के लिए प्रशासन ने कर्फ्यू के साथ–साथ मोबाइल और इंटरनेट सेवाएं भी बंद कर दी।

## ट्रंप के बाद अब चीन ने भारतीय दवा उत्पादों पर किया बड़ा ऐलान

### 30 प्रतिशत आयात शुल्क हटाकर अब शून्य किया

**नईदिल्ली (एजेंसी)।** चीन ने भारतीय दवा उत्पादों पर लगने वाला 30 प्रतिशत आयात शुल्क पूरी तरह हटा दिया है। यह फैसला अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा फार्मा उत्पादों पर 100 प्रतिशत टैरिफ लगाने के तुरंत बाद आया। अब भारतीय कंपनियां बिना शुल्क के चीन

को दवाएं बेच सकेंगी। चीन ने भारतीय दवा उत्पादों पर लगने वाला 30 प्रतिशत आयात शुल्क हटाकर पूरी तरह से अब शून्य कर दिया है। यह फैसला अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा फार्मा आयात पर 100 फीसदी टैरिफ लगाने के बाद आया। अब भारतीय कंपनियां बिना किसी शुल्क के चीन को दवाएं निर्यात कर सकेंगी। इस कदम से भारत की सस्ती दवाओं के लिए चीन एक मजबूत वैकल्पिक बाजार बन सकता है और आने वाले समय में भारतीय दवा निर्यात में अरबों डॉलर की बढ़ोतरी हो सकती है।

**चीन के फैसले से फायदा**– चीन द्वारा आयात शुल्क घटाने के बाद भारतीय फार्मा कंपनियों को बड़ा लाभ मिलेगा।

# पीएम मोदी बोले- खेल के मैदान पर भी ऑपरेशन सिंदूर

### सूर्या का जवाब- पीएम फ्रंट फुट पर खेलते हैं

**पीसीबी चीफ से टीम इंडिया ने ट्रॉफी नहीं ली**

**नईदिल्ली (एजेंसी)।** दुबई में रविवार को एशिया कप के फाइनल में भारत ने पाकिस्तान को 5 विकेट से हरा कर नौवीं बार एशिया कप का खिताब जीत लिया है। भारत की जीत के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया पर लिखा- ऑपरेशन सिंदूर खेल के मैदान पर जारी। सूर्या ने कहा- अच्छा लगता है जब देश का लीडर फ्रंट फुट पर बल्लेबाजी करता है।

भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने पीएम मोदी के बयान पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने मीडिया से कहा- अच्छा लगता है जब देश का लीडर फ्रंट फुट पर बल्लेबाजी करता है। यह ऐसा है जैसे वह खुद स्ट्राइक लेकर रन बना रहे हैं।

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के चेयरमैन मोहसिन नकवी विजेता टीम को अवॉर्ड देने पहुंचे, लेकिन भारतीय टीम ने उनसे अवॉर्ड लेने से इनकार कर दिया।

### मोदी के ऑपरेशन सिंदूर वाले बयान पर पाक रक्षामंत्री नाराज

पाकिस्तान के रक्षामंत्री ख्वाजा आसिफ ने पीएम मोदी पर अपनी राजनीति बचाने के लिए बातचीत का रास्ता खत्म करने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा है कि मोदी क्रिकेट की संस्कृति और खेल भावना को नष्ट करके, शांति और समस्याओं के समाधान की संभावनाओं को खत्म कर रहे हैं। दरअसल, पीएम मोदी ने एक्स पर पोस्ट कर एशिया कप में भारत की जीत को खेल के मैदान पर ऑपरेशन सिंदूर बताया। इसके जवाब में आसिफ ने कहा पाकिस्तान–भारत के बीच 6–0 का युद्ध स्कोर हमेशा के लिए दर्ज हो चुका है।

## सोना ऑलटाइम हाई पर, 2030 महंगा होकर 1.15 लाख पार

- इस साल दाम 39,000 बढ़े, चांदी की कीमत रिकॉर्ड 1.44 लाख प्रति किलो हुई

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** सोने–चांदी के दाम सोमवार (29 सितंबर) को अपने नए ऑल टाइम हाई पर पहुंच गए हैं। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार, 10 ग्राम 24 कैरेट

सोना 2,030 रुपए बढ़कर 1,15,292 रुपए पर पहुंच गया है। इससे पहले ये 1,13,262 रुपए पर था। वहीं, चांदी भी 6,000 रुपए बढ़कर 1,44,100 रुपए प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई। इससे पहले ये 1,38,100 रुपए पर थी।

**इस साल सोना 39,000 और चांदी 50,000 महंगी हुई**– इस साल अब तक सोने की कीमत करीब 39,130 रुपए बढ़ी है। 31 दिसंबर 2024 को 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 76,162 रुपए का था, जो अब 1,15,292 रुपए हो गया है।

# पिकअप की टक्कर से बाइक सवार 5 लोगों की मौत

**लखनऊ/हरदोई (एजेंसी)।** उत्तर प्रदेश के हरदोई जिले से एक बड़ा हादसा सामने आया है। यहां सुरसा थाना क्षेत्र अंतर्गत सोमवार करीब ढाई बजे सुरसा तिराहे पर पिकअप की टक्कर से पांच लोगों की मौत हो गई। मरने वालों में दो महिलाएं, एक पुरुष और दो बच्चे शामिल हैं। जानकारी के अनुसार, सुरसा थाना क्षेत्र के भिठा के रहने संदीप के लड़के कार्तिक का मुंडन था। गांव एवं रिश्तेदार ट्रैक्टर-ट्राली और बाइकों से बाबा मंदिर गए थे। जहां से मुंडन कराकर वापस आ रहे थे। बताया जा रहा है कि एक बाइक पर संतराम, उसकी पत्नी संगीता, संदीप की पत्नी मोनी, संदीप की बेटी गौरी

और राजेश का पुत्र आमू बैठे थे।

- **सुरसा तिराहे पर पिकअप ने मारी टक्कर**– बताया जा रहा है कि सुरसा तिराहे पर सामने से आ रहे पिकअप डाला ने बाइक को टक्कर

मार दी, जिससे बाइक में बैठे संतराम, संगीता, मौनी और गौरी की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि आमू घायल हो गया। राहगीरों ने घटना की सूचना पुलिस को दी।

# राहुल गांधी को जान से मारने की धमकी

- कांग्रेस ने शाह को लेटर लिखा, प्रवक्ता ने टीवी पर कहा था- सीने में गोली मारी जाएगी

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने 28 सितंबर को गृह मंत्री अमित शाह को चिट्ठी लिखी, जिसमें पूर्व एबीवीपी नेता की टीवी पर बहस के दौरान राहुल गांधी को जान से मारने की धमकी देने का जिक्र है। लेटर में कहा गया कि भाजपा प्रवक्ता के खिलाफ तुरंत कार्रवाई न होना राहुल गांधी के खिलाफ हिंसा में मिलीभगत माना जाएगा।

वेणुगोपाल ने अमित शाह को लिखा- यह धमकी किसी छोटे पदाधिकारी की लापरवाही भरा रिएक्शन नहीं है। यह जानबूझकर फैलाए गए नफरत के जहरीले वातावरण का असर है। जो विपक्ष के नेता

को असुरक्षित बनाता है। अब यह आपकी जिम्मेदारी है कि आप बताएं आपकी पार्टी और सरकार किस विचारधारा के पक्ष में हैं।

दरअसल, केरल में एक न्यूज चैनल पर लद्दाख हिंसा पर लाइव बहस चल रही थी। इस दौरान भाजपा की तरफ से बोलने आए पूर्व एबीवीपी नेता प्रिंटू महादेव ने कहा था कि राहुल गांधी को सीने में गोली मार दी जाएगी।

# करूर भगदड़, राज्य सरकार की कमेटी ने जांच शुरू की

**स्टालिन बोले- पब्लिक इवेंट्स के लिए नए नियम बनेंगे, एनडीए का दल भी दौरा करेगा**

**करूर, तमिलनाडु (एजेंसी)।** करूर भगदड़ की जांच रिटायर्ड हाईकोर्ट जस्टिस अरूणा जगदीशन की अध्यक्षता वाली कमेटी को सौंपी गई है। सोमवार को रिटा. जस्टिस करूर सिविल अस्पताल पहुंचीं। घायलों की हाल जाना।

वहीं, सीएम स्टालिन ने कहा कि कमेटी की जांच रिपोर्ट मिलने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। साथ ही राजनीतिक दलों और अन्य संगठनों के आयोजित पब्लिक इवेंट्स (रैली-सभा) के लिए नए नियम बनाए जाएंगे।

सोमवार को बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने एनडीए के 8 सदस्यीय दल का गठन किया। जो करूर का दौरा करेगा। मथुरा सांसद हेमा मालिनी को दल का कन्वीनर बनाया गया है। अनुराग ठाकुर, तेजस्वी सूर्या भी इसमें शामिल हैं।

तमिल एक्टर विजय की पॉलिटिकल पार्टी टीवीके की चुनावी रैली में 27 सितंबर का शाम भगदड़ मची थी। अब तक 41 लोगों की मौत हो चुकी है। मृतकों में 18 महिलाएं, 13 पुरुष और 10 बच्चे शामिल हैं।

- **केंद्रीय मंत्रियों का करूर दौरा, पीड़ित परिवारों से मिले**– केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण राज्य मंत्री एल. मुरुगन ने करूर के वेलुसामीपुरम का दौरा किया। यहीं पर भगदड़ मची थी। इसके बाद अस्पताल पहुंचकर घायलों का हाल जाना। दोनों पुथुर गांव पहुंचे। यहां के पांच लोगों की भगदड़ में हुई।
- **एक्टर विजय के घर को बम से उड़ाने की धमकी**– रविवार रात एक्टर विजय के नीलांकरई स्थित घर को बम से उड़ाने की धमकी मिली। चेन्नई पुलिस को कॉल कर बताया गया कि घर में बम रखा है।

**बरेली में तौकीर रजा के मार्केट पर चलेगा बुलडोजर**

## 37 दुकानें खाली कराईं, पुलिस को हाथ काटने की धमकी देने वाला वसूलता था किराया

**बरेली (एजेंसी)।** बरेली बवाल में मौलाना तौकीर रजा की गिरफ्तारी के बाद अब उनके मार्केट पर बुलडोजर चलाने की तैयारी है। नॉवेल्टी चौराहे पर स्थित इस दो मंजिला मार्केट में 37 दुकानें हैं। बुलडोजर चलाने के लिए मार्केट की दुकानों को खाली करा लिया गया है।

इसकी देख-रेख मौलाना तौकीर रजा की पार्टी आईएमसी के राष्ट्रीय महासचिव डॉ. नफीस करते हैं। नफीस ने बवाल से पहले पुलिस के हाथ काटने और वर्दी उतरवाने की धमकी दी थी। अधिकारियों के मुताबिक, मार्केट को नगर निगम की जमीन पर अवैध रूप से बनाया गया है। वहीं, बरेली में अब आज 30 सितंबर तक इंटरनेट बंद कर दिया गया है।

# भाजपा कार्यालय की पहचान सुविधाओं से नहीं, जनसेवा और जनसुनवाई से होनी चाहिए : मोदी

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को यहां भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नए प्रदेश कार्यालय का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि दिल्ली भाजपा के इस कार्यालय की पहचान इसकी भव्यता या सुविधाओं से नहीं बल्कि जनसुनवाई और जनसेवा से होनी चाहिए।

प्रधानमंत्री ने कहा कि भाजपा कार्यकर्ताओं के लिए यह कार्यालय केवल एक इमारत नहीं बल्कि सेवा और संवेदना का केंद्र है। उन्होंने कहा, 'हमारे कार्यकर्ता यहां तभी आएं जब वे किसी जरूरतमंद की उम्मीदें लेकर आएं। इस कार्यालय से लिए गए फैसले जितने संवेदनशील और सेवा भाव से प्रेरित होंगे, उतना ही दिल्ली के नागरिकों का हित सुनिश्चित होगा।'

नवरात्रि के अवसर पर उद्घाटन को विशेष बताते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि यह अवसर भाजपा के लिए नए सपनों और नए संकल्पों से भरा है। उन्होंने दिल्ली भाजपा के सभी कार्यकर्ताओं को बधाई देते हुए कहा कि पार्टी ने 45 वर्षों की यात्रा में अनेक उतार-चढ़ाव देखे हैं और आज यह एक विशाल संगठन के रूप में देश के कोने-कोने तक पहुंच चुकी है। उन्होंने याद दिलाया कि भाजपा की जड़ें 1951 में श्यामा प्रसाद मुखर्जी के नेतृत्व में स्थापित जनसंघ से जुड़ी हैं। दिल्ली जनसंघ को अपना पहला अध्यक्ष वैद्य गुरुदत्त के रूप में मिला था। समय-समय पर एलके आडवाणी, डॉ. भाई महावीर और हरदयाल देवगुण जैसे नेताओं ने संगठन को मजबूत किया। वर्ष 1980 में भाजपा के गठन के बाद दिल्ली की कमान वीके मल्होत्रा के हाथों में रही।

प्रधानमंत्री ने दिल्ली भाजपा के अतीत को याद करते हुए कहा कि मदनलाल खुराना, साहब सिंह वर्मा, केदारनाथ साहनी जैसे दिग्गज नेताओं ने पार्टी को दिल्ली में मजबूती दी। वहीं, अरुण जेटली और सुषमा स्वराज जैसे नेताओं ने अपना जीवन भाजपा और जनता की सेवा को समर्पित कर दिया। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि दिल्ली और भाजपा का संबंध केवल एक राजनीतिक संगठन और एक शहर का रिश्ता नहीं है बल्कि यह संबंध सेवा, संस्कार और संघर्ष से जुड़ा हुआ है। उन्होंने बताया कि बंटवारे के बाद जब लाखों शरणार्थी दिल्ली आए, तब जनसंघ के कार्यकर्ताओं ने उनके पुनर्वास का कार्य संभाला।

आपातकाल के दौर में संगठन के पदाधिकारियों ने सत्ता के दमन के खिलाफ संघर्ष किया और 1984 के सिख विरोधी दंगों के समय कार्यकर्ताओं ने हर संभव मदद कर पीड़ित परिवारों का साथ दिया। प्रधानमंत्री ने कहा कि दिल्ली भाजपा का यह त्याग और संघर्ष ही उसे जनता से जोड़े रखता है। उन्होंने कहा कि अतीत में जब भी राष्ट्रीय स्तर पर आंदोलन हुए, उनका केंद्र दिल्ली रहा। उस दौर में जब पार्टी के पास सीमित संसाधन थे, तब भी दिल्ली के कार्यकर्ताओं ने पूरे देश से आए कार्यकर्ताओं को अपने घरों में ठहराकर संगठन को मजबूत करने में अहम योगदान दिया।

प्रधानमंत्री मोदी ने नए प्रदेश कार्यालय को केवल एक इमारत न बताते हुए उसे देवालय की संज्ञा दी। उन्होंने कहा, 'हमारे लिए कोई भी भाजपा कार्यालय किसी मंदिर से कम नहीं है। यह कार्यालय हमारी पार्टी को जमीन और जन-अपेक्षाओं से जोड़ने वाली मजबूत कड़ी है। भाजपा सत्ता के लिए नहीं बल्कि सेवा के लिए सरकार में है और यह कार्यालय उस चेतना को जागृत करता है।'

प्रधानमंत्री ने कहा कि वर्षों के बाद दिल्ली में भाजपा की सरकार बनने से जनता ने अपने बेहतर भविष्य की उम्मीदें पार्टी पर जताई हैं। झुग्गी-बस्तियों में नए मकान, सरकारी स्कूलों और अस्पतालों को आधुनिक बनाने, यमुना की सफाई और इलेक्ट्रिक बसों के संचालन जैसे कार्यों पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जब दिल्ली भाजपा संगठन और सरकार मिलकर काम करेंगे तो विकसित भारत और विकसित दिल्ली का सपना तेजी से पूरा होगा।

मोदी ने भाजपा सरकारों के सुशासन मॉडल पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि भाजपा ने 'विकास भी और विरासत भी' के मंत्र को अपनाते हुए काम किया है। सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए सरकार ने भ्रष्टाचार मुक्त शासन का वातावरण बनाया है।

उन्होंने कर सुधारों का उल्लेख करते हुए बताया कि 2014 से पहले दो लाख रुपये से अधिक आय पर टैक्स देना पड़ता था, लेकिन अब 12 लाख रुपये तक की आय कर मुक्त है। इसी तरह जीएसटी से भी आम परिवारों की बचत में इजाफा हुआ है। इन सुधारों से हर साल देशवासियों को करीब ढाई लाख करोड़ रुपये की बचत हो रही है।

प्रधानमंत्री ने पार्टी कार्यकर्ताओं से कहा कि वे नेक्स्ट जनरेशन जीएसटी का लाभ प्रत्येक सामान्य व्यक्ति तक पहुंचाएं और दुकानदारों व ग्राहकों को इसके प्रति जागरूक करें। प्रधानमंत्री मोदी ने देश को आत्मनिर्भर बनाने पर जोर देते हुए कहा कि हमें 'स्वदेश अपनाओ' अभियान को आगे बढ़ाना है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से अपील की कि वे देशभर में दुकानों पर 'ये स्वदेश है' बोर्ड लगाने का अभियान चलाएं। प्रधानमंत्री ने देश की सांस्कृतिक एकता को रेखांकित करते हुए कहा कि दिल्ली भारत की विविधता का प्रतिबिंब है। देश के सभी राज्यों के प्रमुख त्योहार दिल्ली में मनाए जाने चाहिए ताकि यह संदेश जाए कि भारत एक परिवार है। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि जब सिंगापुर में दीपावली पर रोशनी होती है या अन्य देशों में उनके प्रमुख नेता दीप जलाते हैं तो भारतीयों को गर्व होता है। इसी तरह भारत में भी अगर हर राज्य का त्योहार पूरे देश में मनाया जाए तो एकता की भावना और मजबूत होगी।

## ऐप के जरिए 100 से अधिक महिलाओं से धोखाधड़ी के मामले में नाइजीरियाई नागरिक गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। पुलिस ने सोमवार को बताया कि पश्चिमी दिल्ली के तिलक नगर से 29 वर्षीय एक नाइजीरियाई नागरिक को गिरफ्तार किया गया है। उस पर एक भाषा विनिमय ऐप पर खुद को ब्रिटिश कोरियाई व्यवसायी बताकर भारत भर की 100 से ज्यादा महिलाओं को ठगने का आरोप है। उन्होंने बताया कि स्टीफन उर्फ के सी डोमिनिक को उसके किराए के मकान से गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने डोमिनिक की कार्यप्रणाली के बारे में बताते हुए कहा कि वह एक ऐसे ऐप का इस्तेमाल करता था जो दुनिया भर के मूल भाषियों से चैट करके उपयोगकर्ताओं को भाषाओं का अभ्यास करने में मदद करता है। यह ऐप अविवाहित महिलाओं को निशाना बनाता और उनका विश्वास जीतता था। इसके बाद वह बड़ी राशि के चेक या दस्तावेज मंजूरी के लिए आव्रजन विभाग में फंसे होने का दावा करता था। पुलिस ने बताया कि उसके साथी पैसे की मांग करने के लिए अधिकारी बनकर फोन कॉल करते थे, जिसे पीड़ित डिजिटल रूप से हस्तांतरित कर देते थे। पुलिस उपायुक्त (शाहदरा) प्रशांत गौतम ने बताया कि डोमिनिक कथित तौर पर खुद को ब्रिटेन में बसे एक कोरियाई आभूषण व्यवसायी डक यंग के रूप में पेश करता था और महिलाओं को व्यक्तिगत संबंधों और व्यावसायिक साझेदारी के झूठे वादों से फंसाता था। यह मामला तब प्रकाश में आया जब अंजलि नामक महिला ने 24 सितंबर को शिकायत दर्ज कराई कि उसके साथ 48,500 रुपये की ठगी हुई है।

## उद्योगपति से जबरन वसूली के मामले में आठ लोग गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। लॉरेंस बिश्नोई गिरोह के नाम पर दिल्ली के एक उद्योगपति से पांच करोड़ रुपये की रंगदारी की मांग करने के सिलसिले में आठ लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि 14 सितंबर को शहर के बाहरी उत्तरी इलाके में रहने वाले उद्योगपति को एक अंतरराष्ट्रीय नंबर से कॉल आया था। कॉल करने वाले ने खुद को बिश्नोई गिरोह का सदस्य बताया और पांच करोड़ रुपये की मांग की। उसके अनुसार, धमकी देने के दौरान गोली भी चलाई गई थी।

## निर्माणाधीन इमारत से लोहे की छड़ गिरने से 5 साल की बच्ची की मौत

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के जगतपुरी एक्सटेंशन में सोमवार को निर्माणाधीन इमारत से गिरी लोहे की छड़ से 5 साल की बच्ची की जान चली गई। यह घटना सुबह 11 बजे गली नंबर 4 में हुई, जब बच्ची सड़क से गुजर रही थी। पुलिस को सुबह 11 बजे पीसीआर कॉल के जरिए सूचना मिली कि एक निर्माणाधीन इमारत से लोहे की छड़ गिरने से बच्ची घायल हो गई। बच्ची को तुरंत जीटीबी अस्पताल ले जाया गया, जहां उसे गंभीर हालत में आईसीयू में भर्ती किया गया। जांच में पता चला कि चार मंजिला इमारत की छत पर पानी की टंकी के लिए लोहे की छड़ का उपयोग हो रहा था, जो अचानक गिर गई। छड़ बच्ची के सिर पर लगी, जिससे उसकी दाहिनी आंख और सिर में गंभीर चोट आई। बच्ची के पिता के बयान के आधार पर पुलिस ने तुरंत मकान मालिक नत्थू सिंह और तीन मजदूरों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की। इलाज के दौरान बच्ची की मृत्यु हो गई। पुलिस ने लोहे की छड़ को जब्त कर लिया और निर्माण कार्य को तत्काल रोक दिया गया। मकान मालिक नत्थू सिंह और तीन मजदूरों को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस के अनुसार, यह हादसा निर्माण स्थल पर सुरक्षा मानकों की अनदेखी के कारण हुआ। डीसीपी शाहदरा ने बताया कि मामले की गहन जांच की जा रही है ताकि ऐसी घटनाओं को भविष्य में रोका जा सके। इस हादसे ने स्थानीय लोगों में निर्माण कार्यों की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ा दी है।

## दिल्ली : चैतन्यानंद मामले में हरि सिंह कोपकोटी गिरफ्तार, धमकी भरे कॉल का खुलासा

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली पुलिस ने एक हाई-प्रोफाइल मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी चैतन्यानंद के सहयोगी हरि सिंह कोपकोटी (38 वर्ष) को उत्तराखंड के बागेश्वर जिले से गिरफ्तार किया। यह कार्रवाई पीड़िता के पिता को धमकी भरे कॉल के सिलसिले में की गई, जो 14 सितंबर को एक नंबर से प्राप्त हुआ था। पुलिस ने इस मामले में गहन जांच के बाद हरि सिंह को दिल्ली लाकर पूछताछ की, जिसमें कई अहम खुलासे हुए। जांच के दौरान, पुलिस ने मुख्य आरोपी चैतन्यानंद को उन स्थानों पर ले जाकर तलाशी ली, जहां वह रहता था और कार्य करता था। इनमें उसका कार्यालय और कमरा शामिल थे। पुलिस का उद्देश्य किसी भी आपत्तिजनक सबूत को इकट्ठा करना था। जांच में सामने आया कि चैतन्यानंद ने हरि सिंह को पीड़िता के पिता को धमकी देने का निर्देश दिया था ताकि वे शिकायत वापस ले लें। हरि सिंह ने पूछताछ में बताया कि वह स्थानीय नगरपालिका के काम से अपनी आजीविका चलाता है। उसने खुलासा किया कि वह पिछले साल एक परिचित के जरिए चैतन्यानंद के संपर्क में उस वक्त आया था, जब वह दिल्ली आया था। उस दौरान चैतन्यानंद से उसकी औपचारिक मुलाकात हुई थी। हरि सिंह ने स्वीकार किया कि 14 सितंबर 2025 को उसने चैतन्यानंद के कहने पर पीड़िता के पिता को फोन कर शिकायत वापस लेने का दबाव बनाया। पुलिस ने धमकी में इस्तेमाल मोबाइल फोन को जब्त कर लिया है। चैतन्यानंद के खिलाफजांच अभी भी जारी है और अन्य संदिग्धों की तलाश की जा रही है। बता दें कि यौन शोषण के गंभीर मामले में आरोपी चैतन्यानंद पर दिल्ली पुलिस का शिकंजा कसता जा रहा है। रविवार को पटियाला हाउस कोर्ट ने बाबा को 5 दिन की पुलिस हिरासत में भेजा था। पुलिस की जांच में यह सामने आया कि बाबा ने बाथरूम तक में कैमरे लगाए थे, जिससे छात्राओं की निजता का गंभीर उल्लंघन होता था। पुलिस का कहना है कि पीड़ित लड़कियों को अल्मोड़ा, गुड़गांव और फरीदाबाद तक ले जाया जाता था। फिलहाल 16 लड़कियों ने इस मामले में औपचारिक शिकायत दर्ज कराई है।

## दिल्ली जल बोर्ड ने बागवानी के लिए शोधित जल पहुंचाने वाली परियोजना को मंजूरी दी

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली जल बोर्ड ने राष्ट्रीय राजधानी में बागबानी के लिए सीवेज उपचार संयंत्रों (एसटीपी) से शोधित पानी पहुंचाने के लिए 90 करोड़ रुपये की एक परियोजना को मंजूरी दी है। जल मंत्री प्रवेश वर्मा ने यह जानकारी दी। वर्मा ने बोर्ड की बैठक की अध्यक्षता की, जिसमें इस परियोजना को मंजूरी दी गई। उन्होंने कहा कि पार्क और सड़कों के किनारे हरे क्षेत्रों में शोधित पानी पहुंचाने के लिए पाइपलाइन बिछाई जाएगी। वर्मा ने कहा, 'हमारा लक्ष्य है कि एसटीपी से निकलने वाले शोधित पानी का बागबानी और खेती में इस्तेमाल किया जाए। शोधित पानी को बड़े पार्क, सड़कों के किनारे पेड़-पौधों तक पहुंचाने के लिए पाइपलाइन बिछाने वाली परियोजना को मंजूरी दी गई है।' उन्होंने कहा कि दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) और लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) मिलकर इस परियोजना पर काम करेंगे। अधिकारियों के अनुसार बोर्ड के पास 37 एसटीपी हैं जिनमें से 18 की मलजल शोधन क्षमता को बढ़ाने के लिए उन्नयन का काम जारी है। बोर्ड के सभी मौजूदा एसटीपी में लगभग 600 मिलियन गैलन प्रतिदिन (एमजीडी) सीवेज उपचार क्षमता है, जबकि अनुमानित उत्पादन 792 एमजीडी है। मंत्री ने कहा, 'जहां जरूरत होगी वहां शोधित जल पहुंचाया जाएगा जैसे डीडीए पार्क और पीडब्ल्यूडी सड़कें तथा अन्य संबंधित विभागों को भी शोधित जल मिल सकेगा। हमने कुछ हिस्सों को देखा है जहां जल आपूर्ति की समस्या है, जिसका समाधान होगा। हमने शहर में 90 ऐसे इलाकों की पहचान कर ली है जहां यह पाइपलाइन बिछायी जा सकती हैं। डीजेबी ने सीवरेज सुधार योजना (एसआईएस) शुरू की है, जो शहर में सीवरेज बुनियादी ढांचे को सुधारने के लिए मास्टर प्लान है।' अधिकारियों ने कहा कि एसटीपी के उन्यन्न के बाद शोधित जल को सरकार के तय मानकों के तहत छोड़ा जाएगा और उपचार क्षमता को भी बढ़ाया जाएगा। मंत्री ने कहा, 'एसटीपी के उन्नयन के अंतर्गत डीजेबी पानी की गुणवत्ता में और सुधार कर इसे 10 जैव रासायनिक ऑक्सीजन मांग स्तर (बीओडी) तक लाया जा रहा है, जिसका बागबानी के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है।'

# केजरीवाल का जहाज़ डूब रहा है: कांग्रेस में शामिल हुए आप के कई पदाधिकारी

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेन्द्र यादव ने कहा कि आम आदमी पार्टी के ब्लॉक अध्यक्ष, निगम प्रत्याशी और पदाधिकारियों का कांग्रेस से जुड़ना इस बात का प्रमाण है कि दिल्ली में आम आदमी पार्टी का जनाधार लगातार कमजोर हो रहा है और उसका 'जहाज़ डूबने की कगार पर है।'

प्रदेश कांग्रेस कार्यालय राजीव भवन में आयोजित कार्यक्रम के दौरान आम आदमी पार्टी से जुड़े नेताओं और कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण की। इस अवसर पर देवेन्द्र यादव ने उन्हें कांग्रेस का पटका पहनाकर पार्टी परिवार में स्वागत किया। उन्होंने कहा कि विधानसभा चुनाव में हार के बाद आम आदमी पार्टी का अस्तित्व दिल्ली से समाप्त होता जा रहा है और अब विपक्षी दलों के कार्यकर्ता कांग्रेस की विचारधारा और राहुल गांधी के नेतृत्व पर भरोसा जताते हुए कांग्रेस से जुड़ रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि आने वाले समय में ये कार्यकर्ता कांग्रेस के दिशा-निर्देशों के अनुरूप जनता के बीच जाकर झूठ, फरेब, भ्रष्टाचार और गुमराह करने वाली राजनीति के खिलाफ संघर्ष करेंगे।

कांग्रेस में शामिल होने वालों में सुभाष मोहल्ला वार्ड-233 से निगम प्रत्याशी राशिद अली, कड़कड़डूमा कोर्ट के सदस्य सनफ खान, रेशमा खान, शुभम पांचाल, तनिष्क जयंत, रोहित शर्मा, शोयब इकरा, फिरोज मलिक, कंचन शर्मा, समरीन सैफी, तरन्नम मिर्जा, रईस अंसारी, आरिफ, पश्चिमी दिल्ली लोकसभा के मटियाला विधानसभा से द्वारका बी ब्लॉक अध्यक्ष जनवेद यादव, साहिल राणा, तिलक नगर विधानसभा से सुखविन्दर पाल सिंह, विकासपुरी विधानसभा से संयोगिता और उमेद सिंह सहित सैकड़ों कार्यकर्ता शामिल रहे।

देवेन्द्र यादव ने कहा कि इतनी बड़ी संख्या में आम आदमी पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं का कांग्रेस में शामिल होना यह स्पष्ट संकेत है कि दिल्ली की जनता अब आम आदमी पार्टी की राजनीति से मोहभंग हो चुकी है। इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष देवेन्द्र यादव के साथ जिला अध्यक्ष आदेश भारद्वाज, धर्मपाल चंदेला, ऑब्जर्वर डा. पी.के. मिश्रा, राजेश यादव, लक्ष्मण रावत, मोहम्मद शहजाद, महेन्द्र खेड़ा और रघुविन्द्र सिंह पठानिया भी उपस्थित रहे।

## देशभर में भाजपा के 618 कार्यालय स्थापित : जेपी नड्डा

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष जेपी नड्डा ने दिल्ली प्रदेश कार्यालय के उद्घाटन के अवसर पर कहा कि देशभर में 787 कार्यालय बनाने का लक्ष्य है। अबतक दिल्ली समेत 618 कार्यालय बनाए जा चुके हैं। सोमवार को दिल्ली प्रदेश के कार्यालय के उद्घाटन के लिए प्रधानमंत्री मोदी का विशेष आभार व्यक्त करते हुए जेपी नड्डा ने कहा कि जब जब हमने पार्टी के लिए, किसी भी कार्य के लिए उनसे मार्गदर्शन मांगा, समय मांगा। उन्होंने पार्टी के लिए हमेशा सबको समय दिया। जब भी पार्टी ने कुछ निवेदन किया वे हमेशा आतुरता से सहर्ष स्वीकार करते हुए उसे पूरा किया है। उनके जीवन का एक-एक पल देश और पार्टी के लिए समर्पित है। आज हम सब के लिए बहुत ही खुशी का विषय है कि एक लंबे अंतराल और इंतजार के बाद दिल्ली प्रदेश के भाजपा का अपना कार्यालय बनकर आज सुसज्जित है और प्रधानमंत्री के कर-कमलों द्वारा उसका श्री गणेश हुआ है। जेपी नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी हमेशा कहते हैं कि ऑफिस और कार्यालय में अंतर होता है। ऑफिस 9 से पांच खुलता है लेकिन कार्यालय लोगों की सेवा के लिए सालभर चौबीसों घंटे खुला रहता है। कार्यालय संस्कार केन्द्र है, यहां से संस्कारों की उत्तति होती है। प्रधानमंत्री की इसी सोच को आज दिल्ली प्रदेश का यह कार्यालय कार्यान्वित करने जा रहा है। इस कार्यालय में मीडिया केन्द्र, लाइब्रेरी, कॉन्फ्रेंस हॉल आदि बनाए गए हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हमेशा इस बात पर जोर दिया है कि कार्यालय सरकारी भवनों में नहीं, बल्कि अपना स्थापित किया जाना चाहिए। जहां सारे मूलभूत सुविधाएं हों। उद्घाटन कार्यक्रम को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी संबोधित किया। इस मौके पर दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता भी शामिल रहीं। आज सुबह दिल्ली की मुख्यमंत्री ने नए भाजपा दिल्ली मुख्यालय में हवन किया था। 825 वर्ग मीटर में बने इस भवन में दो बेसमेंट हैं, जहां 50 गाड़ियों की पार्किंग होगी। भूतल पर प्रेस वार्ता के लिए बड़ा कॉन्फ्रेंस हॉल, और कैंटीन की सुविधा है। पहली मंजिल पर 300 लोगों की क्षमता वाला सभागार बनाया गया है। दूसरी और तीसरी मंजिल पर प्रदेश महासचिवों, सचिवों और उपाध्यक्षों के कार्यालय होंगे। शीर्ष मंजिल पर प्रदेश अध्यक्ष, संगठन महासचिव और प्रभारी के दफ्तर होंगे।

# डीयू अधिकारियों और पुलिस ने साझा किए डूसू चुनाव-2025 के अनुभव

### -पिछले अनुभवों से बहुत कुछ सीखा, आने वाले चुनाव में काम आएंगे इस बार के अनुभव- कुलपति प्रो. योगेश सिंह

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ (डूसू) -2025-26 सम्पन्न होने पर डूसू चुनाव समिति के समीक्षात्मक बैठक का आयोजन कुलपति प्रो. योगेश सिंह के अध्यक्षता में हुआ। इस अवसर पर दिल्ली पुलिस के आला अधिकारी भी उपस्थित रहे। कुलपति प्रो. योगेश सिंह ने डूसू चुनाव के सफल आयोजन के लिए डूसू चुनाव समिति और दिल्ली पुलिस को बधाई देते हुए कहा कि दोनों ओर से सकारात्मक सहयोग से चुनाव का सफल आयोजन हो पाया। कुलपति ने कहा कि हमने पिछले डूसू चुनाव के दौरान हुए अनुभवों से बहुत कुछ सीखा, इस बार के चुनाव के अनुभव आने वाले चुनाव के सफल आयोजन में काम आएंगे। इस दौरान उन्होंने पुलिस अधिकारियों से उनके अनुभव और सुझाव भी आमंत्रित किए।

इस अवसर पर पुलिस अधिकारियों को उनके सहयोग के लिए सम्मानित भी किया गया। बैठक के दौरान डूसू के मुख्य चुनाव अधिकारी प्रो. राज किशोर शर्मा ने चुनाव के बारे में जानकारी प्रस्तुत की। उन्होंने बताया कि इस बार पिछले वर्ष के मुक़ाबले 4त्न अधिक मतदान हुआ है। मिरांडा हाउस में तो 60त्न से अधिक मतदान दर्ज किया गया। उन्होंने बताया कि इस बार नोटा को मिले वोटों में भी इजाफा हुआ है। डूसू चुनाव के प्रजाइडिंग ऑफिसर प्रो. राजेश सिंह ने कहा कि इस बार ग्रीन एंड क्लीन इलैक्शन मुहिम काफी हद तक सफल हुई है।

दिल्ली पुलिस के डीसीपी नॉर्थ वेस्ट भीषम सिंह ने कहा कि वह, पहले छात्र जीवन में और अब अधिकारी के तौर पर, पिछले 30 वर्षों डूसू चुनाव को देखते आ रहे हैं। इस बार का चुनाव दिल्ली विश्वविद्यालय एवं दिल्ली पुलिस के बीच काफी अच्छे तालमेल से सफलता पूर्वक सम्पन्न हुआ। डीसीपी नॉर्थ, राजा बानथिया ने इनोवेटिव और क्रिएटिव रास्ते निकालने से चुनाव का आयोजन अच्छे से हो पाया।

इसके साथ ही वाल ऑफ डेमोक्रेसी की संख्या बढ़ाने से डिफ़ेसमेंट रोकने में सहायता मिली। सभी पुलिस अधिकारियों ने अपने अनुभवों एक आधार पर कई सुझाव भी डीयू अधिकारियों के सामने रखे। कुलपति प्रो. योगेश सिंह ने कहा कि इन सुझावों को आगामी चुनाव में अमल में लाया जाएगा ताकि अगले चुनाव का आयोजन और भी सफलता से हो सके। इस अवसर पर डीन ऑफ कॉलेजेज़ प्रो. बलराम पाणी, दक्षिणी परिसर की निदेशक प्रो. रजनी अब्बी, रजिस्ट्रार डॉ विकास गुप्ता, कल्चर काउंसिल के चेयर पर्सन श्री अनूप लाठर और प्रॉक्टर प्रो. मनोज कुमार सहित डूसू चुनाव से जुड़े डीयू के अधिकारी और चुनाव प्रक्रिया में सहयोग देने वाले दिल्ली पुलिस के कई अधिकारी उपस्थित रहे।

## भाजपा नहीं चाहती कि युवा भगत सिंह के दिखाए रास्ते पर चलें : ऋतुराज झा

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता ऋतुराज झा ने भारतीय जनता पार्टी पर शहीद-ए-आजम भगत सिंह की जयंती को नजरअंदाज करने का गंभीर आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि दिल्ली में आप सरकार के 10 साल के कार्यकाल में हर साल भगत सिंह की जयंती को पूरे सम्मान के साथ मनाया गया, जबकि भाजपा ने इस बार कोई कार्यक्रम आयोजित नहीं किया। भाजपा की भगत सिंह के प्रति नफरत साफ तौर पर जाहिर होती है। इतना ही नहीं, भाजपा ने उनके विचारों को दबाने की कोशिश की। ऋतुराज झा ने सोमवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, 卐कल शहीद-ए-आजम भगत सिंह की जयंती थी। आप सरकार ने दिल्ली में 10 साल तक इसे पूरे उत्साह के साथ मनाया। हमारे नेता अरविंद केजरीवाल जब भी प्रेस कॉन्फ्रेंस करते थे, वीडियो संदेश देते थे या कैबिनेट मीटिंग होती थी, उनके पीछे हमेशा भगत सिंह और बाबा साहेब आंबेडकर की तस्वीरें होती थीं। यह हमारी विचारधारा और देशभक्ति का प्रतीक था।卐 उन्होंने दावा किया कि आप सरकार ने भगत सिंह के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने और उनके सपनों के भारत के निर्माण के लिए काम किया, जबकि भाजपा ने देश के महानायकों का अपमान किया। भाजपा पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा, 卐दिल्ली में भाजपा की डबल इंजन की सरकार है, लेकिन शहीद भगत सिंह की जयंती पर कोई कार्यक्रम नहीं किया गया। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता का शेड्यूल देख लीजिए, पूरे दिन में भगत सिंह की जयंती से संबंधित कोई आयोजन नहीं था।卐 उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा नहीं चाहती कि भगत सिंह के क्रांतिकारी विचार युवाओं तक पहुंचें और उनके सपनों का समाज बने। भाजपा की यह नीति दर्शाती है कि वे भगत सिंह के विचारों से डरते हैं। वे नहीं चाहते कि युवा उनके दिखाए रास्ते पर चलें।

# दिल्ली गरबा महोत्सव 2025 : सांस्कृतिक उत्सव ने दिखाया नवरात्रि का जादू, पर्यटन को भी मिला बढ़ावा

**नई दिल्ली (शिखर समाचार)**
दिल्ली के द्वारका सेक्टर 13 में 26 से 28 सितंबर तक आयोजित दिल्ली गरबा महोत्सव 2025 ने इस बार न केवल नृत्य प्रेमियों को झूमने का अवसर दिया, बल्कि दिल्ली के पर्यटन और सांस्कृतिक दृष्टिकोण को भी नई पहचान दी। इस आयोजन का संचालन नित्य अनुभूति मीडिया द्वारा किया गया और इसे दिल्ली सरकार के पर्यटन विभाग का सहयोग प्राप्त रहा। इस महोत्सव में प्रमुख आकर्षण रही जी टीवी के लोकप्रिय शो डांस इंडिया डांस की उपविजेता, सुश्री श्रद्धा शाह, जिन्होंने सूरत से आकर प्रतियोगियों के लिए गरबा-डांडिया की विशेष कार्यशाला आयोजित की। कार्यशाला में पारंपरिक और आधुनिक नृत्य शैलियों का संगम देखने को मिला, जिससे प्रतियोगियों ने नृत्य कला में दक्षता बढ़ाई।

पहले दिन, विश्व हिंदू परिषद के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष एडवोकेट आलोक कुमार ने कार्यक्रम स्थल पर माता दुर्गा के दर्शन किए और महोत्सव की पारंपरिक और सांस्कृतिक गुणवत्ता की सराहना की। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि नवरात्रि केवल उत्सव नहीं, बल्कि मां दुर्गा की आराधना का पवित्र अवसर है। उन्होंने गरबा महोत्सवों में आस्था को मुख्य मानदंड बताते हुए कहा कि यह आयोजन केवल मनोरंजन के लिए नहीं, बल्कि भक्ति भाव के साथ होना चाहिए।

27 और 28 सितंबर को महोत्सव का माहौल और भी जीवंत रहा। महाराष्ट्र से आए गरबा-डांडिया कलाकार अनुरूप कविरत्न और साहित्य कविरत्न ने श्रद्धा शाह के साथ मिलकर प्रतियोगियों को नृत्य के पारंपरिक और आधुनिक मूव्स सिखाए। इस अवसर पर प्रसिद्ध कवि गजेन्द्र सोलंकी ने मां दुर्गा को समर्पित कविताओं से महोत्सव में भक्तिपूर्ण उत्साह भर दिया। उन्होंने दिल्ली सरकार के पर्यटन विभाग को महोत्सव सहयोग के लिए धन्यवाद भी ज्ञापित किया।

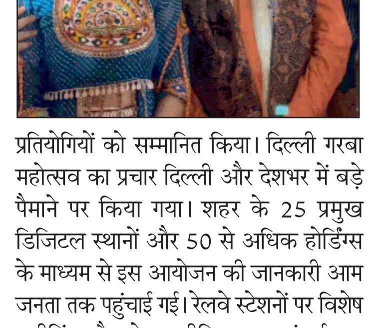

कार्यक्रम में शिक्षा, प्रशासन और व्यवसाय जगत की कई प्रतिष्ठित हस्तियां शामिल हुईं। दिल्ली विश्वविद्यालय के संयुक्त अधिष्ठाता देवेन्द्र सिंह, डीएवी कॉलेज के सांध्यक प्राचार्य रविन्द्र कुमार गुप्ता, पूर्व राजनयिक अनिल जोशी, कवि राजेश चेतन, यूजीसी की पूर्व सदस्य और शिक्षाविद् सुषमा यादव, तथा उद्योग जगत के प्रमुख जी.के. केडिया और डॉ. सी.एम. भगत मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे और कलाकारों एवं प्रतियोगियों को सम्मानित किया। दिल्ली गरबा महोत्सव का प्रचार दिल्ली और देशभर में बड़े पैमाने पर किया गया। शहर के 25 प्रमुख डिजिटल स्थानों और 50 से अधिक होर्डिंग्स के माध्यम से इस आयोजन की जानकारी आम जनता तक पहुंचाई गई। रेलवे स्टेशनों पर विशेष स्क्रीनिंग और सोशल मीडिया इन्फ्लूएंसर्स द्वारा प्रचार ने महोत्सव की पहुंच को और व्यापक बनाया। प्रसिद्ध अभिनेता पद्मश्री मनोज जोशी और अतुल श्रीवास्तव ने सोशल मीडिया पर इस महोत्सव को बढ़ावा दिया। विदेशी दर्शकों की भी खास उपस्थिति रही। फिजी के पूर्व सांसद राजनील प्रताप और होंडुरास की मिस रूथ ने महोत्सव में सक्रिय भागीदारी दिखाई। उन्होंने न केवल गरबा में झूमकर आनंद लिया, बल्कि दिल्ली के पर्यटन स्थलों जैसे इंडिया गेट, राष्ट्रपति भवन, लालकिला, अक्षरधाम मंदिर और लोटस टेम्पल की सराहना की। मिस रूथ ने कृष्ण भजन भी प्रस्तुत कर महोत्सव में अंतरराष्ट्रीय रंग का समावेश किया। दिल्ली गरबा महोत्सव 2025 ने इस वर्ष न केवल नृत्य प्रेमियों को अपनी कला दिखाने का मंच प्रदान किया, बल्कि सांस्कृतिक और पर्यटन क्षेत्र में सहयोग की नई दिशा भी तय की। आयोजन के माध्यम से यह स्पष्ट हुआ कि पारंपरिक उत्सव और आधुनिक पर्यटन को जोड़कर एक समृद्ध सांस्कृतिक अनुभव प्रस्तुत किया जा सकता है।

## विभीषण शरणागति तथा रामेश्वरम स्थापना की लीला का किया गया मंचन

**मुरादनगर (शिखर समाचार)।** श्री आदर्श रामलीला कमेटी के तत्वाधान में आयोजित रामलीला महोत्सव में विभीषण शरणागति तथा रामेश्वरम स्थापना की लीला का दोहे और चौपाइयों के साथ मंचन किया गया। बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। लीला मंचन के दौरान विभीषण अपने भाई रावण को समझाते हैं कि वह श्रीराम से संधि कर उनकी शरण में जाएं और सीता जी को लौटा दें। इस पर रावण क्रोधित होकर उन्हें ठोकर मारकर दरबार से बाहर कर देता है। इसके बाद विभीषण श्रीराम के पास जाकर शरण ले लेते हैं। श्रीराम भगवान शिव की स्थापना कर पूजा करते हैं। इस ज्योतिर्लिंग को रामेश्वरम का नाम देते है। रामेश्वरम की स्थापना पर पूरा पंडाल जय श्री राम एवं हर हर महादेव के जयकारों से गूंज उठा। इस अवसर पर बुधप्रकाश गोयल, अरविंद भारतीय, सुशील गोयल, विनोद धनगर, महेश चंद गोयल, सुभाष चन्द्र गर्ग, रघुनंदन रस्तोगी, कृष्णवीर सिंह सिरोही, देवेंद्र अग्रवाल, अशोक कुमार गुप्ता, राजकुमार गोयल, बोबी पंडित, अरुण गोयल, वासु गुप्ता, सचित गोयल, दीपक गोयल, शिवकुमार गोयल, अनिल गोयल, गोपाल गुप्ता, नरेंद्र शर्मा नींदों, राकेश गर्ग, राहुल सिंघल, मंजू रानी, गीता चौधरी, आदि सैंकड़ो गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

## एक व्यक्ति ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

**मुरादनगर (शिखर समाचार)।** सोमवार की सुबह मलिक नगर स्थित किराए के मकान में रह रहे एक व्यक्ति का शव घर में ही फांसी के फंदे से लटका मिला। पुलिस ने दरवाजा तोड़कर शव को फांसी के फंदे से उतार कर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। मिली जानकारी के अनुसार सोमवार की सुबह मलिक नगर स्थित एक मकान में एक व्यक्ति का शव घर में ही लटका देखा। आसपास के लोगों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। देखते ही देखते लोगों की भीड़ जमा हो गई। पुलिस ने मकान का दरवाजा तोड़कर फांसी के फंदे से शव को उतारा और जांच पड़ताल शुरू की। पुलिस ने बताया कि घर में मिले कागजों के आधार पर मृतक की पहचान 45 वर्षीय दानिश के रूप में हुई है। दानिश मकान में किराए पर रह रहा था। मृतक के परिजनों को इसकी सूचना दी गई है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज कर जांच पड़ताल शुरू कर दी है।

## गढ नगर पालिका क्षेत्र में स्वच्छता रैली निकाली गई

**हापुड/ गढ़मुक्तेश्वर (शिखर समाचार)** गढ नगर क्षेत्र में पालिका व आईटीसी सुनहरा कल संस्था के संयुक्त संस्था ने स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम के तहत स्वच्छता रैली का आयोजन किया गया। जिसमें छात्रो एवं शिक्षकों का सहयोग रहा। सोमवार को गढ नगर पालिका क्षेत्र में नगर पालिका व आईटीसी सुनहरा कल संस्था के संयुक्त संस्था ने स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम के तहत स्वच्छता रैली का आयोजन किया गया। जिसमें छात्रो एवं शिक्षकों का सहयोग रहा। रैली में पालिका के सफाई व खाद्य निरीक्षक एवं सफाई मित्र आदि ने शामिल होकर सहयोग किया। रैली के दौरान नगर वासियों को गीला सुखा कुडा अलग करने वा सफाई पर विशेष ध्यान देने के लिए प्रेरित किया।

## एक दिन की प्रधानाचार्या बनी छात्रा शालू तोमर ने कहा वृक्षारोपण से नए भारत का निर्माण

**गढ़मुक्तेश्वर (शिखर समाचार)** बहादुरगढ क्षेत्र के स्वतंत्र भारत इंटर कालिज में स्वच्छता व सेवा पखवाडे के अंर्तगत पौधा रोपण हुआ जिसमें भाग लेने के दौरान एक दिन की प्रधानाचार्या बनी कक्षा 12की छात्रा शालू तोमर ने कहा कि वृक्षारोपण से नए भारत का निर्माण है। सोमवार को बहादुरगढ क्षेत्र के स्याना मार्ग पर स्थित स्वतंत्र भारत इंटर कालिज में 'स्वच्छता व सेवा पखवाडे' के अंर्तगत पौधारोपण करके सेवा पर्व का आयोजन किया गया। इस अवसर पर एक दिन की प्रधानाचार्या बनी कक्षा 12की छात्रा शालू तोमर ने कहा वृक्षारोपण से नए भारत का निर्माण होगा। जीवन का आधार प्रकृति है जिसके संतुलन को बनाये रखने के लिए वृक्ष लगाना जरूरी है। कार्यक्रम में गढ वन रेंजर करन सिंह, प्रधानाचार्य अमृत सिंह चौहान, विजय सिंह, भारतभूषण गर्ग, वंशिका शर्मा, गंगा सेवक मूलचंद आर्य, डिप्टी रेंजर सबाबुल हसन, शुभम चौहान, भावना कुमारी, गुलहसन, वंशिका तोमर आदि शामिल रहे।

## गो सेवा आयोग के द्वारा लाला प्रेमशंकर, पंचायती गोशाला एवं श्री पंचायती गोशाला, हापुड़ का किया गया निरीक्षण

**हापुड़ (शिखर समाचार)।** जनपद हापुड़ में श्याम बिहारी गुप्त, अध्यक्ष, उ०प्र० गो सेवा आयोग, लखनऊ के द्वारा जनपद हापुड़ में लाला प्रेमशंकर, पंचायती गोशाला एवं श्री पंचायती गोशाला, हापुड़ का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के समय संदीप कुमार, अपर जिलाधिकारी, वि०/रा०. हापुड़, डा० ओ०पी० मिश्रा, मुख्य पशु चिकित्साधिकारी, हापुड़, डा० ओमवीर सिंह, उप मुख्य पशु चिकित्साधिकारी, सदर हापुड़, डा० अभिलाषा, उप मुख्य पशु चिकित्साधिकारी, धौलाना, नरेन्द्र अग्रवाल, सुरेश गुप्ता, प्रधान श्री पंचायती गोशाला, हापुड़ एवं गोशाला के पदाधिकारी गण आदि उपस्थित रहे। अध्यक्ष द्वारा श्री पंचायती गोशाला के द्वारा गाय के गोबर से बने उत्पादों यथा- गोबर के लट्ठे, गमले एवं धूपबत्ती का स्थलीय निरीक्षण कर निर्देशित किया गया कि जनपद हापुड़ में 25 लाख गमलों का निर्माण कर गाय के गोबर एवं गोमूत्र का उपयोग करते हुए पेस्टीसाईड/इन्सेक्टीसाईट मुक्त सब्जियों / फल का प्राकृतिक / जैविक उत्पादन किया जाये। किसानों को गाय पालने हेतु प्रेरित किया जाये। प्रत्येक किसान के घर पर गो पालन तथा बायोगैस प्लान्ट से गोबर उत्पादन, गोमूत्र का प्रयोग खेतों में किया जाये ताकिपेस्टीसाईड/इन्सेक्टीसाईट के उपयोग से बंजर हो रही भूमि को बचाया जाये तथा मनुष्य पर हो रहे उसके दुष्प्रभावों के विषय में भी विस्तृत रूप से बताया जाये।

राष्ट्रीय शिखर
खबरों की स्वतंत्रता
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

**आवश्यकता है**

**राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गाजियाबाद से प्रकाशित राष्ट्रीय हिंदी दैनिक समाचार पत्र को आवश्यकता है दिल्ली, नोएडा, गाजियाबाद व पश्चिमी उत्तर प्रदेश के प्रत्येक जिले और तहसीलों में संवाददाताओं और विज्ञापन प्रतिनिधियों की आकर्षक कमीशन, आवेदन पत्र के साथ मिले या संपर्क करें:-**

राष्ट्रीय शिखर संपादकीय सिटी कार्यालय :-
64 नवयुग मार्केट,फर्स्ट फ्लोर, गाजियाबाद।
rashtriyashikhar@gmail.com

# विकसित उत्तरप्रदेश 2047 : मेयर, नगर आयुक्त, पार्षदों व निगम अधिकारियों ने मुख्यमंत्री की वर्चुअल बैठक में किया प्रतिभाग

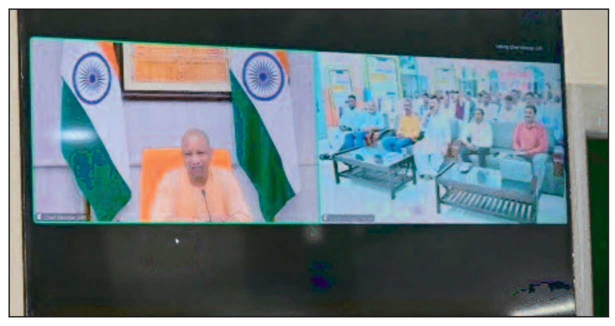

**गाजियाबाद (शिखर समाचार)।** उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विकसित उत्तरप्रदेश 2047 को लेकर नगर निकयों के साथ वर्चुअल बैठक की। बैठक में मेयर सुनीता दयाल, नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक, निगम पार्षदों व अधिकारियों सहित प्रतिभाग किया। मुख्यमंत्री के नगर निगम को आत्मनिर्भर बनाने के मंत्र को सभी ने सुना। गाजियाबाद नगर निगम के शहर को हाईटेक बनाते हुए आत्मनिर्भर बनाने पर मुख्यमंत्री ने सभी का उत्साहवर्धन किया। इसके अलावा मुख्यमंत्री ने कहा कि लखनऊ के साथ-साथ गाज़ियाबाद भी आत्मनिर्भर बन रहा है। नगर निगम को आत्मनिर्भर बनाने के लिए स्पोर्ट्स कंपलेक्स, मल्टीलेवल पार्किंग, महिला हॉस्टल व अन्य कार्य किए जा रहे है, जिससे शहर का विकास करते हुए गाजियाबाद नगर निगम भी आत्मनिर्भर हो सके। नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक ने बताया कि गाजियाबाद नगर निगम शासन की योजनाओं को धरातल पर ला रहा है। विकसित उत्तर प्रदेश 2047 में गाजियाबाद नगर निगम की अहम भूमिका रहेगी, जिसके लिए वृहद स्तर पर प्लानिंग की गई है।जनप्रतिनिधियों का विशेष सहयोग लेते हुए शहर वासियों के हित में कार्य किया जा रहा है। सुविधाओं के साथ-साथ नगर निगम को आत्मनिर्भर बनाने के लिए भी कार्य किया जा रहा है। मेयर ने उपस्थित पार्षदों तथा अधिकारियों को विकसित उत्तर प्रदेश 2047, समृद्धि का शताब्दी पर्व अभियान की शुभकामनाएं दी तथा सभी को एकजुट होकर शहर व निगम हित में कार्य करने के लिए उत्साहहित किया। वर्चुअल बैठक में अपर नगर आयुक्त जंग बहादुर यादव, पार्षद विनिल दत्त, अमित त्यागी, नीरज गोयल, उमेश नागर, प्रवीण भाटी, मनोज त्यागी, रवि भाटी, नितिन,ओमप्रकाश व अन्य उपस्थित रहे जिसमें विभागीय अधिकारियों तथा अन्य टीम ने भी हिस्सा लिया।

## आईटीएस गाजियाबाद ने भारतीय क्रिकेट के नए चयनकर्ता आर पी सिंह को दी बधाई

**गाजियाबाद (शिखर समाचार)** आईटीएस मोहन नगर गाजियाबाद अपने गौरवपूर्ण इतिहास में एक और चमकदार अध्याय जोड़ते हुए, भारतीय क्रिकेट टीम के चयनकर्ता के रूप में आर पी सिंह की नियुक्ति पर हर्ष और गर्व व्यक्त कर रहा है। इस उपलब्धि ने न केवल खेल जगत में बल्कि शैक्षिक संस्थानों में भी उत्साह और प्रेरणा की लहर दौड़ा दी है।

आईटीएस गाजियाबाद के विद्यार्थियों और स्टाफ के लिए यह गर्व का क्षण है कि एक ऐसे पूर्व क्रिकेटर, जिनका नाम तेज गेंदबाजी के क्षेत्र में भारतीय क्रिकेट के स्वर्णिम पन्नों में दर्ज है, अब चयनकर्ता के रूप में खेल की नई दिशा तय करेंगे। संस्थान ने इस अवसर पर श्री आर. पी. सिंह को हार्दिक बधाई और उज्ज्वल भविष्य की कामनाएँ प्रेषित की हैं।

आर पी सिंह के साथ आईटीएस का जुड़ाव नया नहीं है। वर्ष 2017 में आयोजित इंटर-स्कूल क्विज प्रतियोगिता क्विज व्हिज 2017 में उनके आगमन ने विद्यार्थियों को ज्ञान, अनुभव और खेल भावना से प्रेरित किया था। उनके विचारों और मार्गदर्शन ने उस समय विद्यार्थियों में उत्साह और आत्मविश्वास की नई किरणें जगाईं। अब चयनकर्ता के रूप में उनका योगदान युवा खिलाड़ियों के लिए प्रेरणास्त्रोत के रूप में स्थापित होगा। आईटीएस के चेयरमैन डॉ. आर पी चड्ढा ने इस गौरवपूर्ण अवसर पर अपनी प्रसन्नता व्यक्त करते हुए आर पी सिंह को शुभकामनाएँ दी हैं। वहीं वाइस चेयरमैन अर्पित चड्ढा

ने उन्हें बधाई देते हुए भारतीय क्रिकेट के उज्ज्वल भविष्य के निर्माण में उनकी सफलता की कामना की।

आईटीएस गाजियाबाद का मानना है कि आर पी सिंह का व्यक्तित्व, खेल के प्रति उनकी प्रतिबद्धता और अब चयनकर्ता के रूप में उनकी नई भूमिका, न केवल विद्यार्थियों बल्कि समस्त युवा पीढ़ी के लिए प्रेरणादायक होगी। यह उपलब्धि यह संदेश देती है कि खेल और शिक्षा का संगम नए आयाम और ऊँचाइयाँ छू सकता है। भारतीय क्रिकेट के इतिहास में तेज गेंदबाज के रूप में उनका योगदान सदैव स्मरणीय रहेगा, और अब चयनकर्ता के रूप में उनकी भूमिका भारतीय खेल में नए गौरवशाली अध्याय की शुरूआत करेगी। आईटीएस गाजियाबाद अपने विद्यार्थियों को यह उदाहरण प्रस्तुत करता है कि संकल्प, मेहनत और उत्कृष्टता किसी भी क्षेत्र में प्रेरणा बन सकती है।

## स्वदेशी नवाचार को मिला सम्मान, निट्रा के महानिदेशक डॉ. एम.एस. परमार 'इनोवेशन अवॉर्ड' से सम्मानित

**गाजियाबाद (शिखर समाचार)।** स्वदेशी तकनीक और आत्मनिर्भर भारत की दिशा में लगातार काम कर रहे नेशनल इंस्टीट्यूट फॉर टेक्सटाइल रिसर्च (निट्रा) के महानिदेशक डॉ. एम.एस. परमार को भारतीय तकनीकी वस्त्र संघ (आईटीटीए) ने नवोन्मेष पुरस्कार से सम्मानित किया है। उन्हें यह सम्मान सुरक्षा और रक्षात्मक वस्त्र क्षेत्र में विकसित किए गए विशेष अग्निरोधी सूट (परिधान) के लिए प्रदान किया गया। यह परिधान आग बुझाने वाले कर्मियों और औद्योगिक संस्थानों के लिए एक क्रांतिकारी खोज साबित होगा, जिसका परीक्षण राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर की कई प्रयोगशालाओं में हो चुका है और यह सभी मानकों पर खरा उतरा है।

आईटीटीए के चेयरमैन अविनाश मिसार ने सम्मान प्रदान करते हुए कहा कि डॉ. परमार का योगदान तकनीकी वस्त्रों के क्षेत्र में अत्यंत उल्लेखनीय है। उन्होंने कहा कि भारत को इस क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने की सख्त जरूरत है और डॉ. परमार इस दिशा में पथप्रदर्शक की भूमिका निभा रहे हैं। सुरक्षा और रक्षात्मक वस्त्र विज्ञान में उनका कार्य आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा है। नेशनल टेक्निकल टेक्सटाइल मिशन वस्त्र मंत्रालय भारत सरकार की परियोजना के अंतर्गत विकसित यह अग्निरोधी सूट न केवल देश बल्कि विदेशों में भी उपयोग के लिए उपयुक्त है। विशेषज्ञों का मानना है कि इस तकनीक से तैयार परिधान एक साथ कई लोगों की जान बचाने में सक्षम होगा और यह स्वदेशी नवाचार भारत को वैश्विक प्रतिस्पर्धा

में नई पहचान देगा।

इसके साथ ही निट्रा ने हाल ही में डॉ. परमार के मार्गदर्शन में दो प्रमुख सरकारी संस्थानों सेंट्रल सिल्क बोर्ड, बेंगलुरु और नेशनल शुगर इंस्टीट्यूट, कानपुर के साथ एमओयू पर हस्ताक्षर किए हैं। इन सहयोगी समझौतों को आत्मनिर्भरता की दिशा में एक और मजबूत कदम माना जा रहा है। डॉ. एम.एस. परमार को मिला यह सम्मान न केवल उनकी व्यक्तिगत उपलब्धि है, बल्कि यह तकनीकी वस्त्र क्षेत्र में भारत की बढ़ती शक्ति और स्वदेशी नवाचारों की सफलता का प्रमाण भी है।

## नवरात्रि में सप्तमी पर थाना क्रॉसिंग रिपब्लिक की महिला पुलिसकर्मियों ने दिखाया शक्ति स्वरुप, दो बदमाश मुठभेड़ में गिरफ्तार

**गाजियाबाद (शिखर समाचार)।** दिल्ली से सटे महानगर गाजियाबाद के लोगों को सुरक्षित माहौल देने के लिए महिला पुलिसकर्मी लगातार आमने-सामने की मुठभेड़ कर बदमाशों को गिरफ्तार कर रही है।थाना क्रॉसिंग रिपब्लिक पुलिस की महिला पुलिस टीम ने मुठभेड़ में मोहम्मद जाहिद और मोहम्मद इरशाद को गिरफ्तार किया। मुठभेड़ में जाहिद को गोली लगी और उसे उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस ने इन दोनों की निशान देही पर अवैध तमंचा, कारतूस, चोरी की मोटरसाइकिल, 25 एटीएम कार्ड और 5100 रुपए नगद बरामद किए। खास बात यह है कि नकली करेंसी सप्लाई मामले में एसटीएफ मोहम्मद जाहिद को जेल भेज चुकी है और एटीएस भी जाहिद की तलाश में लगी हुई थी। एसीपी वेव सिटी प्रियाश्री पाल ने बताया कि थाना क्रॉसिंग रिपब्लिक क्षेत्र में महिला पुलिस टीम चेकिंग कर रही थी, चेकिंग के दौरान केटीएम बाइक पर सवार दो अभियुक्त आते हुए दिखाई दिए। अभियुक्तों को रुकने का इशारा किया तो वह भागने लगे

और तेजी से बाइक चलाने के कारण फिसल कर नीचे गिर गए। महिला पुलिस टीम ने जब दोनों को गिरफ्तार करना चाहा तो उन्होंने फायरिंग शुरू कर दी। उन्होंने बताया कि महिला पुलिसकर्मियों की जवाबी फायरिंग में जाहिद के पैर में गोली लगी और मौके से इरशाद को गिरफ्तार किया गया। मुठभेड़ में पकड़े गए दोनों अपराधी एटीएम फ्रॉड करने में एक्सपर्ट है और उन्होंने कुछ दिन पहले ही थाना क्रॉसिंग रिपब्लिक क्षेत्र में एटीएम कार्ड बदलकर डेढ़ लाख रुपए का फ्रॉड किया था। पकड़े गए जाहिद को एसटीएफ की टीम जाली करेंसी सप्लाई के मामले में पहले भी जेल भेज चुकी है। इसके अलावा इनका

1 साथी अभी फरार है, जिसको गिरफ्तार करने के लिए पुलिस टीम लगी हुई है। तीनों इतने शातिर है कि कई सालों से लोगों का एटीएम कार्ड बदलकर अनेकों ठगी की वारदात को अंजाम दे चुके है। पुलिस पूछताछ में अभियुक्तों ने बताया कि वह बुजुर्ग व कम एटीएम चलाने वालों को चिन्हित करते और उनके पीछे एक-एक करके एटीएम सेंटर में दाखिल हो जाते। एटीएम होल्डर को अपनी बातों में उलझाकर एटीएम कार्ड बदल देते और मौके से फरार हो जाते थे।

## डीएम रविन्द्र कुमार माँदड़ की अध्यक्षता में जिला शुल्क नियामक समिति की बैठक हुई आहूत

**गाजियाबाद (शिखर समाचार)।** महात्मा गांधी सभागार कलेक्ट्रेट में डीएम रविन्द्र कुमार माँदड़ की अध्यक्षता में जिला शुल्क नियामक समिति की बैठक आहूत हुई। बैठक में डीएम ने अभिभावकों का पक्ष बहुत धैर्यपूर्ण सुना एवं उच्च न्यायालय के आदेशों व अन्य दस्तावेजों का अवलोकन किया। शिकायतकर्ता एवं विद्यालय ने अपने-अपने अभिकथन उपलब्ध करा दिए है, शीघ्र ही उनका अवलोकन कर जिला शुल्क नियामक समिति अपना निर्णय पारित करेंगी। बैठक में सिटी मजिस्ट्रेट डॉ.संतोष कुमार उपाध्याय, आईएएस अयान जैन, डीआईओएस धर्मेन्द्र शर्मा, डीजीडीएम सेट आनन्द राम जयपुरिया से प्रदीप, सुरेन्द्र साहनी, डॉ नमीता बीएसए ऑफिस, विकास वघेल एएओ, अभिषेक शर्मा, मनीष राघव, अरूण कुमार एवं अन्य अभिभावक उपस्थित रहे।

# मिशन शक्ति- 5 : हिन्दी भवन में उत्कृष्ट कार्य करने पर 500 महिलाएं व बालिकाएं हुई सम्मानित

**गाजियाबाद (शिखर समाचार)।** मिशन शक्ति अभियान के फेस 5 के तहत जिला प्रशासन गाजियाबाद ने हिन्दी भवन लोहिया नगर में विभिन्न क्षेत्रों, विभागों में उत्कृष्ठ कार्य करने वाली महिलाओं एवं बालिकाओं को जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में शक्ति सम्मान प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस दौरान कार्यक्रम में विधायक मोदीनगर डॉ. मंजू शिवाच, विधायक लोनी नन्द किशोर गुर्जर, जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार माँदड़, परियोजना निदेशक प्रदीप कुमार द्विवेदी, जिला विकास अधिकारी प्रज्ञा श्रीवास्तव, मुख्य चिकित्सा अधिकारी अखिलेश मोहन, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी ओपी यादव, जिला प्रोबेशन अधिकारी मनोज कुमार पुष्कर, जिला सूचना

अधिकारी योगेन्द्र प्रताप सिंह, सहायक जिला विद्यालय निरीक्षक पवन भाटी एवं अन्य जनपद स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहें। कार्यक्रम का शुभारम्भ जनप्रतिनिधियों ने दीप प्रज्वलन कर किया। इस दौरान विभिन्न विद्यालयों से आयीं बालिकाओं द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये गये। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए विधायक मोदीनगर डॉ. मंजू शिवाच ने कहा कि उत्तरप्रदेश सरकार की योजनाओं से महिलाएं लाभान्वित हो रही है और अपने आपको सशक्त बना रही है। सरकार महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए बैंकों से लोन प्रदान कर रही है, जिससे वह अपना स्वः रोजगार कर प्रदेश की आर्थिक प्रगति में योगदान दे रही है। 2047 के विकसित भारत में महिलाओं की भागीदारी अति आवश्यक है, बिना महिलाओं को सशक्त किये विकसित भारत की परिकल्पना संभव नही है। विधायक लोनी नन्द किशोर गुर्जर ने कहा कि वर्तमान में राज्य की सुरक्षा व्यवस्था चाक चौबन्द हुई है, महिलाएं किसी भी समय कहीं भी आ जा सकती है, उनमें सुरक्षा की भावना व्याप्त हुई है। पुलिस विभाग में महिलाओं की तैनाती से आम महिलाएं खुद को सुरक्षित महसूस कर रही है। प्रदेश सरकार के चलाये जा रहे मिशन शक्ति ने सरकार की योजनाओं को जन-जन तक पहुँचाने का काम जिला प्रशासन कर रहा है।डीएम रविन्द्र कुमार माँदड़ ने कहा कि मिशन शक्ति अभियान से समाज की महिलाओं को जागरूक करने का कार्य सरकार के विभिन्न विभाग कर रहे है। जनपद के अनेक स्थानों पर जागरूकता कार्यक्रम किये जा रहे है और गाजियाबाद की महिलाओं एवं बालिकाओं को सम्मान प्रदान किया जा रहा है। महिलाओं एवं बालिकाओं को सशक्त, समृद्ध व स्वावलंबी बनाना हमारा प्रयास है। कार्यक्रम के अन्त में जनप्रतिनिधियों ने कार्यक्रम में उपस्थित विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ठ कार्य करने वाली 500 महिलाओं व बालिकाओं को सम्मानित किया गया, जिसमें पुलिस विभाग, आंगनवाड़ी, विधिक क्षेत्र, उद्यम क्षेत्र, समाज सेवी शामिल थी। मंच संचालन डॉ. पूनम शर्मा ने किया।

# 'बहकावे में आ गए थे... अब कभी ऐसा नहीं करेंगे'

## बरेली में बवाल का कारण पूछने पर ये बोले उपद्रवी

**बरेली।** शहर में हुए उपद्रव के मामले में पुलिस ने रविवार को 22 और लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने सभी आरोपियों को न्यायिक मजिस्ट्रेट के समक्ष पेश किया। वहां से उन्हें जेल भेज दिया गया। इनमें से 16 लोगों पर बवाल करने और छह पर मौलाना तौकीर रजा खां की गिरफ्तारी के बाद लोगों को भड़काने का आरोप है। मौलाना तौकीर रजा समेत कुल 34 आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है। संदिग्ध 26 लोगों को हिरासत में लेकर पुलिस पूछताछ कर रही है। एसपी सिटी ने बताया कि शुक्रवार को भीड़ की ओर से किए गए पथराव और फायरिंग में 22 पुलिसकर्मी घायल हुए थे। कोतवाली में पांच, बारादरी में दो, किला, कैंट व प्रेमनगर थाने में एक-एक एफआईआर दर्ज कर 125 लोगों को नामजद किया गया है। तीन हजार अज्ञात लोगों को भी आरोपी बनाया गया है। एसी सिटी ने आरोपियों को मीडिया के सामने पेश किया तो वे माफी मांगते हुए सामने आए। ज्यादातर आरोपी नौजवान हैं। बवाल का कारण पूछने पर बोले कि वे बहकावे में आ गए थे। अब जीवन में कभी ऐसा नहीं करेंगे। आरोपियों में चक महमूद निवासी मोईन उर्फ चोटीकटवा के खिलाफ पहले से कई मामले दर्ज हैं। वह पहले भी शहर का माहौल खराब करने की कोशिश कर चुका है। प्रशासन की मनाही के बावजूद भीड़ को खलील स्कूल तिराहे की ओर भेजने में सात थाना क्षेत्र के पांच पार्षद सहित 77 लोगों की भूमिका सामने आई है। एक पार्षद को गिरफ्तार किया जा चुका है। पुलिस अब चार पार्षदों सहित 76 लोगों की भूमिका की जांच कर रही है। एससी सिटी ने आरोपियों को मीडिया के सामने पेश किया तो वे माफी मांगते हुए सामने आए। ज्यादातर आरोपी नौजवान हैं। बवाल का कारण पूछने पर बोले कि वे बहकावे में आ गए थे। अब जीवन में कभी ऐसा नहीं करेंगे। आरोपियों में चक महमूद निवासी मोईन उर्फ चोटीकटवा के खिलाफ पहले से कई मामले दर्ज हैं। वह पहले भी शहर का माहौल खराब करने की कोशिश कर चुका है। बवाल के तीसरे दिन रविवार को शहर के हालात काफी हद तक सामान्य रहे। कुछ इलाकों से भीड़ जुटने की अफवाहें आती रहीं, लेकिन कहीं से कोई अप्रिय सूचना नहीं रही। इस दौरान संवेदनशील इलाकों में पुलिस ने ड्रोन कैमरों से निगरानी कराई। सोमवार को हालात पूरी तरह सामान्य हैं। बाजार में आम दिनों की तरह चहल-पहल है। एसएसपी अनुराग आर्य और एसपी सिटी मानुष पारीक ने पुलिस, पीएसी और आरएएफ के साथ शाम को कुतुबखाना, सैलानी, ईंट पजाया, श्यामगंज, खलील स्कूल तिराहा, आलमगिरीगंज, बिहारीपुर सहित अन्य इलाकों में रूट मार्च किया। ऑटो व ई-रिक्शा चालकों और दुकानदारों से बात कर किसी भी किस्म की अफवाह पर ध्यान न देने की अपील की। बरेली में शांति व्यवस्था के दृष्टिगत एडीएम सिटी सौरभ दुबे ने 25 नवंबर तक के लिए जिले में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा-163 के तहत निषेधाज्ञा लागू की है। इससे अब किसी भी सार्वजनिक स्थान पर पांच या इससे अधिक संख्या में लोग एकत्र नहीं होंगे। इस प्रतिबंध से सरकारी कार्यालयों को दूर रखा है। एडीएम सिटी ने कहा कि व्यवस्था को प्रभावित करने वालों के विरुद्ध संबंधित थाना प्रभारी एफआईआर दर्ज कर कार्रवाई करेंगे। जिले की वर्तमान स्थिति के मद्देनजर एक एडीएम, सात एसडीएम मंडल के अलग-अलग जिले से बुलाए गए हैं। जिले को चार सुपर जोन, आठ जोन और 31 सेक्टरों में बांटकर एडीएम स्तर के चार, एसडीएम स्तर के 16 और 62 अन्य अधिकारियों को सेक्टर मजिस्ट्रेट नियुक्त किया गया है। इसके अलावा 102 स्टेटिक मजिस्ट्रेट भी नियुक्त किए गए हैं। पुलिस पर पथराव में शामिल 25 नाबालिगों की भी पहचान कर ली गई है। सभी बिहारीपुर, कांकरटोला, सैलानी, कुमार टॉकीज, खलील स्कूल तिराहा इलाके के रहने वाले हैं। अधिकारियों ने बताया कि पुलिस पर पथराव कराने वाले नाबालिगों के अभिभावकों के खिलाफ कार्रवाई के लिए कानूनी पहलुओं पर विचार किया जा रहा है। बवाल के आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस की टीमें उनके संभावित ठिकानों पर ताबड़तोड़ दबिश दे रही हैं। आरोप है कि नफीस और लियाकत ने भी व्हाट्सएप कॉल के जरिये बवाल के लिए भीड़ जुटाने में भूमिका निभाई थी। मौलाना तौकीर रजा भी फाइक एन्क्लेव स्थित फरहत के घर से व्हाटसएप कॉल के जरिये आरोपियों के संपर्क में था। वहाट्सएप ग्रुप के जरिये भी इन आरोपियों ने लोगों को मेसेज कर नमाज के बाद इस्लामिया ग्राउंड की ओर कूच करने के लिए कहा था। अब आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस की टीमें उनकी कुंडली खंगाल रही हैं।

## शिक्षा निकेतन में कन्या पूजन महोत्सव, समृद्धि का मांगा आशीर्वाद

**संवाददाता**

**ओबरा/सोनभद्र।** विधान से कन्याओं का पूजन कर कॉलेज के समृद्धि का शिक्षा निकेतन इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य मुकुंद सिंह गौर ने आशीर्वाद मांगा। मंत्रोच्चार हिंदी शिक्षक विजय कुमार दुबे ने किया।

शनिवार को कॉलेज में 15 कन्याओं का सामूहिक पूजन किया गया, जिसमें सर्वप्रथम कन्याओं का प्रधानाचार्य ने चरण पखारा। सीनियर बेटियों ने कन्याओं के पैर में महावार रचा और रोली, अक्षत से माथे पर टीका लगाया। शक्ति मंच की प्रभारी प्रवक्ता सुमन श्रीवास्तव ने कन्याओं के सिर पर चुनरी सजाई। शिक्षक रामानंद त्रिपाठी ने कन्याओं को हलुआ, चना और केला का भोग चढ़ाया। पूजन में गलतियों के लिए क्षमा याचना के संग कॉलेज की समृद्धिशाली की कामना करते हुए पूजन के आचार्य प्रमोद चौबे ने देवी स्वरूपा कन्याओं को भाव, विश्वास और श्रद्धा के साथ विदा किया। पूजन में उपस्थिति सभी विद्यार्थियों को रक्षा सूत्र बांधा गया। प्रसाद वितरण के साथ कन्या पूजन में बड़ी संख्या में उपस्थिति विद्यार्थियों के माता रानी की जयकारा से कॉलेज गूंज उठा।

## प्रधानमंत्री मोदी के मन की बात कार्यक्रम में कार्यकताओं ने स्वदेशी अपनाने, खादी को बढ़ावा देने का लिया संकल्प

**संवाददाता**

**ओबरा /सोनभद्र।** स्थानीय ओबरा के बूथ संख्या 143 पर बूथ अध्यक्ष मुकेश दीक्षित के नेतृत्व में भाजपा कार्यकताओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम को सुना।

उनके संदेश को लोगों तक पहुंचाने और स्वदेशी अपनाने , खादी को बढ़ावा देने का संकल्प लिया। अपने संबोधन में प्रधानमंत्री ने त्योहारों के मौसम में स्वदेशी वस्तुओं को अपनाने की अपील की। कहा कि स्थानीय उद्योगों कारीगरों और छोटे उद्यमियों को समर्थन देने के लिए वोकल फॉर लोकल को जन आंदोलन बनाना होगा। साथ ही खादी व हस्तशिल्प को बढ़ावा देने का विशेष संदेश दिया। कार्यक्रम की बूथ प्रभारी सरिता सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री का संदेश आर्थिक और सांस्कृतिक दृष्टि से प्रेरणादायी है। स्थानीय उत्पादों को अपनाकर ही आत्म भारत का सपना साकार हो सकता है। कार्यक्रम में मौजूद भाजपा कार्यकताओं ने प्रधानमंत्री के संदेश को अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाने और इस जीवन में अपनाने का संकल्प लिया।इस मौके पर एडवोकेट मनीष तिवारी, एडवोकेट अंकुर चौबे, सूरज शर्मा, सत्येंद्र कुमार सिंह, सोनू यादव, जय सिंह,राधाकांत तिवारी ,सत्यप्रकाश गुप्ता ,अंश दीक्षित के साथ कई कार्यकर्ता मौजूद रहे।

## सीएम ने कैंसर पीड़ित को भर्ती कराया

**लखनऊ।** सीएम योगी ने सोमवार को जनता दर्शन किए। कार्यक्रम में आई एक बुजुर्ग महिला की फरियाद सुनकर उसके कैंसर पीड़ित बेटे को तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया। सीएम ने कहा- आपके बेटे का हरसंभव इलाज होगा। उन्होंने जनता दर्शन के दौरान ही एम्बुलेंस बुलाकर उनके बेटे को कल्याण सिंह सुपर स्पेशियलिटी कैंसर इंस्टीट्यूट भिजवाया दिया। बुजुर्ग अपने परिवार के साथ कानपुर के किदवईनगर से आई थी। उन्होंने सीएम योगी से कहा- हम गरीब हैं, इलाज नहीं करा पा रहे। हमारे पास आयुष्मान कार्ड भी नहीं है। हमारे जवान बेटे को कैंसर हो गया है। मेरे बेटे को जिंदगी दे दीजिए। इलाज के लिए कुछ आर्थिक सहायता दिला दीजिए। सीएम ने महिला से फरियाद सुनते ही अधिकारियों को एक्शन के लिए निर्देशित किया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के 'जनता दर्शन' में 50 से ज्यादा फरियादी पहुंचे थे। मुख्यमंत्री एक-एक करके सभी के पास पहुंचे, उनका प्रार्थना पत्र लिया और अफसरों को तत्काल उचित निराकरण का निर्देश दिया। योगी ने कहा कि इलाज के लिए किसी भी पीड़ित ने स्वयं, जनप्रतिनिधि या किसी भी माध्यम से सरकार तक अपनी बात पहुंचाई है, उसे सहायता उपलब्ध कराई गई है। हमारी सरकार हर पीड़ित के साथ है। इलाज के लिए सरकार आगे भी आर्थिक सहायता निरंतर रूप से उपलब्ध कराती रहेगी।

## प्रधानाचार्य की प्रेरणादायी पहल: छात्राओं को सौंपी विद्यालय संचालन की जिम्मेदारी

**संवाददाता**

**कुशीनगर।** फाजिलनगर के इंटरमीडिएट कॉलेज, जौरा बाजार में सोमवार का दिन खास रहा। जब छात्राओं को नेतृत्व के मंच पर उतारकर उन्हें प्रशासनिक जिम्मेदारियों का अवसर दिया गया। विद्यालय के प्रधानाचार्य रामू चौधरी और प्रधान लिपिक सुबोध पांडेय की प्रेरणादायी पहल पर कक्षा 10वीं की छात्रा प्रीति शर्मा को एक दिन के लिए प्रधानाचार्या और कक्षा 10 'सी' की ज्योति कुशवाहा को प्रधान लिपिक बनाया गया। इस नवाचार का उद्देश्य छात्राओं में आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता और प्रशासनिक समझ का विकास करना

था। प्रधानाचार्य रामू चौधरी ने इस अवसर पर कहा कि हमारा प्रयास है कि छात्राएं केवल किताबी ज्ञान तक सीमित न रहें। बल्कि व्यवहारिक शिक्षा के माध्यम से आत्मनिर्भर बनें। ऐसे अवसर उन्हें भविष्य के लिए तैयार करते हैं। प्रधान लिपिक सुबोध पांडेय ने कहा कि छात्राओं को कार्यालयीन कार्य प्रणाली से परिचित कराना उनके सर्वांगीण विकास की दिशा में अहम कदम है। इससे उनमें निर्णय लेने और नेतृत्व करने की क्षमता का विकास होता है। छात्रा प्रीति शर्मा ने दिनभर विद्यालय की विभिन्न गतिविधियों की निगरानी करते हुए शिक्षकों से संवाद स्थापित किया। वहीं ज्योति कुशवाहा ने कार्यालय संबंधी कार्यों में सहभागिता निभाकर जिम्मेदारी का सफल निर्वहन किया। इस अवसर पर उप प्रधानाचार्य विजय प्रकाश उपाध्याय समेत शिक्षकों और कर्मचारियों में विपिन बिहारी, उमेश प्रसाद, धर्मेंद्र सिंह, शिवेंद्र पांडेय, सुनील तिवारी, शिव प्रकाश, ओमप्रकाश, त्रिलोकी, इरशाद अंसारी, कृपाशंकर चौबे, अखिलेश मिश्रा, मथुरा तिवारी, रवि शंकर सिंह, सुरेश उपाध्याय, संतोष गुप्ता, अशोक तिवारी, जाहिद हुसैन सिद्दीकी, साहबजादा अहमद, राजेश सिंह, राजेश तिवारी, राजेश उपाध्याय, राम लखन पांडेय, सुमन द्विवेदी, सिम्पल उपाध्याय, अनुराधा सिंह, महेंद्र यादव, सिद्धार्थ श्रीवास्तव, प्रभात, पौहारी सिंह, काशी सिंह, कृष्णा यादव, विकास, उपेंद्र, मोतीचंद आदि की उपस्थिति रही।

## भ्रमण कर छात्राओं ने ली महिला सुरक्षा और एफआईआर आदि की जानकारी

**संवाददाता**

**कसया, कुशीनगर।** मिशन शक्ति विशेष अभियान 2025-26 के तहत नगर स्थित उच्च प्राथमिक विद्यालय (कंपोजिट) की 36 छात्राओं ने कसया थाना का भ्रमण कर महिला सुरक्षा और एफआईआर आदि जानकारियां हासिल की। सोमवार को विद्यालय की अध्यापिकाएं रश्मि सिंह तोमर और कल्पना सिंह के निर्देशन में छात्राएं कसया थाना पहुंचीं जहां

पुलिस के अधिकारियों ने इनका स्वागत किया और उन्हें थाना भवन, परिसर और कार्यालय का भ्रमण कराया। थाना प्रभारी एवं महिला उपनिरीक्षक द्वारा साइबर क्राइम एवं धोखाधड़ी से बचने के उपायों की भी जानकारियां दी गईं। छात्राओं ने त्वरित सहायता के लिए शासन द्वारा जारी किए गए हेल्पलाइन नंबर्स के बारे में जानकारियां लीं और बड़े ध्यान से एफआईआर दर्ज करने और गिरफ्तारी की प्रक्रिया संबंधी नियमों को जाना। इन छात्राओं ने उत्सुकता के साथ प्रश्न पूछे और उत्तर पाकर उनके चेहरे पर मुस्कान खिल गई। थाना भ्रमण कार्यक्रम में निशा, अर्चना, प्रिया, वेदांशी, नंदनी करिश्मा, शिवानी, जोया, रेखा, खुशी, अदिति, नंदिनी, महक, तबस्सुम, अमृता, आंचल, अंशिका शिवानी, रुबीना, अर्पिता, रिद्धि, अंकिता, पूजा, ज्योति, महिमा, अनीता, सबीरा, रुखसार, मान्या, सौम्या, कृतज्ञा आदि ने भाग लिया।

# 52431 लोगों ने सुनी पीएम मोदी के मन की बात

**संवाददाता**

---------------------

**कुशीनगर।** मन की बात कार्यक्रम के जरिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश की जनता के साथ संवाद किया। जिसे भाजपा द्वारा जनपद के सभी बूथों पर प्रसारित किया गया। प्रदेश सरकार में जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह, सड़क परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह, जिलाध्यक्ष दुर्गेश राय और मोतीचक ब्लॉक प्रमुख अर्चना प्रदीप सिंह ने स्थानीय पदाधिकारीयों के साथ हाटा विधानसभा के बूथ संख्या 307

मंगलपुर उर्फ मंगरुआ में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के रेडिओ कार्यक्रम 'मन की बात' सुने। मन की बात सुनने के बाद पूर्व प्रदेश अध्यक्ष व प्रदेश सरकार में जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने कहा कि मन की बात कार्यक्रम में प्रधानमंत्री द्वारा देश के जन-जन की उपलब्धियों और आकांक्षाओं की सूक्ष्मता से चर्चा करना हर बार एक अलग अनुभव प्रदान करता है। इस महीने के मन की बात कार्यक्रम में पीएम मोदी ने भगत सिंह और लता मंगेशकर को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित की।

उन्होंने भारतीय संस्कृति, महिला सशक्तिकरण, देश भर में मनाए जाने वाले विभिन्न त्योहारों, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की 100 साल की यात्रा, स्वच्छता और खादी की बिक्री में वृद्धि जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर भी बात की। प्रधानमंत्री ने दोहराया कि देश को आत्मनिर्भर बनाने का रास्ता स्वदेशी अपनाने में निहित है। परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह ने कहा कि मन की बात' कार्यक्रम में प्रधानमंत्री जी द्वारा देश के जन-जन की उपलब्धियों और आकांक्षाओं की सूक्ष्मता से चर्चा करना हर बार एक अलग अनुभव प्रदान करता है। मन की बात कार्यक्रम के जिला संयोजक व जिला मंत्री विवेकानंद शुक्ल ने बताया कि कुशीनगर जनपद के सभी बूथों पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम प्रसारित किया गया। जिसमें पार्टी के जनप्रतिनिधि, पदाधिकारी, कार्यकताओं सहित 52431 लोगों ने पूरे उत्साह सहभागिता किया।

## संक्षिप्त डायरी

### वाहन चेकिंग अभियान चलाकर काली फिल्म व हुटर लगे वाहनों पर पुलिस की कार्रवाई

**संवाददाता**

**चोपन/सोनभद्र।** रविवार की सायं चोपन थाना प्रभारी निरीक्षक कुमुद शेखर सिंह के नेतृत्व में पुलिस बल द्वारा वाराणसी-शक्तिनगर मुख्य मार्ग पर सोनपूल के समीप व्यापक वाहन चेकिंग अभियान चलाया गया।अभियान के दौरान कई वाहनों पर नियम विरुद्ध काली फिल्म लगी पाई गई, जिसे मौके पर ही उतरवाया गया। वहीं कुछ प्राइवेट वाहनों पर अवैध तरीके से हुटर भी लगाए गए थे, जिन्हें तत्काल हटवाकर चालान की कार्रवाई की गई। पुलिस ने इस दौरान काली फिल्म लगे चार वाहनों तथा हुटर लगे दो वाहनों का चालान किया।थाना प्रभारी कुमुद शेखर सिंह ने स्पष्ट किया कि इस प्रकार की कार्रवाई आगे भी लगातार जारी रहेगी। उन्होंने कहा कि सड़क सुरक्षा और कानून व्यवस्था को दृष्टिगत रखते हुए यातायात नियमों का उल्लंघन किसी भी दशा में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और दोषियों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

### राम भरत मिलाप मयार्दा, त्याग और धर्म का अमर संदेश है: पं.बीरेंद्र मिश्र

**संवाददाता**

**कुशीनगर।** शारदीय नवरात्रि की अष्टमी तिथि पर फाजिलनगर क्षेत्र के लवकुश पश्चिम पट्टी स्थित पाण्डेय टोला में भक्तिमय वातावरण के बीच मां दुर्गा की प्रतिमा के समक्ष भव्य राम चरितमानस कथा का आयोजन किया गया। इस आध्यात्मिक अवसर पर सुप्रसिद्ध मानस मर्मज्ञ पंडित बीरेंद्र मिश्र ने श्रीराम-भरत मिलाप की अत्यंत मार्मिक और प्रेरणादायी कथा प्रस्तुत की। जिसे सुनकर श्रद्धालु भावविभोर हो उठे। पंडित मिश्र ने रामायण के इस विशेष प्रसंग को सहज, सरस एवं ओजपूर्ण शैली में प्रस्तुत करते हुए कहा कि यह प्रसंग दशार्ता है कि सच्चा प्रेम और त्याग सत्ता या सुख-सुविधा में नहीं, बल्कि आत्मिक संबंधों और धर्मपरायणता में निहित होता है। भरत का त्याग और श्रीराम का धैर्य हमें बताता है कि जीवन में मयार्दा का पालन ही सबसे बड़ा धर्म है। पं. मिश्र की विद्वता और भावपूर्ण गायन शैली ने श्रोताओं को आध्यात्मिक ऊर्जा से सराबोर कर दिया। क्षेत्र के इंद्रजीत मिश्र, जनार्दन मिश्र, प्रभाकर मिश्र, राणा प्रताप मिश्र, दीपक मिश्र, दयाशंकर मिश्र, रमाशंकर मिश्र, कृष्णा शंकर मिश्र, बीरेंद्र पांडेय, सुभाष मिश्र, सिद्धेश्वर मिश्र, प्रभाकर तिवारी, मस्तराज कुशवाहा, शिव नारायण, रमेश सिंह श्रद्धालु उपस्थित रहे।

### खेल से होता है शारीरिक और मानसिक मजबूत: अमितेश कुमार

**संवाददाता**

**कसया, कुशीनगर।** बेसिक बाल क्रीड़ा प्रतियोगिता और सांसद खेल प्रतियोगिता के अन्तर्गत न्याय पंचायत अहिरौली राय और परेवाटार का आयोजन पुमावि भठही राजा व गोबरही के प्रांगण में आयोजित हुआ। मुख्यअतिथि बीईओने कहा कि सरकार खेल के बढ़ावा देने के लिए हर न्याय पंचायत स्तर पर सांसद और बेसिक खेल प्रतियोगिता आयोजित कर रही है जिससे क्षेत्रीय छात्र छात्राओं को खेल के प्रति जागरूक हो। विशिष्ट अतिथि ग्राम प्रधान सुभाष कानदू व रामआश्रय ने अपने विचार रखे।बालिका कबड्डी जूनियर में भठही राजा प्रथम, यूपीएस अहिरौली राजा द्वितीय, बालक वर्ग में पतया प्रथम भठही राजा द्वितीय रहा। प्राथमिक बालिका वर्ग में कबड्डी में प्रावि तमासपुर प्रथम, रामबरचरगहा द्वितीय, दौड़ बालिका जूनियर 100 मीटर नाजिया खातून नन्दन छपरा, बालक में राजेश भठही बाबू, प्राथमिक स्तर दौड़ में राजीव, प्रथम खोखो में जूनियर बालिका वर्ग में भठही राजा और पीएम श्री पतया द्वितीय रहा।बालक वर्ग खोखो जूनियर वर्ग में भठही राजा प्रथम पतया द्वितीय रहा। कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती के चित्र पर पुष्प अर्पित कर और खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर खेल का शुभारंभ किया गया। प्रतियोगिता के निर्णायक टीम में योगेन्द्र सिंह खेल प्रशिक्षक धीरज मिश्रा शामिल रहे। इस अवसर पर जुनियर संघ अध्यक्ष देवानंद दूबे, प्रबीर राव, राजीव नयन द्विवेदी, अनीश आलम, अमित सिंह, मुरली मनोहर, रितेश सिंह, अमिताभ त्रिपाठी, जयंत सिंह, नशरूदीन, कमलेश गुप्ता, दीनानाथ, अनिता राय, रागिनी पांडेय, अमित सिंह मौजूद रहे।

### रामपुर में आजम खां ने बढ़ाई सक्रियता

**रामपुर।** समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता आजम खां दिल्ली से इलाज कराकर रामपुर लौट आए हैं। सीतापुर जेल से रिहा होने के बाद पिछले तीन दिनों तक वह दिल्ली के एक अस्पताल में इलाज करा रहे थे। कल रात वह अपने घर रामपुर पहुंचे। इसके बाद उनके घर पर समर्थकों और पार्टी पदाधिकारियों का तांता लग गया। आजम खां ने रिहाई के बाद सोमवार को पहली बार जौहर यूनिवर्सिटी का दौरा किया। यहां उन्होंने छात्रों से बातचीत की और उन्हें सियासी, सामाजिक मुद्दों पर मार्गदर्शन भी दिया। इसके अलावा वह मेडिकल कालेज भी पहुंचे और वहां स्वास्थ्य सेवाओं व छात्रों की समस्याओं के बारे में जानकारी ली। रामपुर में आजम खां के घर पर लगातार समर्थकों का आना-जाना जारी है। उनके स्वास्थ्य को लेकर चिंता जताने वालों ने भी उन्हें देखने के लिए घर पहुंचना शुरू कर दिया है। समर्थकों ने घर के बाहर स्वागत कर उनका हौसला बढ़ाया। पूर्व मंत्री ने कहा कि अब उनका पूरा ध्यान जनता और युवाओं के भविष्य की समस्याओं को समझने और हल करने पर रहेगा। पार्टी के नेताओं और कार्यकताओं के साथ उनकी चर्चा में आगामी योजनाओं और सामाजिक गतिविधियों को लेकर रणनीति बनाई गई। समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता और पूर्व कैबिनेट मंत्री आजम खां ने जेल में बिताए कठिन दिनों को याद करते हुए कहा कि वह खुद खाना नहीं बना सकते थे। ऐसे में दोपहर में एक पतली रोटी और शाम को उसी रोटी का आधा हिस्सा खाकर गुजारा करते थे। पेट भरने के लिए नींबू से आचार बना लेते थे। उन्होंने कहा कि पांच साल एक छोटी कोठरी में रहने का सीधा असर उनकी सेहत पर पड़ा है, इसलिए फिलहाल उनकी प्राथमिकता स्वास्थ्य को बेहतर करना है। आजम खां दिल्ली में तीन दिन तक अस्पताल में इलाज कराने के बाद रविवार रात रामपुर लौट आए। सोमवार को वह रिहाई के बाद पहली बार जौहर यूनिवर्सिटी पहुंचे और छात्रों से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने मेडिकल कालेज का भी दौरा किया। सपा मुखिया अखिलेश यादव के आठ अक्तूबर को रामपुर आने की खबर पर आजम खां ने कहा कि उन्हें इसकी जानकारी अखबारों से मिली है।

# ट्रेड शो-2025 में ग्रेनो प्राधिकरण को मिला हॉल-3 का सर्वश्रेष्ठ स्टॉल अवार्ड

**ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)।** यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो-2025 में ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने अपनी अलग पहचान दर्ज कराई है। प्राधिकरण को हॉल-3 के बेस्ट स्टॉल की श्रेणी में अवार्ड प्रदान किया गया। यह सम्मान औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल गुप्ता 'नंदी' और एमएसएमई मंत्री राकेश सचान ने संयुक्त रूप से प्रदान किया। प्राधिकरण की ओर से एसीईओ श्रीलक्ष्मी वीएस ने पुरस्कार ग्रहण किया। सीईओ एनजी रवि कुमार के मार्गदर्शन में और एसीईओ सौम्य श्रीवास्तव के नेतृत्व में तैयार की गई टीम ने स्टॉल के डिजाइन और प्रस्तुति को विशेष स्वरूप दिया। डिजाइन की अंतिम स्वीकृति एसीईओ श्रीलक्ष्मी वीएस और

एसीईओ प्रेरणा सिंह की समिति ने दी थी। स्टॉल में ग्रेटर नोएडा के विकास, इंफ्रास्ट्रक्चर और भविष्य की योजनाओं का संपूर्ण चित्रण किया गया। प्राधिकरण के स्टॉल में इंटीग्रेटेड इंडस्ट्रियल टाउनशिप, मल्टीमॉडल लॉजिस्टिक हब और मल्टीमॉडल ट्रांसपोर्ट हब जैसे बड़े प्रोजेक्ट्स को प्रमुखता से दशार्या गया। प्रदर्शनी का सर्वे करने आई विशेषज्ञ टीम ने ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के प्रदर्शन को सबसे व्यवस्थित और आकर्षक माना। इसी आधार पर उसे सर्वश्रेष्ठ स्टॉल का अवार्ड दिया गया।

स्टॉल की विशेषताओं में अनोमॉर्फिक एलईडी वॉल, वेब स्टैंडी, डायमंड एलईडी क्यूब, क्विज और पजल गेम, एआई सेल्फी बूथ, न्यूरो सेंसर कार, वीआर सिमुलेटर गेम और लाइव मग पेंटिंग शामिल रहे। इन अनोखे प्रयोगों ने खासतौर से युवाओं को आकर्षित किया और पूरे आयोजन के दौरान स्टॉल पर भीड़ उमड़ती रही।

यह सम्मान न सिर्फ ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की रचनात्मक सोच और तकनीकी प्रस्तुति का प्रमाण है बल्कि प्रदेश में तेजी से बढ़ते औद्योगिक और शहरी विकास की दिशा को भी स्पष्ट करता है।

## सीईओ लोकेश एम ने किया निरीक्षण,खामी मिलने पर वेतन रोकने का आदेश

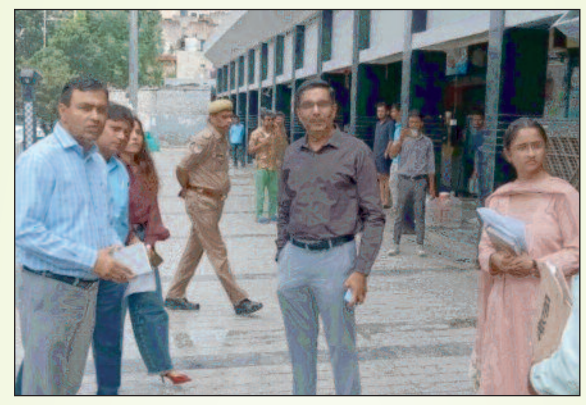

**नोएडा (शिखर समाचार)।** नोएडा प्राधिकरण के सीईओ लोकेश एम ने शहर के विभिन्न सेक्टरों और निमार्णाधीन परियोजनाओं का औचक निरीक्षण किया है, जिसमें सेक्ट-37 स्थित गोदावरी मार्केट और सेक्टर-29 शामिल रहा। निरीक्षण के दौरान प्राधिकरण के उप महाप्रबन्धक (सिविल) विजय रावल,वर्क सर्किल-2 एंव विद्युत/यात्रिकी-3 के वरिष्ठ प्रबन्धक गण उपस्थित रहे। निरीक्षण के दौरान मुख्य कार्यपालक अधिकारी ने गोदावरी मार्केट के नवीनीकरण का कार्य की धीमी प्रगति पर अप्रसन्नता व्यक्त की गई तथा निर्देशित किया गया कि कार्य की गति को बढ़ाते हुए शीघ्रातिशीघ्र पूर्ण किया जाये तथा सम्बन्धित अवर अभियन्ता का अग्रिम आदेशों तक वेतन रोकने हेतु निर्देश दिये गये।गोदावरी मार्केट के सेटबैक की बाउण्ड्री वॉल पर प्लास्टर करने के उपरान्त पेन्ट कराये जाने हेतु निर्देशित किया गया।वही ब्रहमपुत्र मार्केट के पीछे निर्मित टॉयलेट के सामने जल खण्ड-2 द्वारा सीवर लाईन डाली गई है। जल खण्ड-2 को सीवर लाईन डाले जाने हेतु खोदी गई ट्रेन्च को बंद कर स्थल समतल करने हेतु निर्देशित किया गया।ब्रहमपुत्र मार्केट में अक्रियाशील बॉयोगैस प्लांट को बंद कर फ्लोरिंग करने हेतु निर्देशित किया गया।ब्रहमपुत्र मार्केट के पीछे नाले के ऊपर बैठे वेण्डर्स एवं ग्राहकों के आने-जाने हेतु कुछ स्थानों पर सीढियाँ बनाये जाने एवं नाले के साथ बनी दीवार के साथ आने वाले ग्राहकों के बैठने की व्यवस्था किये जाने हेतु निर्देशित किया।

## सेंट हुड कान्वेंट स्कूल के छात्रों ने अंतर्राष्ट्रीय ट्रेड शो का किया शैक्षिक भ्रमण

**दादरी/ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)** इंडिया एक्सपो मार्ट की रंगीन दुनिया में सेंट हुड कान्वेंट स्कूल के छात्रों ने तीसरे अंतर्राष्ट्रीय ट्रेड शो का शैक्षिक भ्रमण कर ज्ञान और अनुभव का अनूठा मेल देखा। इस प्रदर्शनी में देश-विदेश की अग्रणी कंपनियों ने अपनी नवीनतम तकनीक, प्रोडक्ट और सेवाओं का प्रदर्शन किया, जिससे छात्रों को व्यापार और नवाचार की जीवंत तस्वीर नजदीक से देखने का अवसर मिला। छात्रों ने विभिन्न स्टॉल्स का दौरा करते हुए सिर्फ नई तकनीक और उत्पादों की जानकारी ही नहीं ली, बल्कि विशेषज्ञों के साथ संवाद करके व्यावसायिक रणनीतियों, वैश्विक बाजार की प्रवृत्तियों और व्यवसाय में नवाचार की अहमियत को भी समझा। इस शैक्षिक यात्रा का उद्देश्य छात्रों को व्यावहारिक दुनिया के साथ जोड़ना और उन्हें व्यापारिक सोच, तकनीकी समझ और भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार करना था। विद्यालय की प्रधानाचार्या डॉ. आशा शर्मा ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह के कार्यक्रम न केवल छात्रों के ज्ञान को बढ़ाते हैं, बल्कि उनकी सोच को व्यापक बनाकर उन्हें वास्तविक जीवन के अनुभवों से जोड़ते हैं। डॉ. शर्मा ने यह भी कहा कि आज के प्रतिस्पर्धी दौर में ऐसे अनुभव छात्रों को व्यावसायिक, तकनीकी और सामाजिक दृष्टिकोण से मजबूत बनाते हैं। छात्रों ने प्रदर्शनी के दौरान विविध स्टॉल्स पर जाकर इंटरैक्टिव गतिविधियों में भाग लिया और विशेषज्ञों से मार्गदर्शन प्राप्त किया। इस दौरान उन्हें यह समझने का मौका मिला कि किस तरह वैश्विक व्यापार की दुनिया में नवाचार और तकनीकी दक्षता को महत्व दिया जाता है। इस अनुभव ने छात्रों में उत्सुकता और ज्ञान की भूख को और प्रगाढ़ किया। इस शैक्षिक भ्रमण ने न केवल छात्रों को अंतर्राष्ट्रीय व्यापार और तकनीक की समझ दी, बल्कि उन्हें भविष्य के व्यावसायिक अवसरों के प्रति भी सजग और जागरूक बनाया।

## जनपद का जन्म दिवस मनाया गया: जिला बनाओ आंदोलन के संयोजक सम्मानित किए गए, कार्यक्रम में कई लोग रहे मौजूद

**हापुड़ (शिखर समाचार)।** जिला पंचायत हापुड़ के सभागार में हापुड़ जनपद की स्थापना पर केक काटकर जनपद हापुड़ का जन्मदिन मनाया इस अवसर पर वरिष्ठ भाजपा नेता उत्तर प्रदेश और उत्तर प्रदेश राज्य सफाई कर्मचारी आयोग सदस्य मनोज वाल्मीकि ने हापुड़ को जनपद बनाने की मांग और 2 अक्टूबर 1995 को तत्कालीन मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश मायावती के शासकीय आवास पर आत्मदाह की घोषणा की थी 1 अक्टूबर 1995 को मेरठ गेट पुलिस चौकी के निकट महर्षि वाल्मीकि परिसर से जुलूस के रूप में लखनऊ जाने के लिए निकले भारी पुलिस बल ने गोल मार्केट से गिरफ्तार कर जेल भेजा था कई दिन जेल में रहने वाले मनोज वाल्मीकि और जिला बनाओ आंदोलन के संयोजक रहे डॉक्टर एस॰के॰कौशिक और मनोज वाल्मीकि को पुष्प गुच्छ भेंट कर व माला पहनाकर सम्मानित किया कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला पंचायत अध्यक्षा रेखा नागर व संचालन प्रशासनिक अधिकारी देवी सहाय ने किया कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगों ने डॉ एस के कौशिक की निस्वार्थ, निरंतर प्रयास की भूरी भूरी प्रशंसा की तथा दीघार्यु होने की कामना की। इस अवसर पर अपर मुख्य अधिकारी शिशुपाल शर्मा,अभियंता रविंद्र यादव,अवर अभियंता धनीराम,हर्षवर्धन सिंह,विशाल,राष्ट्रीय लोकदल के नेता पं॰ नानक चंद शर्मा, राष्ट्रीय सैनिक संस्था के प्रदेश प्रवक्ता व हापुड़ के जिला अध्यक्ष ज्ञानेन्द्र त्यागी,पश्चिमी उत्तर प्रदेश के संयोजक सरदार राजेन्द्र सिंह औलख,जिला सचिव मुकेश प्रजापति,जिला अनुशासन सचिव गुलशन त्यागी, प्रशासनिक सदस्य कपिल प्रजापति,सतीश प्रमुख,सुभाष प्रधान,हरिसिंह मास्टरजी, गोपाल शर्मा मौजूद रहे।

# रक्तदान शिविर में पहुंचे सलमान पहलवान, पूर्व चेयरमैन रीना भाटी ने बुके देकर किया स्वागत

**गाजियाबाद (शिखर समाचार)।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन पर चल रहे सेवा पखवाड़े के अंतर्गत खोड़ा नगर पालिका परिषद की पूर्व चेयरमैन रीना भाटी के नेतृत्व में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में लोनी विधानसभा से भी लोगों ने हिस्सा लिया। गाजियाबाद के लोनी विधानसभा निवासी सलमान पहलवान ने भी शिविर में भाग लिया है। इस मौके पर नगर पालिका परिषद खोड़ा की पूर्व चेयरमैन रीना भाटी को सलमान पहलवान ने बुके देकर सम्मानित किया है। सलमान पहलवान ने कहा कि रक्तदान करना सबसे अच्छा होता है। रक्तदान करने से हृदय स्वास्थ्य सुधरता है। शरीर में आयरन का स्तर नियंत्रित होता है। जिससे हृदय रोगों का खतरा कम होता है। और नए रक्त कोशिकाओं के निर्माण से मेटाबॉलिज्म बेहतर होता है। रक्तदान से पहले होने वाली स्वास्थ्य जांच से बीमारियों का पता चल सकता है, और सबसे महत्वपूर्ण, किसी जरूरतमंद की जान बचाने का पुण्य मिलता है।

# रावण द्वारा सीता जी का हरण व राम-सुग्रीव मित्रता

**नोएडा (शिखर समाचार)।** श्रीराम मित्र मण्डल नोएडा रामलीला समिति द्वारा सेक्टर-62 के रामलीला मैदान में आयोजित रामलीला मंचन के अष्टम दिन मुख्य अतिथि नोएडा प्राधिकरण के विशेष कार्य अधिकारी देवेन्द्र प्रताप सिंह,पूर्व परियोजना अभियंता एमपी शर्मा,हिन्दू युवा वाहिनी नोएडा के अध्यक्ष टीसी गौड़,नोएडा मीडिया क्लब के अध्यक्ष आलोक द्विवेदी द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलन कर रामलीला का शुभारंभ किया गया। श्रीराम मित्र मंडल नोएडा रामलीला समिति के चेयरमैन उमाशंकर गर्ग, अध्यक्ष धर्मपाल गोयल एवं महासचिव डॉ॰मुन्ना कुमार शर्मा द्वारा मुख्य अतिथियों को स्मृति चिन्ह प्रदान कर और अंगवस्त्र ओढ़ाकर स्वागत किया गया। प्रथम दृश्य में रावण दरबार में सुर्पणखा विलापकरती हुई पहुंचती हैं। रावण सुर्पणखा की दशा देखकर उससे पूछता है कि उसका नाक किसने काटा। सुर्पणखा बताती है कि राम लक्ष्मण दशरथ के पुत्र हैं ।राम के छोटे भाई लक्ष्मण ने उसकी नाक कटी हैं और उन्होंने खरदूषण का भी वध कर दिया । रावण सोचता है खर दूषण को मारने वाला कोई साधारण मनुष्य नहीं हो सकता , निश्चित ही कोई अवतार है ।रावण मारीच के पास जाता है और राम से बदला लेने के लिए कपट मृग बनने को कहता है ।मारीच सोने का मृग बनकर पंचवटी से निकलता है तो सीता राम जी से उस स्वर्ण मृग की खाल लाने को कहती हैं ।राम जी उसके पीछे जाते हैं और उस स्वर्णमृग को एक बाण से मार देते हैं ।मारीच मरते समय, है लक्ष्मण! है लक्ष्मण! पुकारता है। उधर मौका देखकर रावण साधु का वेश रखकर जबरदस्ती सीता को पुष्पक विमान में बैठा कर आकाश मार्ग से जाता है। जटायु रावण पर हमला कर देते हैं इसके बाद लंकेश जटायु के पंख तलवार से काट देता है । इधर राम लक्ष्मण पंचवटी पहुंचते हैं वहां पर सीता को न पाकर दुःखी होकर ढूंढने लगते हैं । रास्ते में घायल गिद्ध राज जटायु मिलते हैं वह सारा वृतांत बताते हैं और भगवान की गोद में अपने प्राण त्याग देते हैं । उसके बाद भगवान सबरी के आश्रम पहुंचते हैं जहां पर प्रेम भक्ति में सबरी के झूठे बेर खाते हैं। श्रीराम ने कबन्ध का भी उद्धार किया था, जिन्होंने उन्हें वानरराज सुग्रीव से मित्रता करने का सुझाव दिया था।सुग्रीव का निवास-स्थल खोजते हुए राम-लक्ष्मण जब ऋष्यमूक पर्वत के पास पहुंचे तो उन्हें देखकर वानरदल को उन पर संदेह हुआ।तब उन्होंने हनुमान से आग्रह किया कि पता लगाया जाए कि वे दोनों दिव्य पुरुष कौन हैं तब हनुमान ने साधु का रूप धारण कर राम और लक्ष्मण से मुलाकात की।सुग्रीव से मित्रता होती है और सुग्रीव बाली की दुष्टता के बारे में बताता है। सुग्रीव और बाली का युद्ध होता हैं और भगवान राम बाली का वध कर देते हैं । इस प्रकार प्रभु श्रीराम बाली को अपने परम धाम पहुंचा देते हैं। इसी के साथ अष्टम दिवस की लीला का समापन होता है। इस अवसर पर समिति के कोषाध्यक्ष राजेन्द्र गर्ग, सलाहकार मनोज शर्मा, सह-कोषाध्यक्ष अनिल गोयल, वरिष्ठ उपाध्यक्ष सतनारायण गोयल, राजकुमार गर्ग, चौधरी रविन्द्र सिंह, तरुणराज, पवन गोयल,मुकेश गोयल, बजरंग लाल गुप्ता, एस एम गुप्ता, गौरव मेहरोत्रा, मुकेश अग्रवाल, मीडिया प्रभारी मुकेश गुप्ता, गिरिराज बहेडिया, चक्रपाणि गोयल,अनंत वर्मा,राजेश माथुर, साहिल चौधरी,नवीन पोरवाल, दयाशंकर तिवारी, दीपक अग्रवाल, बाबूराम शर्मा सहित श्रीराम मित्र मंडल नोएडा रामलीला समिति के सदस्यगण व शहर के गणमान्य व्यक्ति उपस्तिथ रहे।

## पक्षियों को सुरक्षित घर और स्वस्थ वातावरण उपलब्ध कराने के बसेरों का शुभारंभ

**नोएडा (शिखर समाचार)।** 694 पक्षियों के लिए निर्मित बसेरों का शुभारंभ अंतिम निवास, सेक्टर-94 प्रांगण में सोमवार, दिनांक 29 सितम्बर 2025 को दोपहर 12:00 बजे किया गया।यह निर्माण पक्षियों को सुरक्षित घर और स्वस्थ वातावरण उपलब्ध कराने के उद्देश्य से लोकमंच द्वारा करवाया गया है। इस पुनीत कार्य को अशोक गेरा, दर्शन गेरा एवं सुरेन्द्र गेरा (सी-132, सेक्टर-9, नोएडा) द्वारा संपन्न कराया गया। शुभारंभ अवसर पर अशोक गेरा, दर्शन गेरा, मोहित गेरा, सुरेन्द्र गेरा, सुनील गदोक, महेश सक्सेना, विभा बंसल, लीका सक्सेना, आर.एन. श्रीवास्तव, जयश्री श्रीवास्तव, मुकुल बाजपेयी, निरु शर्मा, अल्का चौहान, हर विलास जी, राजेन्द्र, सुभाष सिंगल, कुशाग्र अवस्थी, मुक्ता गुप्ता,

आशु सक्सेना, एस.के. जैन, दिनेश, अनिल सक्सेना, राजेश श्रीवास्तव, डॉ. नन्दन प्रकाश, दीपक दावर, अरविन्द्र चौहान, विजय श्रीवास्तव, पंडित उदित नारायण मिश्रा, हरीश मिश्र, इस्तुति कक्कड़, वेद प्रकाश, गिरजा सिंह, लुबना, गौरव दुबे, अशोक शर्मा, राकेश कुमार, रोबिन, सविता, सरिता, सुनील, पावन झा आदि लोग मौजूद रहे।इस अवसर पर सभी ने पक्षी संरक्षण की इस पहल की सराहना की और इसे समाज के लिए प्रेरणादायक कदम बताया।

## डांडिया नाईट में झूमा सेक्टर 34

**नोएडा (शिखर समाचार)।** सेक्टर-34 स्थित कम्यूनिटी सेंटर में फेडरेशन ऑफ आरडब्ल्यूए सेक्टर-34 द्वारा आयोजित डांडिया नाइट कार्यक्रम में लोगों ने जमकर लुत्फ उठाया। इसमें करीब तीन हजार से अधिक लोगों ने हिस्सा लिया। गरबा तथा बॉलीवुड के गानों पर सेक्टर निवासियों ने खूब गरबा और डांडिया खेला। फेडरेशन आरडब्लूए महासचिव धर्मेन्द्र शर्मा ने बताया की नवरात्रि के शुभ मौके पर नेचर विलेज जिम कॉर्बेट और क्लीयरमेडी अस्पताल के सहयोग से कार्यक्रम आयोजित किया गया।कार्यक्रम की शुरूआत माता रानी के गरबे से हुई। इसके बाद ग्रुप डांडिया शुरू हुआ। इसमें सेक्टर निवासियों ने शानदार नृत्य की प्रस्तुति दी। प्रतिभागियों की प्रस्तुति के बाद रॉयडन दा बैंड द्वारा लाइव प्रस्तुति से डांडिया का आगाज हुआ। गरबा के गाने शुरू होते ही निवासियों ने ग्रुप बनाकर फ्लोर पर धमाल मचाने शुरू कर दिया। देखते ही देखते कम्युनिटी सेंटर का गार्डन लोगों से खचाखच भर गया।इस दौरान आरडब्ल्यूए अध्यक्ष के के जैन, महासचिव धर्मेन्द्र शर्मा, उपाध्यक्ष कुलदीप मुंशी,कोषाध्यक्ष एम सी भारद्वाज, देवेन्द्र वत्स,डॉ डी महापात्र,दीपाली पसारी,सुधीर चौधरी,प्रदीप सिंह,सुशांत भल, ओमेन्द्र कुमार,संजीव महतो,एस के सिंघल,जगदीश जोशी,शेखर शर्मा आदि मुख्य रुप से मौजूद रह।

# यूपीआईटीएस 2025 : ऐतिहासिक सफलता, पाँचवें दिन टूटे सभी रिकॉर्ड, समापन पर बोले केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल, डबल इंजन सरकार की दूरदृष्टि का प्रमाण

**ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)।** उत्तर प्रदेश अंतर्राष्ट्रीय व्यापार शो (UPITS 2025) का पाँच दिवसीय महाकुंभ सोमवार को धूमधाम और ऐतिहासिक उपलब्धियों के साथ संपन्न हो गया। इंडिया एक्सपो सेंटर एंड मार्ट में आयोजित इस आयोजन ने न केवल रिकॉर्ड तोड़ भीड़ जुटाई बल्कि व्यापारिक दृष्टि से भी नए मानक स्थापित किए। कुल 2228 प्रदर्शकों और 5 लाख से अधिक आगंतुकों की उपस्थिति ने इसे देश का सबसे बड़ा और प्रभावशाली ट्रेड शो बना दिया। समापन सत्र में बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने इसे डबल इंजन सरकार की दूरदर्शिता का प्रत्यक्ष प्रतिबिंब बताते हुए राज्य सरकार के प्रयासों की खुलकर सराहना की।

श्री गोयल ने अपने संबोधन में कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश ने जिस प्रकार कौशल विकास और औद्योगिक नीतियों पर ठोस काम किया है, उसका परिणाम आज सामने है। उन्होंने कहा कि यहाँ का प्रशिक्षित और दक्ष कार्यबल बाहरी प्रवासन को रोकने में सफल रहा है, जिससे उद्योगों को स्थानीय स्तर पर ही बेहतर प्रतिभा मिल रही है। ह्यप्रधानमंत्री के जीरो डिफेक्ट, जीरो इफेक्ट के दृष्टिकोण को अपनाकर यदि हम गुणवत्ता आधारित उत्पादन और सतत विनिर्माण पर जोर देंगे तो मेड इन इंडिया उत्पाद न केवल देश में बल्कि वैश्विक स्तर पर भी अपनी धाक जमाएंगे।

उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि इस भव्य आयोजन में बने व्यावसायिक रिश्ते महज औपचारिक मुलाकातों तक सीमित न रहें बल्कि ठोस अनुबंधों और दीर्घकालिक साझेदारियों में परिवर्तित हों। अब आवश्यकता है कि यह शो केवल एक इवेंट न रहे, बल्कि आर्थिक आंदोलन का स्वरूप ले।

एमएसएमई खादी एवं ग्रामोद्योग मंत्री राकेश सचान ने पारंपरिक शिल्पों और छोटे उद्योगों को राज्य की रीढ़ बताते हुए उनके पुनरुद्धार पर बल दिया। औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी ने कहा कि उत्तर प्रदेश की नीतियाँ आज इसे वैश्विक निवेश का सबसे आकर्षक गंतव्य बना चुकी हैं।

अपर मुख्य सचिव आलोक कुमार ने शो की उपलब्धियों का ब्यौरा प्रस्तुत करते हुए बताया कि इस संस्करण में 85 देशों के 525 अंतर्राष्ट्रीय खरीदार और 1,40,735 घरेलू बी2बी खरीदारों ने भाग लिया। 26 सितम्बर को हुए इंडिया रूस बिजनेस डायलॉग में 111 बी2बी मीटिंग्स आयोजित हुईं, जिनमें 30 रूसी कंपनियों और 90 से अधिक भारतीय एमएसएमई ने विनिर्माण, ऊर्जा, आईटी, फार्मा और खाद्य प्रसंस्करण जैसे क्षेत्रों में साझेदारी पर चर्चा की। इसी कड़ी में इंडो रशियन बिजनेस राउंडटेबल ने भी रक्षा, एयरोस्पेस, शिक्षा और वित्तीय सेवाओं जैसे अहम क्षेत्रों को नई दिशा दी।

इस दौरान 17 ज्ञान-सत्र आयोजित हुए, जिनमें विकसित यूपी 2047 और ह्यएक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था में स्टार्ट-अप्स की भूमिका जैसे विषयों पर चर्चा हुई। कार्यक्रम में 7500 से अधिक पंजीकरण, 8300 से अधिक व्यवसायिक पूछताछ और 2000 छात्रों की सक्रिय भागीदारी दर्ज की गई। आयोजन के तीसरे संस्करण में ही लगभग 11200 करोड़ की व्यावसायिक पूछताछ हुई और 2400 से अधिक एमओयू पर हस्ताक्षर हुए, जिनकी कुल राशि 1882 करोड़ रही।

इंडिया एक्सपो मार्ट के चेयरमैन राकेश कुमार ने इसे सामूहिक प्रयासों का परिणाम बताते हुए प्रदर्शकों को इस आयोजन की वास्तविक शक्ति बताया। अंतिम दिन गन्ना एवं चीनी विभाग की ओर से सतत विकास हमारा प्रयास विषय पर विशेष सत्र और रोबोटिक्स-एआई प्रतियोगिता व बैटल ऑफ बैंड्स जैसी गतिविधियाँ युवाओं के आकर्षण का केंद्र बनीं।

इस तरह यूपीआईटीएस 2025 ने न केवल व्यापार और उद्योग जगत को जोड़ने का मंच दिया बल्कि यह साबित कर दिया कि उत्तर प्रदेश तेजी से भारत के औद्योगिक नक्शे पर अपनी अग्रणी पहचान स्थापित कर रहा है। अगले संस्करण की दिशा तय करने के साथ यह आयोजन आने वाले वर्षों के लिए नए अवसरों और संभावनाओं का द्वार खोल गया है।

# लोक कल्याण मेले की तैयारियों को मिला नया आयाम, स्ट्रीट फूड वेंडर्स को मिला स्वच्छता और सुरक्षा का पाठ

**बिजनौर (शिखर समाचार)।** पीएम स्वनिधि योजना के तहत 17 सितम्बर से 2 अक्टूबर तक प्रस्तावित 16 दिवसीय लोक कल्याण मेले को लेकर नगर पालिका परिषद बिजनौर ने कमर कस ली है। मेले के दौरान आने वाले हजारों नागरिकों को बेहतर सुविधाएं और स्वच्छ खाद्य सामग्री उपलब्ध हो सके, इसके लिए सोमवार को नगर पालिका परिषद ने एक विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। इसमें शहरभर के स्ट्रीट फूड वेंडर्स को न केवल खाद्य सुरक्षा के नियम बताए गए बल्कि उनके कार्यस्थल को व्यवस्थित करने और अतिक्रमण से बचने की सख्त हिदायत भी दी गई।

भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण के सहयोग से आयोजित

इस प्रशिक्षण में फूड इंस्पेक्टर अनुपम यादव ने वेंडर्स को व्यक्तिगत स्वच्छता से लेकर खाद्य सामग्री को ढककर रखने, साफ पानी का प्रयोग करने, अपशिष्ट प्रबंधन को सही ढंग से करने और ग्राहकों के स्वास्थ्य को प्राथमिकता देने जैसे बिंदुओं पर विस्तार से मार्गदर्शन दिया। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि बिना फूड लाइसेंस के कारोबार करना नियमों के खिलाफ है, इसलिए हर वेंडर को समय रहते फूड लाइसेंस अवश्य बनवाना चाहिए।

प्रशिक्षण सत्र की अध्यक्षता अधिशासी अधिकारी विकास कुमार ने की। उन्होंने फूड वेंडर्स से अपील की कि मेले के दौरान अपने-अपने ठेले और स्टॉल को निर्धारित स्थान पर लगाएं, सड़क या मार्ग पर कब्जा करके अतिक्रमण न करें और स्वच्छता को प्राथमिकता बनाएं। उनका कहना था कि लोक कल्याण मेला जनता के लिए है, ऐसे में व्यवस्था और साफ-सफाई बनाए रखना हर किसी की जिम्मेदारी है।

कार्यक्रम में राजस्व निरीक्षक एवं प्रभारी पीएम स्वनिधि योजना ऋषिपाल सिंह, डूडा विभाग से गोपाल, आउटसोर्सिंग कर्मी हिमांशु और मौ. गुफरान के अलावा संजीव भी मौजूद रहे। वहीं स्ट्रीट फूड वेंडर्स में नरेंद्र राजपूत, विपुल गोयल, पुष्पा, कविता गुप्ता समेत कई लोग शामिल हुए जिन्होंने प्रशिक्षण के दौरान स्वच्छता के नियमों को गंभीरता से सुना और पालन का भरोसा दिलाया।

लोक कल्याण मेले की यह तैयारियां न केवल प्रशासनिक स्तर पर मजबूती दिखा रही हैं बल्कि यह भी संकेत देती हैं कि आने वाले दिनों में बिजनौर के फूड वेंडर्स एक नई जिम्मेदारी और अनुशासन के साथ अपनी भूमिका निभाएंगे। इस पहल से जहां लोगों को स्वच्छ और सुरक्षित भोजन मिलेगा, वहीं स्ट्रीट फूड की छवि भी और बेहतर होगी।

# संपादकीय

## भारत में बढ़ता साइबर खतरा : राष्ट्रीय सुरक्षा और नागरिक जीवन के लिए नई चुनौती

डिजिटल युग में प्रवेश ने भारत को विकास और प्रगति की नई राह दिखाई है। इंटरनेट, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डिजिटल पेमेंट, ई-गवर्नेंस और स्मार्ट तकनीक ने हमारी जीवनशैली को पूरी तरह बदल दिया है। आज आम नागरिक से लेकर सरकार और उद्योग जगत तक हर कोई डिजिटल प्लेटफॉर्म पर निर्भर है। लेकिन इस डिजिटल क्रांति के साथ एक और सच्चाई हमारे सामने खड़ी है और वह है बढ़ता साइबर खतरा। 29 सितंबर 2025 की स्थिति में यह मुद्दा केवल तकनीकी समस्या नहीं रह गया है, बल्कि यह राष्ट्रीय सुरक्षा, आर्थिक स्थिरता और सामाजिक शांति से जुड़ा हुआ गम्भीर प्रश्न बन चुका है। पिछले कुछ वर्षों में भारत में साइबर अपराधों की रफ्तार तेजी से बढ़ी है। नेशनल साइबर क्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल के आंकड़े बताते हैं कि रोजाना हजारों शिकायतें दर्ज हो रही हैं, जिनमें ऑनलाइन धोखाधड़ी, पहचान चोरी, बैंकिंग फ्रॉड, डाटा हैकिंग, फिशिंग और रैनसमवेयर हमले शामिल हैं। विशेष चिंता की बात यह है कि अब ये हमले सिर्फ व्यक्तिगत स्तर तक सीमित नहीं हैं, बल्कि सरकारी तंत्र, रक्षा क्षेत्र, बैंकिंग व्यवस्था और महत्वपूर्ण अवसंरचना तक को निशाना बना रहे हैं। हाल ही में कई ऐसे मामले सामने आए, जब किसी राज्य की बिजली ग्रिड, अस्पतालों का डिजिटल नेटवर्क और यहां तक कि एयरपोर्ट प्रबंधन प्रणाली साइबर हमलों की चपेट में आए। इससे साफ है कि अब साइबर खतरा किसी सीमा या भूगोल का मोहताज नहीं, बल्कि यह एक अदृश्य युद्ध की तरह है जो किसी भी समय कहीं से भी सामने आ सकता है। इस खतरे के गहराने के पीछे कई कारण हैं। सबसे पहले तो इंटरनेट और डिजिटल प्लेटफॉर्म का अनियंत्रित और तीव्र विस्तार है। भारत में आज 80 करोड़ से अधिक इंटरनेट उपयोगकर्ता हैं, लेकिन उनमें से बड़ी संख्या साइबर सुरक्षा की बुनियादी जानकारी तक नहीं रखती। अधिकांश लोग पासवर्ड सुरक्षा, दो-स्तरीय प्रमाणीकरण, संदिग्ध लिंक से बचाव जैसे मूलभूत उपायों का पालन ही नहीं करते। दूसरा कारण है हमारे सिस्टम की तकनीकी कमजोरी। आज भी कई सरकारी विभाग और छोटे उद्योग पुराने सॉफ़्टवेयर और असुरक्षित नेटवर्क पर काम करते हैं, जो हैकर्स के लिए आसान निशाना बन जाते हैं। तीसरा बड़ा कारण है साइबर अपराधियों की अंतरराष्ट्रीय पहुँच। अधिकांश साइबर हमले सीमा पार से संचालित होते हैं, और हैकर समूह अब संगठित नेटवर्क के रूप में कार्य कर रहे हैं, जिनके पास अत्याधुनिक तकनीक और विशाल संसाधन हैं। भारत के सामने चुनौती सिर्फ तकनीकी ही नहीं है, बल्कि कानूनी और संस्थागत भी है। साइबर अपराध की जांच अक्सर जटिल और समय लेने वाली होती है क्योंकि अपराधी अलग-अलग देशों से काम करते हैं। ऐसे में अधिकार क्षेत्र, कानूनों का सामंजस्य और अंतरराष्ट्रीय सहयोग बड़ी बाधा बन जाते हैं। भारत ने सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम में कई संशोधन किए हैं, लेकिन बढ़ते खतरे की गति के मुकाबले ये कदम अभी भी अधूरे हैं। कानून प्रवर्तन एजेंसियों की साइबर विशेषज्ञता भी सीमित है, और साइबर अपराध से निपटने वाले कर्मियों की संख्या जरूरत से काफी कम है। लेकिन चुनौतियों के बीच उम्मीद की किरणें भी दिखाई देती हैं। भारत ने हाल के वर्षों में साइबर सुरक्षा को लेकर कई महत्वपूर्ण पहल की हैं। राष्ट्रीय साइबर सुरक्षा नीति, साइबर क्राइम पोर्टल, इंडियन कंप्यूटर इमरजेंसी रिस्पॉन्स टीम (CERT-In) जैसी संस्थाएं इस दिशा में कार्य कर रही हैं। सरकार ने ह्यडिजिटल इंडिया और साइबर सुरक्षित भारत जैसे अभियानों के माध्यम से जागरूकता फैलाने और साइबर इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने पर भी जोर दिया है। हाल ही में लॉन्च किए गए नेशनल साइबर कोऑर्डिनेशन सेंटर ने वास्तविक समय में खतरे की पहचान और रोकथाम में अहम भूमिका निभाई है।

## ~ मौलिक चिंतन ~

**दूसरों की ज़िन्दगी में टांग अड़ाने से अपनी ज़िन्दगी का भी संतुलन बिगड़ सकता है।**

~~~~~~~~

©

विनय संकोची

# तुर्किए और भारत के राजनयिक रिश्ते सूत के कच्चे धागे के समान

कांतिलाल मांडोत

भारत के बजाय तुर्की का झुकाव पाकिस्तान की और रहा है। अंतराष्ट्रीय राजनीति में चीन औ? तुर्की ही पाकिस्तान के सदाबहार समर्थक रहे है।तुर्की के राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोगन ने न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा(यूएनजीए) 80 वे सत्र में एक बार फिर जम्मू कश्मीर का मुद्दा उठाया।भारत -पाकिस्तान के बीच बातचीत के जरिये कश्मीर मुद्दे को हल करने की वकालत की।हमारे विश्लेषकों को तुर्की के राजनैतिक इतिहास पर बारीकी से नजर डालनी चाहिए।क्योंकि एर्दोआन भारत की यात्रा पर आए थे।उस समय पाकिस्तान की सिफारिश करना नही भूले थे।भारत की उनकी टोही यात्रा के बाद भी एर्दो ने 2019 से अब तक 6 बार पाकिस्तान का जिक्र कर चुके है।तुर्की के पश्चिमी देशों से सम्बंध बिगड़े है,तब से वे नए सहयोगियों की तलाश में है।एर्दो ने रूस ,चीन और भारत से सम्बंध सुधारने की कोशिश शुरू की थी।लेकिन भारत और तुर्की के बीच संबंधों की बाधा पाकिस्तान है।तुर्की ने न केवल कश्मीर के मामले मेंबल्कि अंतराष्ट्रीय राजनीति में भी सदा ही पाकिस्तान का खुलकर साथ दिया है।कश्मीर में जनमत संग्रह की वकालत करने वाले एर्दो बाहरी मध्ययस्था के जरिये कश्मीर समस्या सुलझाने की बात करते है।उन्होंने भारत को सुरक्षा परिषद और नाभिकीय आपूर्ति समूह का सदस्य बनाये जाने की वकालत भी की है।लेकिन दोनो हाथ मे लड्डू रखने वाले एर्दो पाकिस्तान को भी उसी श्रेणी में रखना चाहते है,जिसके लिए वे सिफारिश करते है।तुर्की पाकिस्तान को जिस तरह का समर्थन देता रहा है,उसे देखते हुए वह भारत से अधिक अनुकूल रुख की आशा नही कर सकता है।भारत ने भी तुर्की की भारत यात्रा के दौरान यह जताया कि भारत कश्मीर नीति का कूटनीतिक बदला ले सकता है।तुर्की भारत के साथ द्विपक्षीय सम्बंध रखते हुए भी पाकिस्तान का जिक्र करना नही छोड़ता है।तुर्की कश्मीर की बात करता है,लेकिन आर्मेनिया और साइप्रस दो दुःखती रग है।क्योंकि उसने पहले महायुद्ध में और उसके बाद उसने 15 लाख आर्मीनियाईयो को मरवा दिया था।आर्मेनिया उससे इस नरसंहार पर पश्चाताप जताने और क्षमा मांगने की मांग करता रहा है।इसे दोनो देशो के बीच तनातनी रही है।भारत ने उपराष्ट्रपति पति हामिद अंसारी को आर्मेनिया की यात्रा पर भेजकर तुर्की को जता दिया कि वह भी कूटनीति कर सकता है।बार बार कश्मीर की मध्ययस्था कर सुर्खियों में रहने वाला तुर्की ने साइप्रस के एक भाग पर कब्जा कर रखा है।उसे लेकर तुर्की और साइप्रस में तनातनी रहती है।भारत ने एर्दो आन की भारत यात्रा से पहले साइप्रस के रास्ट्रपति को आमंत्रित करके तुर्की को एक और संकेत दे दिया कि वह भारत को हल्के में न ले।फिर भी तुर्की अपनी आदत से मजबूर है।एर्दो आन 2003 में तुर्की के प्रधानमंत्री बने थे।2011 में पहली बार उनकी पार्टी बहुमत से चुकी थी।राष्ट्रपति प्रणाली में बदलने की बात उठी और 2014 में संविधान में परिवर्तन कर दिया।तब से एर्दो आन अब तक रास्ट्रपति के पद पर है।तुर्की का तख्तापलट की कोशिश नाकाम रही।पाकिस्तान और तुर्की का व्यापार कई गुना है।जब एर्दो ने भारत की यात्रा की थी,उस समय आतंकवाद का विरोध अवश्य किया,पर उनका जोर नक्सली हिंसा पर था,पाकिस्तान प्रेरित आतंकवाद का उन्होंने उल्लेख तक नही किया।तुर्की की दक्षिण एशिया में दिलचस्पी का कारण खिलाफत आंदोलन था।खिलाफत आंदोलन भारत के मुसलमानों का आंदोलन था,लेकिन उसका नेतृत्व महात्मा गांधी कर रहे थे।बाद में आधुनिक तुर्की के राष्ट्रपिता माने जाने वाले मुस्तफा कमाल पाशा ने स्वयं खिलाफत समाप्त करने की पहल की।उन्होंने यह अहसास करवाया कि कठिन समय में तुर्की का साथ दिया।तुर्की को भी पश्चिमी एशियाई राजनैतिक परिस्थितियो में पाकिस्तान से निकटता अधिक लाभदायी दिखाई दी।तुर्की में विनाशकारी भूकंप आया था।उस समय भारत ने मानवता के आधार पर मदद भेजी गई।इस ऑपरेशन के तहत एनडीआरएफ की दो टीमें तुर्कीए भेजी गई।जिसमे एक डॉग स्क्वॉड भी शामिल था।भारत की रेस्क्यू टीमो ने मलवे में दबे लोगो को खोजने में मदद की गई।भूकंप से हिले तुर्किए ने भारत को दोस्त कहकर नजदीकी बढाई और इस हमदर्दी का अहसास करवाया।2023 में विनाशकारी भूकंप में 55,हजार लोगो की जान चली गई थी।तब मोदी ने कहा था कि भारत के 140 करोड़ लोग तुर्किए के इस दुःख में साथ में है।तुर्किए को तत्काल मानवतावादी अभिगम अपना कर मदद भेजी।परन्तु तुर्किए ने पाकिस्तान का खुलकर समर्थन किया।तब देश के 140 करोड़ लोगो को दुःख पहुंचा।पहलगाम की घटना पर भी तुर्किए के राष्ट्रपति एर्दो ने हमले की निंदा की और पाकिस्तान का नाम आते ही एर्दो के सुर बदल गए।तुर्किए में बने ड्रोन्स भारत पर हमले करने में पाकिस्तान इस्तेमाल करता है।तुर्किए भारत के साथ और पाकिस्तान के साथ सम्बंध रख तो रहा है,लेकिन पाकिस्तान के साथ हमदर्दी कम नही है।भारत और तुर्किए के बीच 1948 मे राजनीतिक रिश्तों की शुरूआत हुई थी।क्योकि तुर्किए मुस्लिम देश होते हुए एक धर्मनिरपेक्ष देश बनकर उभर रहा था।लेकिन अब पहले वाले हालात कम दिखाई दे रहे है।लेकिन अब ऐशियाई शीतयुद्ध के दौरान तुर्किए ने नाटो देशो की सदस्यता ले ली है। साइप्रस पर हमला करने की वजह से भारत और तुर्किए के बीच खटास बढ़ गई।भारत और तुर्किए के बीच आ रहा कश्मीर प्रेम किसी हालत में तुर्किए भारत का समर्थन नही करेगा,क्योकि तुर्किए और पाकिस्तान का भाईचारे से दुनिया अनभिज्ञ नही है। भारत को सचेत रहने की आवश्यकता है।

# भाषाओं के सेतु, संस्कृतियों का संगम और वैश्विक संवाद का आधार

किशन सनमुखदास भावनानी

वैश्विक स्तरपर मानव सभ्यता के विकास में भाषा की भूमिका हमेशा ही केंद्रीय रही है। भाषा वह माध्यम है जो विचारों, भावनाओं, ज्ञान और अनुभवों को पीढ़ी दर पीढ़ी तथा राष्ट्र से राष्ट्र तक पहुँचाती है। किंतु विश्व की 7,000 से अधिक भाषाओं के बीच संचार स्थापित करना स्वाभाविक रूप से कठिन है। यहीं पर अनुवादक (ट्रांसलेटर्स), दुभाषिए (इंटरपरेटर्स) और भाषा विशेषज्ञ दुनियाँ को एक सूत्र में पिरोने का कार्य करते हैं। वे भाषाई दीवारों को तोड़कर आपसी समझ, संवाद और सहयोग की नींव रखते हैं। इन्हीं भाषा पेशेवरों के योगदान को सम्मान देने हेतु प्रतिवर्ष 30 सितंबर को ह्लअंतर्राष्ट्रीय अनुवाद दिवसह्व (इंटरनेशनल ट्रांसलेशन डे) मनाया जाता है। वर्ष 2025 में इसकी थीम है-ह्लअनुवाद, एक ऐसे भविष्य को आकार देना जिस पर आप भरोसा कर सकेंह्व (ट्रांसलेशनः शेपिंग द फ्यूचर यू कैन ट्रस्ट) मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि भाषाओं की जंजीरों को तोड़ने में अनुवादकों की भूमिका अति महत्वपूर्ण है। वैश्विक मंचों पर नेताओं की बात को यदि उनकी ही भाषा में समझा पाना संभव न होता,तो अंतर्राष्ट्रीय कूटनीति कभी सफल नहीं हो पाती। उदाहरणस्वरूप, जब अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप, भारतीय प्रधानमंत्री मोदी, रूसी राष्ट्रपति पुतिन, इजराइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू या ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर किसी वैश्विक शिखर सम्मेलन में बोलते हैं, तो उनकी बातों को विभिन्न भाषाओं में तुरंत अनुवादितकिया जाता है। यही अनुवादक सुनिश्चित करते हैं कि विश्व के हर प्रतिनिधि तक संदेश सही और सटीक रूप से पहुँचे। इस प्रकार अनुवादक सिर्फ शब्दों का नहीं,बल्कि संस्कृतियों, दृष्टिकोणों और विचारों का आदान-प्रदान संभव बनाते हैं।वर्ष 2025 की थीम ह्लअनुवाद, एक ऐसे भविष्य को आकार देना जिस पर आप भरोसा कर सकेंह्व यह संदेश देती है कि आने वाले समय में विश्व व्यवस्था,शिक्षा,विज्ञान,कूटनीति और सांस्कृतिक संवाद सब अनुवादकों के माध्यम से ही संभव होंगे। इस भविष्य पर भरोसा तभी किया जा सकता है जब भाषा पेशेवर अपनी निष्ठा, सटीकता और मानवीय संवेदनाओं के साथ कार्य करें।इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, अंतर्राष्ट्रीय अनुवाद दिवस 2025 भाषाओं के सेतु संस्कृतियों का संगम और वैश्विक संवाद का आधार।

साथियों बात अगर हम अनुवादः संस्कृतियों को जोड़ने वाला सेतु को समझने की करें तो,अनुवाद केवल शब्दों का परिवर्तन नहीं है, बल्कि यह संस्कृतियों,परंपराओं और मान्यताओं को जोड़ने की प्रक्रिया है। जब जापान की कोई साहित्यिक कृति हिंदी में पढ़ी जाती है, या भारत का कोई उपन्यास स्पेनिश में पहुँचता है, तो यह सिर्फ भाषाई रूपांतरण नहीं बल्कि सांस्कृतिक आदान- प्रदान भी होता है।यही कारणहै कि अनुवादक सटीक संस्कृति-दूतह्व (कल्चरल अम्बास्साडोर्स) भी माने जाते हैं। भारत और अनुवाद की परंपरा,-भारत एक बहुभाषी राष्ट्र है जहाँ 22 अनुसूचित भाषाएँ और सैकड़ों बोलियाँ प्रचलित हैं।भारतीय सभ्यता में अनुवाद की परंपरा प्राचीन काल से रही है-चाहे वह संस्कृत ग्रंथों का फारसी और अरबी में अनुवाद हो या फिर उपनिषदों का लैटिन में अनुवाद।आधुनिक भारत में संविधान भी 22 भाषाओं में उपलब्ध है, जो अनुवादकों की भूमिका की महत्ता को और सटीकता से स्पष्ट करता है।

साथियों बात अगर हम वैश्विक कूटनीति और अनुवाद का संगम तथा संयुक्त राष्ट्र और 2025 की प्रासंगिकता को समझने की करें तो संयुक्त राष्ट्र ,यूरोपीय संघ, जी20, ब्रिक्स या अन्य किसी अंतरराष्ट्रीय संगठन की बैठकों में अनुवादकों की भूमिका आधारशिला की तरह होती है। वे न केवल भाषाई संदेशों का आदान-प्रदान करते हैं, बल्कि शांति, विश्वास और सहयोग की प्रक्रिया को भी जीवित रखते हैं। संयुक्त राष्ट्र की छह आधिकारिक भाषाएँ-अरबी, अंग्रेजी, चीनी, फ्रेंच, रूसी और स्पेनिश,साथ ही अनेक क्षेत्रीय भाषाओं का भी उपयोग किया जाता है। ऐसे में यदि पेशेवर अनुवादक न हों तो संवाद और निर्णय-प्रक्रिया ठहर सी जाएगी।संयुक्त राष्ट्र ने वर्ष 2025 को ह्लशांति और विश्वास का वर्षह्व घोषित किया है। इस घोषणा का सीधा संबंध अनुवादकों की भूमिका से है, क्योंकि संवाद और कूटनीति के माध्यम से ही संघर्षों को कम किया जा सकता है।भाषा पेशेवर यह सुनिश्चित करते हैं कि कोई भी राष्ट्र या संस्कृति गलतफहमी का शिकार न हो, और हर संवाद पारदर्शिता और स्पष्टता से संपन्न हो।आज की दुनिया में बहु भाषावाद शिक्षा,अनुसंधान, सांस्कृतिक संरक्षण और सामाजिक समावेशन की कुंजी बन चुका है। अनुवादक इस बहुभाषिक दुनिया में सबको जोड़ने का कार्य करते हैं। यूनेस्को और यूएन लगातार इस बात पर बल देते रहे हैं कि बहुभाषावाद न केवल सांस्कृतिक विविधता को बचाता है,बल्कि ज्ञान समाज के निर्माण में भी बहुत हद तक सहायक है।

साथियों बात अगर हम प्रौद्योगिकी और अनुवाद का भविष्य तथा अनुवाद और विश्व शांति को समझने की करें तो,कृत्रिम बुद्धिमत्ता, मशीन ट्रांसलेशन और स्वचालित अनुवाद उपकरणों ने अनुवाद की दुनियाँ में क्रांति ला दी है। गूगल ट्रांसलेट, डीपल जैसे उपकरणों ने आम लोगों के लिए भाषा अवरोध को कम किया है। फिर भी, मशीन कभी भी मानवीय संवेदना, सांस्कृतिक संदर्भ और भावनात्मक सूक्ष्मताओं को पूरी तरह नहीं समझ सकती। यही कारण है कि 2025 की थीम ह्लअनुवाद, एक ऐसे भविष्य को आकार देना जिस पर आप भरोसा कर सकेंह्व मानवीय अनुवादकों की अपरिहार्यता को रेखांकित करती है।दुनियाँ में अधिकांश युद्ध और संघर्ष गलतफहमियों और संवादहीनता से उत्पन्न होते हैं। जब शब्दों का सही अनुवाद न हो तो गलत संदेश फैल सकता है। अनुवादक इन गलतफहमियों को रोककर राष्ट्रों को आपसी विश्वास और शांति की ओर ले जाते हैं। इस दृष्टिकोण से देखा जाए तो अनुवादक केवल भाषा विशेषज्ञ ही नहीं, बल्कि विश्व शांति के निमार्ता भी हैं। साथियों बात अगर हम अंतर्राष्ट्रीय अनुवाद दिवस के इतिहास को समझने की करें तो,30 सितंबर को अनुवाद दिवस मनाने की परंपरा सेंट जेरोम के सम्मान में शुरू हुई थी, जिन्हें बाइबिल का लैटिन भाषा में अनुवादक माना जाता है। लेकिन इसे आधिकारिक मान्यता 2017 में मिली, जब संयुक्त राष्ट्र महासभा ने ए/आरईएस/71/ 288 प्रस्ताव पारित कर 30 सितंबर को आधिकारिक ह्लअंतर्राष्ट्रीय अनुवाद दिवसह्व घोषित किया। यह प्रस्ताव सभी पेशेवर अनुवादकों, दुभाषियों और शब्दावलीविदों की मेहनत को वैश्विक स्तर पर मान्यता देने की दिशा में ऐतिहासिक मील का पत्थर था।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि अंतर्राष्ट्रीय अनुवाद दिवस केवल अनुवादकों को सम्मानित करने का अवसर नहीं है, बल्कि यह दिन हमें यह याद दिलाता है कि यदि भाषाओं के बीच सेतु न बने होते, तो मानव सभ्यता कभी भी वैश्विक नहीं बन पाती।अनुवादकों ने न केवल विचारों का आदान-प्रदान संभव बनाया है, बल्कि उन्होंने शांति, सहयोग और विकास की राह भी प्रशस्त की है। 2025 में जब विश्व ह्लशांति और विश्वासह्व का वर्ष मना रहा है, तो यह और भी आवश्यक हो जाता है कि हम उन अनुवादकों को सम्मान दें, जो हर दिन अपनी निष्ठा और परिश्रम से दुनिया को जोड़ने का कार्य करते हैं।

(-संकलनकर्ता लेखक - कर विशेषज्ञ स्तंभकार साहित्यकार अंतरराष्ट्रीय लेखक चिंतक कवि संगीत माध्यमा सीए(एटीसी) एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र )

# काला शनिवार : तमिलनाडु भगदड़ हादसा भगदड़ से मौतों का जिम्मेवार कौन एक यक्ष प्रश्न?

नरेंद्र भारती

**सरकार को इन हादसों पर संज्ञान लेना चाहिए तथा दोषियो के खिलाफ कारवाई करनी चाहिए और प्रत्येक मंदिरों व आस्था स्थलों में आपदा से निपटने के लिए आपदा प्रबंधन समितियां गठित करनी चाहिए। मंदिरो में हर वर्ष करोडो. रूपया चढावा चढता है मगर श्रध्दालूओं की सुरक्षा रामभरोसे ही चल रही है। मंदिर कमेटियो को भी इन हादसो से सीख लेनी चाहिए। ताकि आने वाले समय में इन हृदयविदारक हादसो को रोका जा सके। अगर अब भी सबक न सीखा तो श्रध्दालूओं को मंदिरों में मौत की सौगातें मिलती रहेगी और आस्था स्थल शमशानघाट बनते रहेगें।**

एक बार फिर लाशों के ढेर लग गए शनिवार 27 सितम्बर को तमिलनाडु के करूर में तमिल एक्टर विजय की रैली में भगदड मचने से 39 लोगों की मौत हो गई और 50 लोग घायल हो गए’ 17 महिलओं की मौत हो गई है’मरने वालों में बच्चे भी शामिल हैं’ मौत के आंकड़े बढ़ सकते हैं’ करूर के जिस मैदान में यह हादसा हुआ है वहाँ केवल.10000 लोगों की क्षमता है लेकिन यहां लगभग 30000 से अधिक लोग मौजूद थे’ भगदड़ मचने से ज्यादातर मोटे हुई हैं मौत का कारण दम घुटना ही माना जा रहा है’ चारों तरफ लाशों का अंबार लग गया’ पल भर में जीते जागते लोग लाशों में तब्दील हो गए यह बहुत ही भयानक मंजर था’ सरकार ने मृतकों के लिए दस दस लाख मुआवजे का ऐलान कर दिया है’ गत 27 जुलाई 2025 रविवार को हरिद्वार के प्रसिद्ध मनसा देवी मंदिर में करंट फैलने की अफवाह फैलने से दर्जनों श्रद्धांलुओं की मौत हो गईं थी और 50 के लगभग घायल हो गए थे’ मनसा देवी मंदिर के पैदल मार्ग पर यह हादसा हुआ’ मंदिर से करीब सौ मीटर पहले सीढीओं पर यह भगदड़ का खौफनाक मंजर हुआ था’यहां करीब दस हजार लोग मौजूद थे भीड़ बहुत थी’ 29 जून 2025 को पुरी में रथ यात्रा के दौरान भगदड़ मचने से तीन लोगों की मौत हो गईं थी और काफी लोग घायल हुए थे’ 8 जनवरी 2025 को तिरुपति में भगदड़ मचने से 6 लोगों की मौत हो गईं थी और बहुत लोग घायल हो गए हैं’ 2 जुलाई 2024 को उत्तर प्रदेश के हाथरस में एक सत्संग में भगदड़ मचने से 121 लोगों की दर्दनाक मौत हो गईं थी और सेकड़ों लोग गंभीर रूप से घायल हो गए थे’ मई माह में गोवा के शिरगांव में यात्रा के दौरान बिजली का तार गिरने से भगदड़ मचने से 7 लोगों की मौत हो गई थी और 50 लोग घायल हो गए थे’ भगदड़ के मामले बढ़ते ही जा रहे हैं’ कुछ माह पहले दिल्ली में भगदड़ मचने से रेलवे स्टेशन शमशानघाट बन गया था दिल्ली रेलवे स्टेशन पर भीड़ में भगदड़ मचने से काफी लोग मारे गए थे अब गोवा में एक बार फिर लाशों के ढेर लग गए चारों तरफ लाशें ही लाशें बिखर गईं’ रेलवे स्टेशन से यह लोग महाकुम्भ जा रहे 18 लोगों की मौत हो गई थी’ देश में भगदड़ की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं और बेकसूर लोग बेमौत मर रहे हैं 15 फरवरी शनिवार देर रात नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर भगदड़ मचने से 18 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई थी’ अभी कुम्भ की घटना की स्याही भी नहीं सुखी थी की दिल्ली में यह हादसा हो गया कुछ

दिन पहले संगम स्थल पर हुआ था प्रयागराज में कुम्भ मेले में भगदड़ मचने से दर्जनों लोग मारे गए थे और सेकड़ों घायल हो गए थे’ रेलवे स्टेशन पर मची भगदड़ में मरने वालों की संख्या में वृद्धि हो सकती है’ ऐसा हादसा इससे पहले हाथरस में सत्संग में भगदड़ मचने से 120 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई थी’कुछ वर्ष पहले विजयदशमी के दिन रावण दहन के अवसर पर बिहार की राजधानी पटना के गांधी मैदान में देखने को मिला था जहां बिजली का तार टूटने की अफवाह से भगदड़ मचने के कारण33 लोगो की दर्दनाक मौत हो गई थी और 100 से ज्यादा घायल हो गए थे काश प्रशासन ने पिछली घटनाओं से सबक सीखा होता तो यह हादसा न होता। देश में भगदड़ मचने का यह कोई पहला हादसा नहीं है इससे पहले सैंकडों हादसे हो चुके है और हजारों लोग बेमौत मारे जा चुके है मगर यह हादसे कम नहीं हो रहे हैं। इन घटनाओं को हादसा नहीं हत्याऐं कहना गलत नहीं होगा। इस रावण दहन के अवसर पर गांधी मैदान में पांच लाख लोग आए थे लेकिन प्रशासन ने केवल एक ही द्वार खोल रखा था। कुम्भ में भगदड़ के कारण जिन्दा लोग पल भर में लाशों में बदल गए। देश में मंदिरों में मेले व अन्य पर्व अब आस्थास्थल न होकर मरणस्थल बनते जा रहे हैं। कुम्भ में चारों तरफ लाशों के ढेर ही नजर आ रहे थे। लोगों का सामान चारों तरफ बिखरा पडा था। भगदड़ में सैकडों महिलाएं ,बच्चे व बुर्जुग पैरों तले कुचल दिए गए , लोग बदहवाश होकर अपनों को ढूंढ रहे थे।मगर उनके अपने मौत की नीद सो चुके थे।चारों तरफ चप्पलें व जूते नजर आ रहे थे। इसे प्रशासन की लापरवाही की संज्ञा दी जाए तो कोई आतिश्योक्ति नहीं होगी। प्रशासन को पता था कि लाखों की तादाद में लोग व बच्चे आएगें तो सुरक्षा के इंतजाम क्यों नहीं किए गए। सरकार ने भले ही हादसे की न्यायिक जांच के आदेश दे दिए है मगर जो काल का गाल बन गए उसकी भरपाई कैसे होगी। अब प्रशासन मृतकों को लाखो रुपया मंआवजा दे रही है अगर पहले से ही सुरक्षा के इंतजाम किए होते तो यह हादसा रुक सकता था। मुआवजा समस्या का हल नहीं है। सरकारो द्वारा जो पैसा मुआवजे के रुप में दिया जाता है उससे व्यवस्था को सुधारने में लगाया होता तो आज यह नौबत न आती। आकडों पर नजर डाले तो आत्मा सिहर उठती है। 3 फरवरी 1954 को कुम्भ मेले में भगदड़ मचने से 800 लोगों की मौत हुई थी’ 1986 में भी कुम्भ में में भगदड़ मचने से 200 लोग मारे गए थे’2006 में भी सिंध नदी में 50 तीर्थयात्री बह गए थे। 10फरवरी 2013 को इलाहाबाद में कुम्भ मेले 36 लोगों की मौत हुई थी और 39 लोग घायल हुए थे। 26 जनवरी 2005 को महाराष्ट्र के सतारा जिले के मंधेरी मंदिर में 350 लोगों की दर्दनाक मौत हुई थी।नवंबर 2006 में उडीसा के शंदरपुरी स्थित भगवान जगन्नाथ मंदिर में आरती के समय भदड़ में चार लोगों की मौत हो गई थी और दर्जनो घायल हुए थे।झारखंड के देवधर के एक आश्रम में भगदड़ से 9 लोगों की मौत हो गई थी, 30 सितंबर 2008 को जोधपुर में चामुडा देवी मंदिर में 250 लोगों की मोत हुई थी।3 अगस्त 2008 को हिमाचल प्रदेरू के प्रसिध्द शक्तिपीठ नैना देवी में भगदड मचने से 162 लोग मारे गए थे तथा 300 घायल हुए थे। घटना के समय मंदिर में 20 से 25 हजार लोग मौजूद थे। मरने वालों में 104 लोग अकेले पंजाब के रहने वाले थे। 14 जनवरी 2011 को केरल के सबरीमाला मंदिर में भगदड़ में 106 श्रध्दालूओं की मौत हो गई थी और 100 से अधिक घायल हो गए थे। नंवबर 2012 में बिहार में छठ पुजा के दौरान गंगा नदी के घाट पर बना बांस का पुल टुटने से लोगों में भगदड़ मचने से 20 श्रध्दालुओं की मौत हो गई थी। बार-बार हादसे हो रहे हैं मगर सरकारें मूकदर्शक बनकर तमाशा देख रही है।प्रशासन तब जागता है जब लाशों के ढेर लग जाते हैं। प्रशासन को इन हादसों को अनदेखा नहीं करना चाहिए। इस घटना ने प्रशासन की बदइंतजामी की पोल खोल दी हैं। इस हादसे में कई अनाथ हो गए तो माताएं व बहनों का सुहाग उजड गया।ऐसे हादसे ताउम्र रोते हुए छोड़ जातें है। छोटे बच्चे दर-दर की ठोकरें खातें हैं। केन्द्र सरकार को इन हादसों पर संज्ञान लेना चाहिए तथा दोषियो के खिलाफ कारवाई करनी चाहिए और प्रत्येक मंदिरों व आस्था स्थलों में आपदा से निपटने के लिए आपदा प्रबंधन समितियां गठित करनी चाहिए। मंदिरो में हर वर्ष करोडो. रूपया चढावा चढता है मगर श्रध्दालूओं की सुरक्षा रामभरोसे ही चल रही है। मंदिर कमेटियो को भी इन हादसो से सीख लेनी चाहिए। ताकि आने वाले समय में इन हृदयविदारक हादसो को रोका जा सके। अगर अब भी सबक न सीखा तो श्रध्दालूओं को मंदिरों में मौत की सौगातें मिलती रहेगी और आस्था स्थल शमशानघाट बनते रहेगें। वक़्त अभी संभलने का है’
~~~~~~~~

## संक्षिप्त समाचार

### वाराणसी जाने वाली दो उड़ानें लखनऊ एयरपोर्ट पर कराई गई लैंड, 334 यात्री थे सवार; खराब मौसम बना कारण

**लखनऊ, एजेंसी।** अहमदाबाद व दिल्ली से वाराणसी जा रही दो फ्लाइटें लखनऊ एयरपोर्ट पर लैंड कराई गईं। दोनों विमानों में 334 यात्री सवार थे। खराब मौसम के कारण विमानों को डायवर्ट किया गया। मौसम ठीक होने के बाद उन्हें रवाना किया गया। अहमदाबाद व दिल्ली से वाराणसी जाने वाली दो उड़ानें खराब मौसम के चलते लखनऊ स्थित अमौसी एयरपोर्ट पर डायवर्ट कर दी गईं। विमानों में कुल 334 यात्री थे। मौसम सामान्य होने के बाद विमानों को वाराणसी रवाना किया गया। मामला दो दिन पहले बृहस्पतिवार रात का है। चौधरी चरण सिंह अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर अहमदाबाद से वाराणसी जा रही इंडिगो एयरलाइंस की फ्लाइट संख्या 6ई-6805 की लैंडिंग रात 8:53 बजे की गई। यह उड़ान अहमदाबाद से शाम 6.45 बजे उड़ान भरकर रात 8:35 बजे वाराणसी पहुंचती है। लेकिन, वाराणसी में मौसम खराब होने के कारण विमान की लैंडिंग नहीं करवाई जा सकी। एयर ट्रैफिक कंट्रोलर एटीसी से अनुमति लेने के बाद पायलट ने विमान को लखनऊ डायवर्ट कर दिया, जहां विमान को लैंड करवाया गया। विमान में केबिन क्रू सहित 148 यात्री सवार थे। इसके करीब पंद्रह मिनट बाद दिल्ली से वाराणसी जा रहा इंडिगो एयरलाइंस का विमान 6ई-2235 भी लखनऊ डायवर्ट कर दिया गया। इसे रात 9:10 बजे लखनऊ एयरपोर्ट पर लैंड करवाया गया। इस विमान ने दिल्ली एयरपोर्ट से शाम 6:55 बजे उड़ान भरी, जिसे रात 8.15 बजे वाराणसी में लैंड करना था। लेकिन, खराब मौसम के कारण इसे भी लखनऊ डायवर्ट कर दिया गया। विमान में छह केबिन क्रू के साथ 186 यात्री सवार थे। मौसम सामान्य होने के बाद दोनों विमानों को वाराणसी रवाना किया गया।

### इंटरनेट बंद होने से कारोबार प्रभावित, किराना बाजार से शोरूम तक ऑनलाइन लेनदेन ठप

**बरेली, एजेंसी।** बरेली में शुक्रवार को हुए बवाल के बाद शनिवार दोपहर से रविवार रात 12:30 बजे तक के लिए मोबाइल इंटरनेट और ब्रॉडबैंड सेवा ठप कर दी गई है। इससे कारोबार बुरी तरह प्रभावित हुआ है। बरेली में बवाल के बाद सुरक्षा के मद्देनजर शुक्रवार दोपहर से इंटरनेट सेवा बंद होने के बाद ऑनलाइन कारोबार ठप हो गया। मोबाइल फोन व इंटरनेट बैंकिंग, बिजली बिल, रेलवे टिकट बुकिंग जैसी एप से संचालित ऑनलाइन सरकारी सेवाएं प्रभावित होने से लोगों ने परेशानी का सामना किया। दुकानों पर ऑनलाइन लेनदेन प्रभावित होने से कैश काउंटर पर ग्राहकों को काफी परेशानी रही। एप से लेकर डिजिटल दुनिया के सभी कारोबार ठप रहे तो लोग मोबाइल में सिर्फ सिग्नल देखते रहे। होटल-रेस्टोरेंट संचालक, फूड डिलीवरी पार्टनर भी फूड ऑर्डर का इंतजार करते रहे। इनकी बिक्री 95 फीसदी प्रभावित हुई। जहां डिजिटल पेमेंट की सुविधा थी वहां ग्राहकों को लौटना पड़ा। इंटरनेट सेवा बंद होने का प्रभाव ट्रांसपोर्ट पर भी पड़ा। ई-वे बिल जेनरेट नहीं होने से ट्रकों को लोड नहीं हुए। जिले में करीब पांच सौ से ज्यादा ट्रकों की आवाजाही ठप हो गई। श्यामगंज, कुतुबखाना, कोहाड़ापीर, बड़ा बाजार समेत शहर के सभी प्रमुख बाजार के कारोबारियों को खासी दिक्कत हुई। रेलवे और बस से बरेली आने वाले लोग जिनके पास कैश नहीं था, उन्हें पैदल सफर करना पड़ा। खानपान, जरूरत की सामग्री की खरीद भी नहीं कर सके। विभिन्न कारोबार में ऑनलाइन टेंडर व्यवस्था के चलते लोगों को बरेली जिले की सीमा से बाहर जाना पड़ा। दवा कारोबारी दुर्गेश खटवानी के मुताबिक जरूरतमंद लोगों को भरोसे पर दवाएं दी गईं, क्योंकि उनके पास कैश नहीं था। डिजिटल पेमेंट कर नहीं सके। बताया कि उन्हें एक टेंडर भी डालना था, जिसकी अंतिम तिथि 27 सितंबर थी। इसलिए हल्द्वानी की ओर जाना पड़ा। उद्यमी सलिल बंसल के मुताबिक फैक्टरियों में भी तमाम कार्य इंटरनेट से होते हैं। दोपहर से नेट सेवा बंद होने के बाद काम प्रभावित हुआ।

# राहुल गांधी को भाजपा नेता द्वारा जान से मारने की धमकी पर वाराणसी कांग्रेस में आक्रोश

**वाराणसी।** महानगर कांग्रेस कमेटी ने राघवेंद्र चौबे की अध्यक्षता में राहुल गांधी को धमकी मामले में निंदा प्रस्ताव पारित कर प्रधानमंत्री और गृहमंत्री से कड़ी सुरक्षा की मांग की है।

कहा कि भारतीय राजनीति के लिए गंभीर चिंता का विषय तब खड़ा हो गया जब बीजेपी प्रवक्ता पिंटू महादेव द्वारा कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को जान से मारने की धमकी देने जैसी शर्मनाक टिप्पणी सामने आई। इस मामले ने पूरे देशभर में रोष की लहर पैदा कर दी है।

इसी संदर्भ में महानगर कांग्रेस कमेटी वाराणसी की एक आपात बैठक आयोजित की गई, जिसकी अध्यक्षता महानगर अध्यक्ष राघवेंद्र चौबे ने की। बैठक में सर्वसम्मति से निंदा प्रस्ताव पारित किया गया। इस प्रस्ताव के माध्यम से न केवल इस आपत्तिजनक बयान की कड़ी भर्त्सना की गई बल्कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह से यह मांग की गई कि नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की सुरक्षा को और अधिक चाक-चौबंद किया जाए।

**राघवेंद्र चौबे ने इस अवसर पर कहा**

'राहुल गांधी न केवल कांग्रेस पार्टी के नेता हैं बल्कि आज भारत की जनता की आवाज़ भी हैं। उन पर इस प्रकार की धमकी लोकतांत्रिक मूल्यों पर सीधा हमला है। यह चिंता का विषय इसलिए भी है क्योंकि आज़ादी के बाद से गांधी परिवार के कई सदस्यों पर प्राणघातक हमले हुए हैं। पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी और राजीव गांधी ने देश के लिए अपने प्राण न्यौछावर कर दिए। ऐसे में राहुल गांधी की सुरक्षा सिर्फ कांग्रेस की नहीं बल्कि पूरे देश की जिम्मेदारी है।'

जनता के बीच यह चर्चा है कि जब लोकतंत्र के सबसे बड़े मंच संसद में विपक्ष के नेता को ही खुलेआम धमकी दी जा रही है जो देश के लोकतांत्रिक ढांचे के लिए बेहद खतरनाक संकेत है। कांग्रेस नेताओं का कहना है कि इस मामले में सिर्फ निंदा ही नहीं बल्कि सख्त कार्रवाई भी की जानी चाहिए ताकि लोकतांत्रिक मूल्यों और नेताओं की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

**प्रधानमंत्री और गृहमंत्री को पत्र लिखा जाएगा**

बैठक में यह निर्णय लिया गया कि महानगर कांग्रेस कमेटी वाराणसी, काशी के सांसद और भारत के प्रधानमंत्री को पत्र लिखेगी तथा गृहमंत्री अमित शाह से औपचारिक रूप से यह मांग की जाएगी कि श्री राहुल गांधी की सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक मजबूत और चाक-चौबंद किया जाए।

राघवेंद्र चौबे ने कहा कि 'जब लोकतंत्र में विपक्ष की आवाज़ को ही दबाने की कोशिश की जाएगी और उसे डराने-धमकाने का प्रयास होगा, तो यह देश की आत्मा पर सीधा प्रहार है। प्रधानमंत्री और गृहमंत्री की जिम्मेदारी है कि वे न केवल राहुल गांधी बल्कि हर उस जननेता की सुरक्षा सुनिश्चित करें जो जनता की बात संसद में रखता है।'

**लोकतांत्रिक ढांचे पर सवाल**

इस धमकी को लेकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं और आम जनता के बीच भी गहरी चिंता देखी जा रही है। जनता का कहना है कि यदि देश के सबसे बड़े विपक्षी नेता को खुले मंच पर जान से मारने की धमकी मिल रही है, तो यह लोकतंत्र के स्वास्थ्य के लिए शुभ संकेत नहीं है। कांग्रेस नेताओं का यह भी कहना है कि इस मामले में केवल बयानबाज़ी और निंदा पर्याप्त नहीं होगी बल्कि भाजपा नेतृत्व को अपने प्रवक्ता पर कार्रवाई करनी होगी, ताकि भविष्य में कोई भी व्यक्ति इस तरह की असंवैधानिक और असंस्कारी भाषा का इस्तेमाल करने का साहस न कर सके।

बैठक में राघवेन्द्र चौबे, फसाहत हुसैन बाबू, डॉ. राजेश गुप्ता, सतनाम सिंह, वकील अंसारी, अरुण सोनी, रमजान अली, मयंक चौबे, नरसिंह दास वर्मा, हसन मेंहदी कब्बन, प्रमोद वर्मा, सदानंद तिवारी, पीयूष श्रीवास्तव, अरविन्द कुमार, आशीष केशरी, खालिद सिद्दीकी, मनोज वर्मा मनु, अफसर खां, वंदना जयसवाल, संतोष चौरसिया समेत कई पदाधिकारी उपस्थित रहे।

## शोर-शराबा और आगे जाने की जिद..., इसलिए हुआ लाठीचार्ज; मस्जिद तक पहुंचने के लिए अड़ी थी भीड़

**बरेली, एजेंसी।** बरेली के बिहारीपुर करोलान में लोगों ने कहा कि जो हुआ गलत हुआ। बैरियर पर एकत्र भीड़ नौमहला मस्जिद तक जाने की जिद पर अड़ी थी। पुलिस उनसे अपने-अपने घर जाने की अपील कर रही थी। फिर भीड़ ने शोर-शराबा, नारेबाजी और धक्का-मुक्की शुरू कर दी। इसके बाद पुलिस ने लाठीचार्ज कर दिया।

बरेली के बिहारीपुर करोलान में बवाल के दूसरे दिन शनिवार को आधा-अधूरा बाजार खुला। ग्राहक भी कम रहे। यहां बैठे दुकानदार मीडिया से बात करने से कतराते रहे। बहुत कुरेदने पर बताया कि जो भी हुआ, गलत हुआ। दरअसल ऐसा होता भी नहीं, मगर बैरियर पर एकत्र भीड़ नौमहला मस्जिद तक जाने की जिद पर अड़ी थी। पुलिस उनसे अपने-अपने घर जाने की अपील कर रही थी। फिर भीड़ ने शोर-शराबा, नारेबाजी और धक्का-मुक्की शुरू कर दी। इसके बाद पुलिस ने लाठीचार्ज कर दिया। कुछ राहगीर भी इसकी चपेट में आ गए। अगर दोनों ओर से थोड़ा संयम से काम लिया जाता तो टकराव की स्थिति को टाला जा सकता था।

इस तरह के बवाल से बचना चाहिए। इससे शहर का माहौल खराब होता है। शनिवार को शहर की स्थिति सामान्य तो दिखी, मगर अफवाहों का बाजार गर्म रहा। सामान्य दिनों के मुकाबले शहर की सड़कों पर लोग कम नजर आए। ऑटो व ई-रिक्शा भी कम दिखे। बाजारों में भी चहल-पहल कम रही। दुकानदार ग्राहकों का इंतजार करते रहे। यह स्थित छोटे-बड़े सभी बाजारों में नजर आई।

## दुकानदार ने कई किशोरियों से की दरिंदगी... परिचितों से संबंध बनाने के लिए भी बनाता था दबाव

**बरेली, एजेंसी।** बरेली में कॉस्मेटिक दुकानदार ने कई किशोरियों से हैवानियत की। आरोपी किशोरियों की वीडियो भी बना लेता था। इसके बाद धमकाकर संबंध बनाने का दबाव बनाता था। आरोपी दुष्कर्म करने के बाद वीडियो बनाकर उन्हें ब्लैकमेल करता। वह अपने परिचितों से भी संबंध बनाने का दबाव बनाता था। अब 17 वीडियो वायरल हो गई हैं। बरेली के अलीगंज में कॉस्मेटिक दुकानदार ने कई किशोरियों से दुष्कर्म किया। उनके अश्लील वीडियो भी बनाए। इन वीडियो के जरिये धमकाकर वह संबंध बनाने का दबाव बनाता था। डर की वजह से किशोरियों ने शिकायत नहीं की।

अब आरोपी के मोबाइल फोन से ये वीडियो वायरल हो गए। गांव वालों के मुताबिक कुल 17 वीडियो वायरल हुए हैं। पहचान उजागर होने के कारण पीड़ित किशोरियां भी तनाव में हैं। उनका घर से निकलना मुश्किल हो गया है। परिजन भी परेशान हैं। कुछ पीड़िताओं ने पुलिस से शिकायत भी की है।

मुख्य आरोपी फिलहाल भाग गया है। पुलिस ने आरोपी के भाई व एक दोस्त को हिरासत में लिया है। गांव वालों के मुताबिक, जो वीडियो वायरल हो रहे हैं, आरोपी ने अपनी दुकान के ऊपर वाले हिस्से में बने कमरे में ही उन्हें शूट किया है।

इन वीडियो में दिखने वाली सभी लड़कियां नाबालिग हैं। इनमें से कुछ आरोपी के गांव की ही हैं तो कुछ आस-पास के गांवों से यहां पढ़ने आती हैं। दुकान पर आने के दौरान झांसे में लेकर आरोपी ने उनसे दुष्कर्म किया और खुद ही वीडियो को बनाया। ऐसे में आशंका है कि उसने खुद या उसके ही किसी परिचित ने इन्हें वायरल किया होगा।

## आई लव योगी आदित्यनाथ के बाद आई लव अखिलेश यादव और आई लव पीडीए की लगी होर्डिंग्स

**लखनऊ, एजेंसी।** उत्तर प्रदेश में आई लव मोहम्मद से उठा विवाद अब भाजपा-सपा के बीच होर्डिंग्स वार में बदल चुका है। एक दिन पहले यानी शनिवार को भाजपा नेताओं ने राजधानी की सड़कों पर आई लव योगी आदित्यनाथ और आई लव बुलडोजर लिखी होर्डिंग्स लगाई।

इस पर दिनभर चर्चा चली। अब रविवार की सुबह लखनऊ में सपा नेताओं की होर्डिंग्स दिखाई दे रही हैं। इसमें आई लव अखिलेश यादव, आई लव पीडीए और आई लव शिक्षा, विकास, रोजगार समेत कई स्लोगन लिखे गए हैं। अब होर्डिंग्स सामने आने के बाद राजनीतिक विश्लेषक इसे हमेशा की तरह सपा और भाजपा के बीच एक होर्डिंग्स के जरिये कोल्ड वार मानकर चर्चा कर रहे हैं।

**यहां से हुई शुरुआत :** दरअसल, विवाद की शुरुआत 9 सितंबर को हुई थी, जब कानपुर में बारावफात जुलूस के दौरान सार्वजनिक मार्ग पर आई लव मोहम्मद लिखे पोस्टर लगाए गए। इस पर पुलिस ने नौ नामजद और 15 अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया। मामले ने तूल पकड़ते हुए एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी तक का ध्यान खींचा, जिन्होंने कहा था कि आई लव मोहम्मद कहना कोई अपराध नहीं है। धीरे-धीरे यह विवाद उत्तर प्रदेश के कई जिलों से निकलकर उत्तराखंड और कर्नाटक तक फैल गया, जहां विरोध-प्रदर्शन और पुलिस की सख्ती देखने को मिली।

### होर्डिंग्स-पोस्टर से जवाब देने का तरीका चर्चा में...

पिछले कुछ समय से राजनीतिक पार्टियों का होर्डिंग्स और पोस्टर के माध्यम से एक-दूसरे को जवाब देने का तरीका काफी चर्चा में रहता है। अब सपा के समर्थन में लगी ये होर्डिंग्स सपा लोहिया वाहिनी के राष्ट्रीय सचिव विवेक सिंह यादव और सपा के पूर्व प्रदेश सचिव अबनींद्र यादव की तरफ से लगाई गई हैं।

## बच्ची से दुष्कर्म के आरोपी की महिला पुलिस टीम से मुठभेड़, पैर में लगी गोली, पकड़ा गया

**मुरादाबाद, एजेंसी।** शनिवार की रात दस बजे महिला पुलिस टीम ने मुठभेड़ के बाद उसे गिरफ्तार किया है। आरोपी के पैर में गोली लगी है। पुलिस ने उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

मझोला क्षेत्र में आठ साल की बच्ची से दुष्कर्म के आरोपी शारिक को वर्दीधारी बेटियों ने सबक सिखाया। शनिवार की रात दस बजे महिला पुलिस टीम ने मुठभेड़ के बाद उसे गिरफ्तार किया है। आरोपी के पैर में गोली लगी है। पुलिस ने उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मझोला थाना क्षेत्र क्षेत्र में रहने वाले एक परिवार की आठ वर्षीय बच्ची 20 सितंबर को घर के बाहर खेल रही थी। इसी दौरान ढक्का आसरा कॉलोनी में रहने वाला ई-रिक्शा चालक बच्ची को बहाने से मकान की तीसरी मंजिल पर ले गया। आरोपी ने डरा-धमकाकर बच्ची से दुष्कर्म किया। इसी दौरान बच्ची को तलाशते हुए 13 साल का उसका भाई पहुंच गया। भाई को देखकर आरोपी मौके से भाग गया। कुछ लोग बीच में पड़कर इस मामले को दबाने में जुटे थे। शनिवार शाम करीब पांच बजे बच्ची के पिता ने यूपी 112 पर कॉल कर पुलिस बुला ली। पुलिस ने बच्ची के बयान दर्ज किए। पिता की तहरीर पर केस दर्ज किया। एसएसपी सतपाल अंतिल ने आरोपी की गिरफ्तारी के लिए दरोगा पूजा यादव के नेतृत्व में दरोगा दीपिका मलिक, सिपाही रुकमणी, विशाखा पुंडीर की टीम गठित की।

पुलिस टीम आरोपी की तलाश में जुटी थी। इस दौरान सूचना मिली कि मझोला थाने के सामने मनोहरपुर मार्ग पर आरोपी शारिक मौजूद है। रात करीब दस बजे आरोपी बाइक से आता दिखाई दिया। महिला पुलिस कर्मियों ने उसे रोकने का प्रयास किया तो उसने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। महिला पुलिस कर्मियों ने जवाबी फायरिंग की तो उसके पैर में गोली लगी।

इसके बाद आरोपी मौके पर ही गिर गया। महिला टीम ने उसे दबोच लिया। इसकी जानकारी मिलने पर अधिकारी भी मौके पर पहुंच गए और निरीक्षण किया। घायल शारिक को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। आरोपी ने पूछताछ में बच्ची के साथ दुष्कर्म की बात कबूल की है। सीओ कोतवाली सुनीता दहिया ने बताया कि जिला अस्पताल में घायल को भर्ती कराया गया है।

### सीएम ग्रिड शिलान्यास कार्यक्रम में दिखा राजनीतिक ड्रामा, भाजपा के मंच से सपा विधायक रूमी ने दिया भाषण

**कानपुर, एजेंसी।** सीएम ग्रिड सड़क शिलान्यास के एक कार्यक्रम में सपा विधायक मोहम्मद हसन रूमी का भाजपा के झंडे लगे मंच से भाषण देते हुए वीडियो वायरल हुआ है। विधायक रूमी ने इसे सरकारी कार्यक्रम बताते हुए कहा कि झंडा देखते ही उन्होंने विरोध दर्ज कराकर मंच छोड़ दिया था। कानपुर के चकेरी क्षेत्र में शनिवार को सीएम ग्रिड की सड़क निर्माण के शिलान्यास कार्यक्रम में भाजपा के झंडे वाले मंच से सपा के छावनी विधायक मोहम्मद हसन रूमी का भाषण देते वीडियो वायरल हुआ है। वायरल वीडियो में दिख रहा है कि मंच पर विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना और महापौर प्रमिला पांडेय बैठी हैं। मंच पर लगे माइक के सामने भाजपा का झंडा लगा हुआ है और विधायक अपना भाषण दे रहे हैं। भाषण में उन्होंने मॉडल सड़क बनने और इसके लिए विधायक सतीश महाना का भी योगदान होने की बात कही। वीडियो वायरल होते ही शहर के राजनीतिक हलकों में तरह-तरह की चर्चाएं होने लगीं।

इस संबंध में सपा विधायक रूमी ने कहा कि यह सीएम ग्रिड योजना के तहत बनने वाली सड़क के शिलान्यास का सरकारी कार्यक्रम था। यह सड़क सतीश महाना और उनके क्षेत्र डिफेंस कॉलोनी और केडीए कॉलोनी के बीच बन रही है। सड़क को स्वीकृत कराने में उनका भी योगदान है। वह एक सरकारी कार्यक्रम में जनप्रतिनिधि होने के कारण गए थे।

# आई लव मोहम्मद को लेकर अलर्ट, खुराफातियों पर नजर, आई लव योगी आदित्यनाथ के दिखाए पोस्टर

**अलीगढ़, एजेंसी।** अकराबाद कस्बे की धौरी वाली गली में 26 सितंबर को लगे आई लव मोहम्मद के पोस्टरों के बाद 27 सितंबर को कुछ युवाओं ने कस्बे के बाजार में आई लव योगी आदित्यनाथ के पोस्टर दिखाए। उन्होंने कहा कि राजनीतिक दलों से ऊपर उठकर वह योगी आदित्यनाथ का समर्थन व्यक्तिगत रूप से कर रहे हैं। 'आई लव मोहम्मद' को लेकर 26 सितंबर को बरेली में हुए घटनाक्रम के बाद प्रदेश भर में प्रतिक्रिया भी शुरू होने लगी है। इसके चलते प्रदेश के सांप्रदायिक शहरों में अलर्ट जारी किया गया है। इसी क्रम में अपने शहर में भी पुलिस सतर्कता बरत रही है। शनिवार को भी पुलिस ने पुराने शहर में विशेष सतर्कता बरती व खुराफातियों व अफवाह उड़ाने वालों पर नजर रखी जा रही है। साथ में फ्लैगमार्च भी किया गया।

कानपुर में हुए घटनाक्रम के बाद जुमे पर शहर में जुलूस निकालने का प्रयास हुआ था। मगर पुलिस प्रशासन ने जुलूस को रुकवा दिया। इसी बीच बरेली में दोपहर में घटनाक्रम हो गया। इसके बाद से प्रदेश में प्रतिक्रिया सामने आने लगी है। इसके चलते सभी संवेदनशील शहरों में अलर्ट जारी किया गया है। शनिवार को अपने शहर में भी सर्किल वार सतर्कता बरती गई। सभी संवेदनशील व मिश्रित आबादी वाले इलाकों में फ्लैग मार्च किया गया। साथ में धर्मगुरुओं से अधिकारियों द्वारा लगातार संवाद किया जा रहा है। खुराफात करने व अफवाह उड़ाने वालों पर विशेष नजर रखी जा रही है। एसएसपी नीरज जादौन कहते हैं कि लोगों से लगातार संवाद जारी है। किसी को कानून हाथ में नहीं लेने दिया जाएगा। हमारी टीमें सक्रिय हैं।

अकराबाद कस्बे की धौरी वाली गली में 26 सितंबर को लगे आई लव मोहम्मद के पोस्टरों के बाद 27 सितंबर को कुछ युवाओं ने कस्बे के बाजार में आई लव योगी आदित्यनाथ के पोस्टर दिखाए। उन्होंने कहा कि राजनीतिक दलों से ऊपर उठकर वह योगी आदित्यनाथ का समर्थन व्यक्तिगत रूप से कर रहे हैं। पोस्टर दिखाने वालों में विशाल शर्मा, प्रशांत कुमार, शिवम कुमार, लालू पंडित, सतेंद्र तेवतिया, मनीष कुमार, अभय कुमार आदि थे।

**डांडिया नाइट में संदिग्धों के घुसने का मचा शोर**

महानगर के धर्मपुर कोर्टयार्ड में शनिवार को डांडिया नाइट का आयोजन किया गया। इसी बीच वहां कुछ लोगों ने पहुंचकर संदिग्धों के प्रवेश का शोर मचा दिया। यह खबर पुलिस को भी दे दी। हालांकि आयोजकों के स्तर से माइक से संदिग्धों के बाहर जाने का एनाउंस किया गया। वहां पुलिस भी रही।

# भारतीय परिवारों की संपत्ति 2024 बीते 8 वर्षों में सबसे तेजी से बढ़ी: रिपोर्ट

## पिछले दो दशकों में भारत की प्रति व्यक्ति वित्तीय संपत्ति पांच गुना बढ़ी

**नई दिल्ली**

एलियांज ग्लोबल वेल्थ रिपोर्ट 2025 के अनुसार वर्ष 2024 में भारतीय परिवारों की वित्तीय संपत्ति में 14.5 फीसदी की तेज़ वृद्धि दर्ज की गई, जो पिछले आठ वर्षों में सबसे अधिक है। यह उभरते हुए मध्यम वर्ग की आर्थिक शक्ति और बढ़ती निवेश प्रवृत्ति को दर्शाता है। रिपोर्ट के अनुसार पिछले दो दशकों में भारत की प्रति व्यक्ति वित्तीय संपत्ति पांच गुना बढ़ी है। इस दौरान भारत ने अन्य सभी उभरती अर्थव्यवस्थाओं से बेहतर प्रदर्शन किया। वित्तीय संपत्तियों में सबसे ज्यादा वृद्धि प्रतिभूतियों (28.7) में हुई, इसके बाद बीमा और पेंशन (19.7 फीसदी) और बैंक डिपॉजिट (8.7 फीसदी) का स्थान रहा। हालांकि, भारतीय परिवारों के पोर्टफोलियो में अब भी 54 फीसदी हिस्सा बैंक डिपॉजिट का है, जो देश में मजबूत बचत संस्कृति को दर्शाता है। मुद्रास्फीति समायोजित वृद्धि दर 9.4 फीसदी रही, जिससे महामारी के बाद भारत की क्रय शक्ति 40 फीसदी बढ़कर महामारी-पूर्व स्तर से ऊपर चली गई, जबकि पश्चिमी यूरोप में यह अब भी 2.4 फीसदी नीचे है। 2024 में प्रति भारतीय नेट फाइनेंशियल एसेट्स 2,818 डॉलर पर पहुंच गईं, जो पिछले साल की तुलना में 15.6 फीसदी अधिक हैं। हालांकि, देनदारी भी बढ़ी है, 12.1 फीसदी की दर से, जिससे कर्ज जीडीपी के 41

फीसदी तक पहुंच गया है। वैश्विक स्तर पर अमेरिका ने अकेले 2024 में वैश्विक वित्तीय संपत्ति वृद्धि का 50 फीसदी योगदान दिया, जबकि चीन और पश्चिमी यूरोप क्रमशः 20 और 12 फीसदी के साथ पीछे रहे।

# भारत का दूध उत्पादन 240 मिलियन टन पहुंचा, दुनिया में नंबर वन पर

**देश में 303.76 मिलियन गोजातीय पशु जिनमें गाय, भैंस, मिथुन और याक**

**नई दिल्ली**

भारत वैश्विक दूध उत्पादन में शीर्ष स्थान पर है और वित्त वर्ष 2023-24 में उत्पादन बढ़कर 239.30 मिलियन टन हो गया। आंकड़ों के मुताबिक उत्पादन और संग्रहण में महिलाओं की अहम भूमिका होती है, जो डेयरी को समावेशी विकास का एक सशक्त वाहक बनाता है। पिछले एक दशक में भारत के डेयरी क्षेत्र ने मजबूत वृद्धि दर्ज की गई है और उत्पादन 63.56 फीसदी बढ़ा है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक दूध उत्पादन 2014-15 में 146.30 मिलियन टन था। इसका मतलब है कि देश ने पिछले 10 सालों में 5.7 फीसदी की प्रभावशाली वार्षिक वृद्धि दर बनाए रखी है। खाद्य एवं कृषि संगठन के आंकड़े इस बात की पुष्टि करते हैं कि भारत दुनिया का सबसे बड़ा दूध उत्पादक बना हुआ है, जो संयुक्त राज्य अमेरिका, पाकिस्तान, चीन और ब्राजील जैसे देशों से कहीं आगे है। पिछले एक दशक में भारत में हरेक व्यक्ति के लिए दूध की उपलब्धता में तेजी से वृद्धि हुई है। प्रति व्यक्ति आपूर्ति में 48 फीसदी की वृद्धि हुई है, जो 2023-24 में 471 ग्राम/व्यक्ति प्रतिदिन से भी ज्यादा हो गई है। यह विश्व औसत करीब 322 ग्राम/व्यक्ति प्रतिदिन से कहीं ज्यादा है। बयान में कहा गया कि देश में 303.76 मिलियन गोजातीय पशु हैं जिनमें गाय, भैंस, मिथुन और याक शामिल हैं। यह डेयरी उत्पादन और कृषि में भार वहन क्षमता दोनों की रीढ़ है। शुष्क और अर्ध-शुष्क क्षेत्रों में दूध उत्पादन में 74.26 मिलियन की आबादी वाली भेड़ें और 148.88 मिलियन बकरियां भी अहम भूमिका निभाती हैं। 2014 और 2022 के बीच भारत ने गोजातीय पशुओं की उत्पादकता में 27.39 फीसदी की वृद्धि दर्ज की, जो दुनिया में सबसे ज्यादा है। यह वृद्धि वैश्विक औसत वृद्धि 13.97 फीसदी से कहीं ज्यादा है। भारत में सहकारी डेयरी क्षेत्र व्यापक और सुव्यवस्थित है। शामिल हैं। कुल मिलाकर ये करीब 2.35 लाख गांवों को कवर करते हैं और 1.72 करोड़ डेयरी किसान इनके सदस्य हैं।

# मोबाइल नंबर पोर्टेबिलिटी की तर्ज पर

**अब आप बदल सकते है गैस कंपनी**

**नई दिल्ली**

आने वाले दिनों में मोबाइल नंबर पोर्टेबिलिटी की तर्ज में गैस कंपनी को बदलने की सुविधा मिल सकती है।

उदाहरण के लिए अगर आपका कनेक्शन इंडेन में है और आप उससे संतुष्ट नहीं हैं, तब आप भारत गैस या एचपी गैस में जा सकते हैं, वहां भी बिना किसी नए कनेक्शन के ऐसा कर सकते है। दरअसल पेट्रोलियम और नेचुरल गैस रेगुलेटरी बोर्ड (पीएनजीआरबी) ने इसके लिए नया एलपीजी इंटरऑपरेबिलिटी फ्रेमवर्क तैयार कर उपभोक्ताओं, डीलरों व अन्य स्टेकहोल्डर्स से सुझाव मांगे हैं।

देश में अब तक 32 करोड़ से ज्यादा घरों तक एलपीजी कनेक्शन पहुंच चुका है। इसके बावजूद हर साल करीब 17 लाख शिकायतें गैस एजेंसियों को लेकर दर्ज होती हैं। इसमें सबसे आम परेशानी है रीफिल में देरी और सप्लाई में बाधा की होती है। कई जगह स्थानीय डीलर ऑपरेशन बंद कर देते हैं या हफ्तों तक सिलेंडर नहीं पहुंचता, इससे उपभोक्ताओं को बड़ी परेशानी होती है। अभी तक व्यवस्था यह थी कि उपभोक्ता अपनी गैस कंपनी नहीं बदल सकता था। इंडेन के ग्राहक सिर्फ इंडेन डीलर बदल सकते थे, लेकिन भारत या एचपी गैस में शिफ्ट नहीं हो सकते थे।

यही नियम सबसे बड़ी बाधा बनता था। अब नई व्यवस्था आने पर ग्राहक को ज्यादा विकल्प और बेहतर सेवा मिलेगी।

साल 2013 में यूपीए सरकार ने 24 जिलों में एलपीजी कनेक्शन पोर्टेबिलिटी की पायलट योजना चलाई थी। जनवरी 2014 में बढ़ाकर 480 जिलों तक कर दिया गया।

लेकिन उस समय पोर्टेबिलिटी सिर्फ एक ही कंपनी के अलग-अलग डीलरों के बीच सीमित थी। उपभोक्ता कंपनी नहीं बदल सकता था। इसकारण योजना का असर बहुत सीमित रहा और उपभोक्ता की परेशानी जस की तस बनी रही। लेकिन अब पीएनजीआरबी सीधे कंपनी बदलने की अनुमति देता है।

यानी अगर किसी इलाके में इंडेन की सप्लाई अटक रही है, तब उपभोक्ता भारत या एचपी गैस से सिलेंडर ले सकेगा। यह सुविधा खासतौर पर उन उपभोक्ताओं के लिए राहत भरी होगी, जिन्हें बार-बार डिलीवरी में देरी झेलनी पड़ती है। रेगुलेटर का मानना है।

# हुंडई कंपनी की कई नई हाइब्रिड एसयूवी लॉन्च करने की योजना

**नईदिल्ली**

हुंडई कंपनी आने वाले वर्षों में कई नई हाइब्रिड एसयूवी लॉन्च करने की योजना बना रही है। इन वाहनों में न सिर्फ दमदार इंजन और आकर्षक डिजाइन मिलेगा, बल्कि हाइब्रिड तकनीक के जरिए ज्यादा माइलेज और बेहतर परफॉर्मेंस का अनुभव भी उपभोक्ताओं को मिलेगा। इनमें नेक्स्ट जनरेशन हुंडई क्रेटा, एक बिल्कुल नई तीन-रो एसयूवी और ग्लोबली पॉपुलर पैलिसेड शामिल हैं। सबसे पहले बात करते हैं हुंडई की बेस्ट-सेलिंग एसयूवी क्रेटा की। कंपनी 2027 तक क्रेटा का नया अवतार पेश करेगी। इसे नए प्लेटफॉर्म और नए डिजाइन के साथ लाया जाएगा। इसमें 1.5-लीटर पेट्रोल, डीजल और टर्बो-पेट्रोल इंजन का विकल्प मिलेगा। खास बात यह है कि इसके साथ हाइब्रिड वर्जन भी उतारा जाएगा। इतना ही नहीं, हुंडई अपडेटेड क्रेटा ईवी पर भी काम कर रही है, जिससे ग्राहकों के पास और ज्यादा विकल्प होंगे। दूसरा मॉडल है कोडनेम एनआई1आई, जो एक नई 3-रो एसयूवी होगी। इसे भारतीय बाजार में 2027 तक लॉन्च किया जा सकता है। इसे अल्काजार और ट्यूसॉन के बीच पोजिशन किया जाएगा। रिपोर्ट्स के मुताबिक इस एसयूवी में 1.5-लीटर पेट्रोल इंजन हाइब्रिड सेटअप के साथ उपलब्ध कराया जाएगा। इस मॉडल का प्रोडक्शन हुंडई के नए तालेगांव प्लांट में किया जाएगा, जिससे कंपनी की उत्पादन क्षमता और मजबूत होगी। तीसरा और सबसे प्रीमियम मॉडल होगा हुंडई पैलिसेड, जिसे कंपनी भारतीय बाजार में लाने पर गंभीरता से विचार कर रही है। इसमें 2.5-लीटर टर्बो-पेट्रोल इंजन और इलेक्ट्रिक मोटर का कॉम्बिनेशन मिलेगा, जो 334बीएचपी पावर और 460 एनएम टॉर्क जनरेट करेगा। कंपनी का दावा है कि यह एसयूवी लगभग 14केएमपीएल का माइलेज दे सकती है। इसकी लॉन्चिंग 2028 तक संभव मानी जा रही है।

# भारत ग्रीन हाइड्रोजन में बन रहा वैश्विक नेतृत्व

## 2030 तक 50 लाख टन उत्पादन का लक्ष्य

**नई दिल्ली**

एसएंडपी ग्लोबल की एक रिपोर्ट के अनुसार भारत ग्रीन हाइड्रोजन इंडस्ट्री में दुनिया के अग्रणी देशों में से एक बन रहा है। देश में लो-कॉस्ट हाइड्रोजन उत्पादन की क्षमता इसके प्रतिस्पर्धियों के बीच शुरुआती गति बनाए रखने और ऑफटेक समझौतों को सुरक्षित करने पर निर्भर करती है। भारत के पास ग्रीन हाइड्रोजन क्षेत्र के विकास के लिए आवश्यक मजबूत संसाधन और तकनीकी आधार मौजूद है। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 4 जनवरी 2023 को नेशनल ग्रीन हाइड्रोजन मिशन को 19,744 करोड़ रुपये के बजट के साथ मंजूरी दी है। इस मिशन का उद्देश्य भारत को 2030 तक वार्षिक 50 लाख मीट्रिक टन हाइड्रोजन उत्पादन और वैश्विक व्यापार में 10 प्रतिशत हिस्सेदारी हासिल करने वाला वैश्विक केंद्र बनाना है। इसके साथ ही सरकार ने हाइड्रोजन इनोवेशन को बढ़ावा देने के लिए स्टार्टअप्स को 100 करोड़ रुपये का फंड आवंटित किया है, जिसमें प्रति प्रोजेक्ट 5 करोड़ रुपये तक की सहायता दी जाएगी। 26 सितंबर को केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने भारत के पहले हाइड्रोजन राजमार्गों का शुभारंभ किया, जिससे लंबी दूरी के हाइड्रोजन-चालित माल परिवहन को बढ़ावा मिलेगा। इसके तहत राष्ट्रीय राजमार्गों पर हाइड्रोजन ईंधन स्टेशन स्थापित किए जा रहे हैं। भारत की भौगोलिक स्थिति यूरोप, जापान और दक्षिण कोरिया जैसे देशों को हाइड्रोजन निर्यात के लिहाज से लाभदायक है। भारत ग्रीन हाइड्रोजन के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता और वैश्विक प्रतिस्पर्धा के नए आयाम स्थापित करने की दिशा में अग्रसर है।

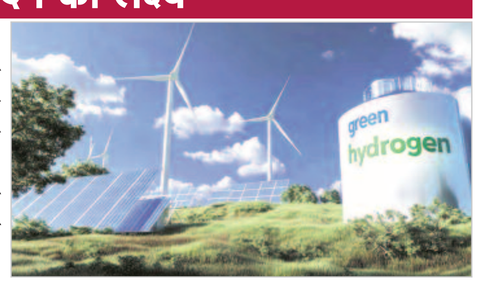


# सेबी के क्लीन चिट से अडानी ग्रुप के शेयरों में आया जोरदार उछाल

**नई दिल्ली** सेबी ने 22 सितंबर को स्पष्ट किया कि अडानी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन लिमिटेड और अडानी पावर ने किसी भी नियम का उल्लंघन नहीं किया है। यह फैसला जनवरी 2023 में आई हिन्डनबर्ग रिसर्च की रिपोर्ट के आरोपों को पूरी तरह से खारिज करता है। सेबी की इस क्लीन चिट के बाद निवेशकों का भरोसा मजबूत हुआ और अडानी ग्रुप के शेयरों में तेज उछाल देखने को मिला। अडानी पोर्ट्स का शेयर 4.2 प्रतिशत बढ़कर 1470 रुपये पर पहुंच गया, जबकि अडानी पावर 3.8 प्रतिशत की तेजी के साथ 690 रुपये पर बंद हुआ। अडानी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडानी ने सेबी के फैसले को स्वागतयोग्य बताया। उन्होंने कहा कि हिन्डनबर्ग की रिपोर्ट पूरी तरह झूठी और प्रेरित थी, जिसने निवेशकों को भारी नुकसान पहुंचाया। सेबी की क्लीन चिट से अब निवेशकों का विश्वास वापस आ रहा है और ग्रुप की साख में सुधार हुआ है। मार्केट एक्सपर्ट्स की दृष्टि इस समय अडानी ग्रीन एनर्जी पर है। शुक्रवार को इसका शेयर 1047 रुपये पर बंद हुआ। तकनीकी विश्लेषण के अनुसार, 900 रुपये का स्तर मजबूत सपोर्ट है और हाल ही में 1020 रुपये से ब्रेकआउट के बाद इसमें तेजी की संभावना बनी है।

# रिलायंस पावर इंडोनेशिया की कई अनुषंगी कंपनियों की हिस्सेदारी बेचेगी

**नई दिल्ली** रिलायंस पावर ने कहा कि वह अपनी इंडोनेशिया की कई अनुषंगी कंपनियों की अनुषंगियों की 100 प्रतिशत हिस्सेदारी सिंगापुर की बायोट्रस्टर प्राइवेट लिमिटेड को करीब 1.2 करोड़ डॉलर में बेचने पर विचार कर रही है। इस संबंध में रिलायंस पावर नीदरलैंड बी.वी., रिलायंस नेचुरल रिसोर्सेज (सिंगापुर) प्राइवेट लिमिटेड और बायोट्रस्टर (सिंगापुर) प्राइवेट लिमिटेड के बीच शेयर खरीद समझौते पर हस्ताक्षर किए गए हैं। रिलायंस पावर ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि कंपनी पीटी अवनीश कोल रिसोर्सेज, पीटी हेरम्बा कोल रिसोर्सेज, पीटी सुमुखा कोल सर्विसेज, पीटी ब्रायन बिंटांग तिगा एनर्जी और पीटी श्रीविजय बिंटांग तिगा एनर्जी में 100 प्रतिशत शेयरधारिता बेचेगी। ये लेनदेन कुछ पूर्व शर्तों एवं अन्य प्रथागत नियमों के अधीन होगा। समझौते के समापन पर करीब 1.2 करोड़ अमेरिकी डॉलर हासिल होंगे।

# एलआईसी को पहले ही दिन मिला 1,100 करोड़ का प्रीमियम इनफ्लो

**जीवन बीमा पॉलिसियों पर टैक्स शून्य होने से ग्राहकों में उत्साह, बिक्री में तेजी की उम्मीद**

**मुंबई** केंद्र सरकार द्वारा हाल ही में जीएसटी में किए गए सुधारों का असर बीमा उद्योग में तुरंत दिखने लगा है। सरकारी बीमा कंपनी लाइफ इंश्योरेंस कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एलआईसी) को जीएसटी हटने के पहले ही दिन 1,100 करोड़ रुपए का प्रीमियम इनफ्लो मिला है। यह आंकड़ा एलआईसी की औसत मासिक आय (5,000 करोड़ रुपए) का एक बड़ा हिस्सा है, जो उपभोक्ताओं के बीच सकारात्मक भावना को दर्शाता है। नई नीति के तहत अब स्वास्थ्य और व्यक्तिगत जीवन बीमा पॉलिसियों पर जीएसटी 18 फीसदी से घटाकर शून्य कर दिया गया है। इससे जीवन बीमा पॉलिसियां पहले से कहीं अधिक किफायती हो गई हैं। उद्योग विशेषज्ञों का मानना है कि इस बदलाव से पॉलिसी की बिक्री में जोरदार वृद्धि देखने को मिलेगी। एलआईसी पहले से ही भारतीय बीमा बाजार में मजबूत स्थिति में है। वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) में कंपनी ने 10,957 करोड़ रुपए का मुनाफा और 1,19,618 करोड़ की शुद्ध प्रीमियम आय दर्ज की। इसके साथ ही एलआईसी की बाजार हिस्सेदारी भी 63.51 फीसदी रही।

# चीन ने भारतीय फार्मा उत्पादों पर लगने वाला आयात शुल्क शून्य किया

**अरबों डॉलर के एक्सपोर्ट का बनेगा रास्ता**

**नई दिल्ली** चीन ने भारतीय फार्मा उत्पादों पर लगने वाला 30 फीसदी आयात शुल्क घटाकर शून्य कर दिया है। यानी कि अब भारतीय कंपनियां चीन को दवाएं बिना किसी कस्टम ड्यूटी के बेच सकेंगी। यह फैसला ऐसे समय लिया गया है कि जब अमेरिका ने भारतीय दवाओं पर 100 फीसदी टैरिफ लगाकर बाजार लगभग बंद कर दिया है। ऐसे में चीन का यह फैसला भारतीय फार्मा सेक्टर के लिए राहत और नए अवसर लेकर आया है। भारत को 'दुनिया की फार्मेसी' कहा जाता है क्योंकि यहां बनी जेनेरिक दवाएं और वैक्सीन सस्ती कीमत पर पूरी दुनिया में सप्लाई होती हैं. हालांकि अब तक चीन का बाजार भारतीय कंपनियों के लिए आसान नहीं था क्योंकि 30 फीसदी ड्यूटी के कारण दवाओं की कीमत बढ़ जाती थी. लेकिन अब शून्य शुल्क के साथ भारतीय कंपनियों को चीन जैसे विशाल बाजार में सीधा मुकाबले का मौका मिलेगा। इससे न सिर्फ एक्सपोर्ट बढ़ेगा बल्कि भारत की वैश्विक हेल्थकेयर सप्लाई चेन में पकड़ और मजबूत होगी। विशेषज्ञों का मानना है कि इस फैसले से भारत-चीन व्यापार संतुलन सुधारने में मदद मिलेगी। अभी तक व्यापार चीन के पक्ष में झुका रहता था, लेकिन फार्मा एक्सपोर्ट से भारत को बड़ा फायदा हो सकता है। उद्योग से जुड़े जानकारों के मुताबिक आने वाले वर्षों में भारतीय दवा निर्यात अरबों डॉलर तक बढ़ सकता है। इसके साथ ही देश में रोजगार के नए अवसर भी पैदा होंगे और कंपनियों की आय में जबरदस्त उछाल देखने को मिलेगा।

# शेयर बाजार गिरावट पर बंद

## सेंसेक्स 61, निफ्टी 20 अंक गिरा

**मुंबई**

भारतीय शेयर बाजार सोमवार को गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही दिन दुनिया भर के बाजारों से मिले जुले संकेतों के साथ ही बिकवाली से बाजार में ये गिरावट आई। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 61.52 अंक करीब 0.08 फीसदी नीचे आकर 80,364.94 बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 20 अंकों के नीचे आकर 24,634 के स्तर पर बंद हुआ। आज केवल सरकारी बैंकिंग शेयरों में तेजी रही। निफ्टी पीएसयू बैंक 1.78 फीसदी, निफ्टी रियल्टी 0.88 फीसदी, निफ्टी एनर्जी 0.69 फीसदी, निफ्टी कमोडिटीज 0.69 फीसदी और निफ्टी मेटल 0.35 फीसदी की बढ़त के साथ बंद हुआ। निफ्टी फार्मा 0.15 फीसदी, निफ्टी मीडिया 0.85 फीसदी और निफ्टी प्राइवेट बैंक 0.29 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुआ। सेंसेक्स पैक में टाइटन, एसबीआइए, ट्रेंट, बीईएल, एनटीपीसी, टाटा स्टील, बजाज फिनसर्व, बजाज फाइनेंस और एमएंडएम के शेयर लाभ में रहे थे। मारुति सुजुकी, एक्सिस बैंक, एलएंडटी, आईसीआईसीआई बैंक, भारती एयरटेल, इन्फोसिस, एचयूएल, एचसीएल टेक और कोटक महिंद्रा बैंक टॉप नुकसान में थे वहीं इससे पहले आज सुबह बाजारों ने हल्की बढत के साथ शुरुआत की। आईटी और रियल्टी शेयरों में खरीदारी से बाजार को सपोर्ट मिला। सुबह सेंसेक्स 100 से ज्यादा अंक चढ़कर 80,588 पर खुला। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी-50 मजबूती के साथ 24,728 पर खुला। हालांकि, कुछ ही देर में बढ़त कम हो गई।

ग्लोबल बाजारों की बात करें तो विदेशी निवेशक ब्रिटेन के मनी सप्लाई डेटा, यूरो एरिया की आर्थिक भावना, और जापान के जेजीबी खरीद कार्यक्रम के आंकड़ों का इंतजार कर रहे हैं। ऑस्ट्रेलिया का रिजर्व बैंक भी आज से अपनी दो दिन की नीति बैठक शुरू कर रहा है। घरेलू मोर्चे पर निवेशक इंडस्ट्रियल प्रोडक्शन और मैन्युफेक्चरिंग डेटा का इंतजार कर रहे हैं। एशियाई बाजारों में सोमवार को मिलेजुले रुख के साथ खुले। ऑस्ट्रेलिया का एसएंडपी, एएसएक्स 200 0.43 फीसदी बढ़ा। दक्षिण कोरिया का कॉपी 1.05 फीसदी बढ़ा। जबकि जापान का इंडेक्स 225 इंडेक्स 0.68 फीसदी गिरा। वहीं अमेरिका के प्रमुख शेयर बाजार शुक्रवार को अमेरिकी मुद्रास्फीति डेटा के लगभग समान रहने के बाद बढ़त के साथ बंद हुए। एसएंडपी 500 इंडेक्स 0.59 फीसदी चढ़कर बंद हुआ। नेस्डैक कंपोजिट 0.44 फीसदी बढ़ा और डॉव जोन्स 0.65 फीसदी ऊपर रहा।

# जनधन खातों की केवाईसी 30 सितंबर तक करें, नहीं तो बंद हो सकता है खाता

**10 साल पुराने खातों के लिए री-केवाईसी अनिवार्य, गांव-गांव में चल रहे हैं कैंप**

**नई दिल्ली** प्रधानमंत्री जन धन योजना (पीएमजेडीवाय) के तहत खोले गए बैंक खातों को अब 10 साल पूरे हो चुके हैं। जिन खातों की शुरुआत 2014-15 में हुई थी, उनके लिए अब री-केवाईसी कराना अनिवार्य हो गया है। सरकार ने इसकी अंतिम तिथि 30 सितंबर तय की है। बिना री-केवाईसी के, ऐसे खाते निष्क्रिय हो सकते हैं, जिससे खाताधारकों को लेन-देन और सरकारी सब्सिडी प्राप्त करने में समस्या आ सकती है। री-केवाईसी प्रक्रिया एकदम आसान है। खाताधारकों को अपनी बैंक शाखा में जाकर पहचान पत्र, पता प्रमाण और फोटो जमा करना होता है। यह प्रक्रिया निःशुल्क है। सरकारी बैंक 1 जुलाई से 30 सितंबर तक ग्राम पंचायत स्तर पर कैंप लगाकर री-केवाईसी करा रहे हैं। अब तक देशभर की एक लाख से अधिक पंचायतों में ऐसे कैंप लग चुके हैं। जन धन योजना के तहत खातों की संख्या तेजी से बढ़ी है। 2015 में जहां 14.72 करोड़ खाते थे, वहीं 2025 तक यह संख्या बढ़कर 56.16 करोड़ तक पहुंचने का अनुमान है। सरकार की अपील है कि जिनका खाता 10 साल पुराना है, वे जल्द से जल्द री-केवाईसी कराएं, ताकि सरकारी लाभों का लाभ बिना बाधा जारी रह सके।

# जीएसटी कटौती के बाद 3000 शिकायतें

**नई दिल्ली** उपभोक्ता मामलों की सचिव निधि खरे का कहना है कि करों में कटौती के बाद से राष्ट्रीय उपभोक्ता हेल्पलाइन को 3000 से अधिक जीएसटी से संबंधित शिकायतें मिली हैं। शिकायतों में खुदरा विक्रेता जीएसटी कटौती का लाभ उपभोक्ताओं को नहीं दे रहे हैं, जिससे धोखाधड़ी की आशंका बढ़ी है। मंत्रालय ने इन शिकायतों को केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) को जांच के लिए भेजा है। साथ ही, शिकायतों की बेहतर निगरानी के लिए कृत्रिम मेधा (एआई) और चैटबॉट तकनीक का उपयोग किया जा रहा है। सरकार का उद्देश्य है कि कर कटौती का पूरा लाभ उपभोक्ताओं तक पहुंचे और बाजार में पारदर्शिता बनी रहे।

# आरबीआई की एमपीसी की तीन दिनी बैठक शुरू

## दिवाली से पहले मिल सकता है सस्ते कर्ज का तोहफा

**मुंबई**

आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की तीन दिन की बैठक सोमवार से मुंबई में शुरू हो गई है। समिति का मुख्य उद्देश्य मौजूदा आर्थिक हालात का आकलन कर रीपो रेट और अन्य पॉलिसी दरों पर निर्णय लेना है। बैठक के दौरान सदस्य बाजार की स्थिति, महंगाई और आर्थिक विकास के दृष्टिकोण पर विचार-विमर्श करेंगे। इसके बाद बुधवार 1 अक्टूबर को सुबह 10 बजे आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा बैठक के फैसले का ऐलान करेंगे। यह निर्णय बाजार और व्यवसायों के लिए महत्वपूर्ण होता है क्योंकि इससे उधारी की लागत और आर्थिक गतिविधियों पर असर पड़ता है। पिछली अगस्त की बैठक में रीपो रेट 5.5 फीसदी पर स्थिर रखा गया था। इससे पहले जून में 50 बेसिस पॉइंट की कटौती और फरवरी-अप्रैल में 25-25 बेसिस पॉइंट की कमी की गई थी। मई 2022 से फरवरी 2023 के बीच रेपो रेट में कुल 250 बेसिस पॉइंट बढ़ोतरी हुई थी। आईक्रा की मुख्य अर्थशास्त्री अदिति नायर के अनुसार, जीएसटी सुधार से अक्टूबर-नवंबर 2025 में महंगाई में गिरावट देखने को मिल सकती है, लेकिन इसके बाद महंगाई का स्तर फिर बढ़ सकता है। नायर का कहना है कि जीएसटी सुधार महंगाई को कम करेगा, लेकिन इससे मांग बढ़ने की संभावना भी है। इस कारण अक्टूबर 2025 की बैठक में रेपो रेट को स्थिर रखने की संभावना अधिक है। सरकार के जीएसटी सुधार के बाद, दिवाली के त्योहार से पहले आरबीआई उपभोक्ताओं को राहत देने के लिए रीपो रेट में कटौती कर सकती है।

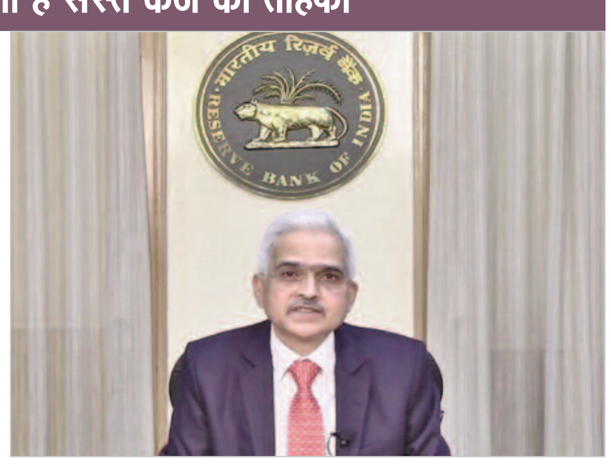


# अक्टूबर में तीन दिन बंद रहेंगे शेयर बाजार

**21 अक्टूबर को दोपहर 1:45 से 2:45 बजे तक होगा एक घंटे का विशेष मुहूर्त ट्रेडिंग सेशन**

**नई दिल्ली** अक्टूबर 2025 में भारतीय शेयर बाजार (बीएसई और एनएसई) तीन प्रमुख अवसरों पर बंद रहेंगे। इस दौरान निवेशक किसी भी तरह की ट्रेडिंग नहीं कर पाएंगे। 2 अक्टूबर गुरुवार को गांधी जयंती और दशहरा के कारण बाजारों में अवकाश रहेगा। 21 अक्टूबर मंगलवार को दिवाली लक्ष्मी पूजन के अवसर पर ट्रेडिंग नहीं होगी। वहीं 22 अक्टूबर बुधवार को बलिप्रतिपदा के चलते बाजार एक और दिन बंद रहेंगे। इन छुट्टियों की पुष्टि बीएसई और एनएसई की आधिकारिक वेबसाइटों पर दी गई जानकारी के अनुसार की गई है। हालांकि, 21 अक्टूबर को दिवाली के दिन एक विशेष ट्रेडिंग सेशन आयोजित किया जाएगा, जिसे मुहूर्त ट्रेडिंग कहा जाता है। यह एक घंटे का ट्रेडिंग सेशन दोपहर 1:45 बजे से 2:45 बजे तक होगा। हर वर्ष यह ट्रेडिंग सेशन एक शुभ मुहूर्त पर आयोजित किया जाता है और इसे हिंदू नव वर्ष विक्रम संवत 2082 की शुरुआत के रूप में माना जाता है। धारणा है कि इस विशेष समय में ट्रेडिंग करने से निवेशकों को सौभाग्य और समृद्धि प्राप्त होती है। इसके अतिरिक्त 5 नवंबर को गुरु नानक जयंती और 25 दिसंबर को क्रिसमस के दिन भी शेयर बाजार बंद रहेंगे।

# अपनी मेजबानी में हमें पहली बार विश्वकप जीतने की उम्मीदें : हरमनप्रीत

**नयी दिल्ली (एजेंसी)।** भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने कहा है कि इस बार उनकी टीम के पास विश्वकप जीतते का अच्छा अवसर है। महिला विश्वकप 30 सितंबर से शुरु होगा। इसकी मेजबान भारत कर रह है पर इसके कुछ मुकाबले श्रीलंका में भी होंगे। के हरमनप्रीत का कहना है कि उनकी टीम मेजबान होने के कारण घरेलू मैदानों पर अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर सकती है। हरमनप्रीत ने कहा, भारतीय टीम की कप्तानी करना भी उसके लिए सम्मान और गर्व की बात है। साथ ही कहा कि उनकी टीम पहली बार ये ट्रॉफी जीतने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेगी। उन्होंने कहा, विश्व कप की तैयारी काफी अच्छी रही है। टीम की सभी खिलाड़िों ने काफी अभ्यास किया है और वह काफी अच्छे फार्म में हैं। इससे हमारी ट्रॉफी जीतने की उम्मीदें बढ़ी हैं। अब से विश्व कप जीतना चाहते हैं। साथ ही कहा कि विश्वकप हर बार की तरह ही कठिन रहेगा पर हमें अपनी टीम के खेल कौशल के आधार पर जीत की उम्मीद है। घरेलू और बाहरी मैदानों पर हाल के समय में टीम ने जिस प्रकार की सफलता हासिल की है उससे भी वह उत्साहित है। हम विश्व कप में भी इसी लय को बनाये रखने के लिए उतरेंगे।

हरमनप्रीत ने लिखा, ÷हमारी विश्व कप टीम में युवा और अनुभवी सहित सभी विभागों में पारंगत खिलाड़ी हैं। टीम में उपकप्तान स्मृति मंधाना से लेकर जेमिमा रोड्रिग्स, हरलीन देओल, प्रतीका रावल, ऋचा घोष और उमा छेत्री जैसी बल्लेबाज। वहीं रेणुका सिंह ठाकुर और अरुंधति रेड्डी के अलावा क्रांति गौड़, एन श्री चरणी और राधा यादव जैसी गेंदबाज हैं। इसके अलावा, दीप्ति शर्मा, स्नेह राणा और अमनजोत कौर जैसी ऑलराउंडर भी हैं।÷ साथ ही कहा कि घरेलू मैदानों में ये मुकाबले होने से टीम को दर्शकों का भी पूरा समर्थन मिलेगा। ऐसे में भारतीय टीम का प्रयास पहली बार विश्वकप जीतना रहेगा। भारतीय टीम अब तक दो बार विश्वकप के फाइनल में पहुंची है पर दोनो ही बार खिताब नहीं जीत पायी।

# बोपन्ना, युजुकी शीर्ष वरीयता प्राप्त जोड़ी को हराकर जापान ओपन के फाइनल में

तोक्यो। भारत के अनुभवी टेनिस खिलाड़ी रोहन बोपन्ना और जापान के उनके जोड़ीदार ताकेरू युजुकी ने सत्र का अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए सोमवार को सेमीफाइनल में शीर्ष वरीयता प्राप्त क्रिश्चियन हैरिसन और इवान किंग की अमेरिका की जोड़ी को बेहद रोमांचक मैच में हराकर खिताबी मुकाबले का टिकट पक्का किया। बोपन्ना और युजुकी ने धैर्य दिखाते हुए हैरिसन और किंग को 4-6, 6-3, 18-16 से हराया बोपन्ना और युजुकी ने पहला सेट गंवाने के बाद दूसरे सेट में जोरदार वापसी की और फिर मैराथन सुपर टाई-ब्रेक में धैर्य बनाए रखा। उन्होंने तीसरे मैच प्वाइंट को भुनाकर मुकाबला अपने नाम किया। इस दौरान 44 वर्षीय बोपन्ना ने अपनी शानदार सर्विस का अच्छा इस्तेमाल किया, जबकि युजुकी ने शानदार रिटर्न और नेट के इस्तेमाल प्रभावित किया। इस जीत से बोपन्ना एक और फाइनल में पहुंच गए हैं। इससे पहले, 2025 में बोपन्ना का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन क्वीन्स क्लब में एटीपी 500 के क्वार्टर फाइनल तक पहुंचना था।

# एशिया कप फाइनल में हाई-वोल्टेज ड्रामा: टीम इंडिया के मेडल लेकर भागा पाकिस्तान, अब बीसीसीआई लेने जा रहा बड़ा एक्शन

**दुबई (एजेंसी)।** एशिया कप 2025 के फाइनल में भारत ने पाकिस्तान को मात देकर लगातार तीसरी बार इस मुकाबले में अपनी बढ़त कायम रखी। लीग स्टेज से लेकर सुपर-4 और अब फाइनल में भी पाकिस्तान भारतीय टीम के आगे टिक नहीं सकी। हालांकि, जीत के बाद एक अलग तरह का विवाद सामने आया जिसने क्रिकेट प्रेमियों के बीच हलचल मचा दी।

### ट्रॉफी लेने से इनकार, नकवी का गुस्सा

बीसीसीआई ने पहले ही यह निर्णय लिया था कि भारतीय खिलाड़ी ट्रॉफी पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के अध्यक्ष और एशियन क्रिकेट काउंसिल के प्रमुख मोहसिन नकवी से ट्रॉफी स्वीकार नहीं करेंगे। जैसे ही टीम ने सम्मानपूर्वक ट्रॉफी लेने से मना किया, नकवी आक्रोशित हो उठे। उन्होंने गुस्से में ट्रॉफी अपने साथ लेकर सीधे होटल चले गए, जिससे विवाद और बढ़ गया।

### बीसीसीआई का साफ बयान

भारतीय क्रिकेट बोर्ड के सचिव देवजीत सैकिया ने इस घटना पर खुलासा किया कि यह फैसला पहले से ही लिया गया था ताकि टीम की गरिमा बनी रहे। उन्होंने कहा कि भारतीय खिलाड़ियों का रुख साफ था और वे केवल सम्मानजनक तरीके से ट्रॉफी लेना चाहते थे।

### बीसीसीआई करेगी सख्त एक्शन

इस बीच खबर है कि बीसीसीआई अब इस मामले में आईसीसी से औपचारिक शिकायत कर सकता है। इतना ही नहीं इसे लेकर BCCI अगले महीने ICC की बैठक में इसका विरोध दर्ज कराएगा। नकवी पर भविष्य में किसी बड़े पद पर बैन लगने तक की बात कही जा रही है। आईसीसी पहले ही चेतावनी दे चुका है कि किसी भी तरह की विवादित हरकत क्रिकेट की छवि को नुकसान पहुंचा सकती है।

अब सभी की निगाहें इस पर हैं कि आईसीसी मोहसिन नकवी के खिलाफ क्या कदम उठाएगा। क्या उन्हें एशियाई क्रिकेट परिषद से हटाया जाएगा या भविष्य में किसी बड़े क्रिकेट पद से दूर कर दिया जाएगा? इससे कई सवाल खड़े हुए हैं और बहस गर्म हो गई है.

# एशिया कप : वे काफी कुछ कह रहे थे, तिलक वर्मा ने पाकिस्तान के खिलाफ फाइनल मुकाबले के बाद किया खुलासा

**दुबई (एजेंसी)।** तिलक वर्मा एशिया कप के फाइनल के दौरान जब क्रीज पर आए तो पाकिस्तान के खिलाड़ियों ने उनके खिलाफ 'काफी टीका-टिप्पणी' की जिसने इस भारतीय बल्लेबाज को उनके अब तक के करियर की सबसे शानदार पारियों में से एक खेलने के लिए प्रेरित किया। शुरुआती ओवरों में विकेट गिरने के कारण भारतीय टीम मुश्किल स्थिति में थी। दोनों टीमों के बीच तनाव वाले माहौल के बीच तिलक को बहुत कुछ कहा भी गया, लेकिन उन्होंने अपना संयम बनाए रखा और काफी दबाव वाली परिस्थितियों में कमाल की बल्लेबाजी की।

तिलक ने 'बीसीसीआई डॉट टीवी' पर टीम के साथी खिलाड़ी शिवम दुबे के साथ बातचीत में कहा, 'मैं बल्ले से जवाब देना चाहता था वे बहुत सारी बातें कह रहे थे और मैं सिर्फ अपने बल्ले से जवाब देना चाहता था। अब वे मैदान पर दिखाई नहीं दे रहे हैं।' दुबे और तिलक के बीच पांचवें विकेट के लिए 60 रन की साझेदारी ने भारत को दो गेंद शेष रहते एशिया कप जिताने में मदद की। तिलक 53 गेंदों पर 69 रन बनाकर नाबाद रहे। दुबे ने इसके बाद हल्के-फुल्के अंदाज में कहा, 'मुझे लगता है कि मेरे बल्ले ने भी बात की, उनके पास मुझे कहने के लिए ज्यादा कुछ नहीं था।'

तिलक ने कहा कि स्टेडियम के माहौल ने उन्हें इतने बड़े मुकाबले में बेहतरीन प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया। इस बाएं हाथ के बल्लेबाज ने कहा, 'दर्शकों से 'वंदे मातरम' के जयकारे सुनकर मेरे रोंगटे खड़े हो गए थे। मैं बस 'भारत माता की जय' कहना चाहता हूं।'

# एशिया कप की पूरी फीस सेना और शहीदों को देने का किया ऐलान, जानें एक मैच के कितने पैसे लेते हैं सूर्यकुमार

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** एशिया कप 2025 का खिताब भारतीय क्रिकेट टीम ने अपने नाम कर लिया है। इस जीत के बाद भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने एशिया कप की पूरी फीस सेना और शहीदों को देने का किया ऐलान किया है। एशिया कप टी20 फॉर्मेट में खेला गया था और ऐसे में ये सवाल है कि सूर्यकुमार एक टी20आई मैच से कितने पैसे कमाते हैं।

सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में टीम इंडिया ने लगातार सात मैच जीतकर टूर्नामेंट में दबदबा बनाया और फाइनल में पाकिस्तान को 5 विकेट से हराया। दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेला गया यह मुकाबला ऐतिहासिक साबित हुआ, क्योंकि इसके साथ भारत ने अपना 9वां एशिया कप खिताब जीता। इस जीत के साथ सूर्यकुमार यादव ने

### सूर्या का दिल छू लेने वाला फैसला

मैच जीतने के बाद कप्तान सूर्यकुमार यादव ने अपने फैंस का दिल जीत लिया। उन्होंने घोषणा की कि वे एशिया कप 2025 से मिली अपनी पूरी मैच फीस भारतीय सेना और पहलगाम आतंकवादी हमले के पीड़ित परिवारों को दान करेंगे।

सूर्या ने अपने आधिकारिक एक्स (Twitter) अकाउंट पर लिखा, 'मैंने इस टूर्नामेंट की अपनी पूरी मैच फीस हमारे सशस्त्र बलों और पहलगाम आतंकवादी हमले में मारे गए लोगों के परिवारों की मदद के लिए दान करने का निर्णय लिया है। आप हमेशा मेरे ख्यालों में रहेंगे। जय हिंद।'

### कितनी है सूर्या की मैच फीस?

टेस्ट मैच की फीस - रू.15 लाख
वनडे इंटरनेशनल - रू.6 लाख
टी20 इंटरनेशनल - रू.3 लाख

एशिया कप 2025 टी20 फॉर्मेट में खेला गया। सूर्या ब्रिगेड ने कुल 7 मुकाबले खेले। यानी एक मैच के रू.3 लाख के हिसाब से कप्तान सूर्यकुमार यादव को कुल रू. 21 लाख रुपये मिले। और उन्होंने यह पूरी रकम बिना सोचे-समझे भारतीय सेना को दान कर दी।

### प्रेस कॉन्फ्रेंस में सूर्या का संदेश

मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में भी सूर्या ने कहा कि, 'यह मेरे लिए सिर्फ एक जेस्चर है। मैं चाहता हूँ कि इसे लेकर कोई कंट्रोवर्सी न हो। मैं अपने देश के जवानों और शहीद परिवारों को दिल से सलाम करता हूँ। अगर मेरी छोटी-सी मदद से उन्हें सहारा मिलेगा, तो यह मेरे करियर की सबसे बड़ी उपलब्धि होगी।'

### महिला क्रिकेटर्स को भी समान फीस

गौरतलब है कि बीसीसीआई ने साल 2022 में ही महिला और पुरुष क्रिकेटर्स को समान फीस देने का फैसला लिया था। यानी महिला खिलाड़ियों को भी टेस्ट, वनडे और टी20 इंटरनेशनल मैच के लिए पुरुष खिलाड़ियों के बराबर भुगतान किया जाता है।

### फैंस बोले - यही है असली कप्तान

सोशल मीडिया पर सूर्या के इस कदम की जमकर सराहना हो रही है। फैंस ने लिखा, 'मैदान पर सूर्या कप्तान हैं, लेकिन दिल से वे सच्चे देशभक्त भी हैं।' कई पूर्व क्रिकेटरों ने भी उनकी तारीफ करते हुए कहा कि भारतीय क्रिकेट को ऐसा कप्तान पाकर गर्व महसूस हो रहा है।

# टेलर फिट्ज ने जेनसन ब्रूक्सबी को हराकर जापान ओपन के फाइनल में किया प्रवेश

टोक्यो। अमेरिका के स्टार टेनिस खिलाड़ी टेलर फिट्ज सोमवार को जापान ओपन में अपने हमवतन जेनसन ब्रूक्सबी पर सीधे सेटों में जीत के साथ सीजन के अपने तीसरे एटीपी टूर फाइनल में पहुंच गए। दूसरे वरीयता प्राप्त फिट्ज ने आज खेले गये मुकाबले में ब्रूक्सबी को 6-4, 6-3 से हराकर फाइनल में जगह बनाई और अब उनका फाइनल में सामना शीर्ष रैंकिंग वाले कार्लोस अल्काराज और कैस्पर रूड के बीच होने वाले मैच के विजेता से होगा। फिट्ज ने ब्रूक्सबी के खिलाफ 13 ऐस लगाए और अपने पहले सर्व पॉइंट्स में से 85 प्रतिशत अंक हासिल किए, जिन्हें दुनिया के पांचवें नंबर के खिलाड़ी ने इस साल तीसरी बार हराया था। उन्होंने 5-4 के स्कोर पर ब्रूक्सबी की सर्विस ब्रेक की और पहला सेट जीत लिया। इसके बाद मैच फिट्ज के पक्ष में आ गया। फिट्ज ने दूसरे सेट में दूसरी बार 2-1 से उनकी सर्विस ब्रेक की और फिर से बढ़त बनाते हुए अपना पहला मैच पॉइंट हासिल किया।

# कुलदीप एशिया कप में सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज बने, मलिंगा का रिकार्ड तोड़ा

दुबई। भारतीय क्रिकेट टीम के स्पिनर कुलदीप यादव ने पाकिस्तान के खिलाफ एशिया कप फाइनल में अपने शानदार प्रदर्शन से एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। कुलदीप ने इस मैच में 30 रन देकर चार विकेट लेने के साथ ही श्रीलंका के पूर्व तेज गेंदबाज लसिथ मलिंगा का एशिया कप में सबसे अधिक विकेट लेने का रिकार्ड तोड़ दिया। कुलदीप अब एशिया कप में सबसे अधिक 36 विकेट लेने वाले गेंदबाज़ बन गए हैं। वहीं अब तक ये रिकार्ड 33 विकेट के सथ ही मलिंगा के नाम था। वहीं एशिया कप में तीसरे सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज श्रीलंका के पूर्व दिग्गज स्पिनर मुथेया मुरलीधरन हैं। उनके नाम 30 विकेट हैं। वहीं भारत के रविन्द्र जडेजा के नाम 29 और बांग्लादेश के शाकिब अल हसन के नाम 28 विकेट हैं। फाइनल में चार विकेट लेने के साथ ही कुलदीप किसी भी एशिया कप संस्करण में सबसे ज़्यादा विकेट लेने वाले भारतीय गेंदबाज़ भी बने हैं। उन्होंने इरफ़ान पठान के 2004 में बनाए 14 विकेट के रिकॉर्ड को भी पीछे छोड़ दिया। कुलदीप ने फाइनल में पाकिस्तान के साइम अय्यूब के अलावा सलमान अली आगा, शाहीन अफरीदी और फ़हीम अशरफ़ के विकेट लिए।

# भारत का महिला जूनियर एयर राइफल में क्लीन स्वीप, हिमांशु को भी स्वर्ण पदक

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** ओजस्वी ठाकुर की अगुआई में भारत ने सोमवार को यहां आईएसएसएफ जूनियर निशानेबाजी विश्व कप की 10 मीटर महिला एयर राइफल स्पर्धा में पदकों का क्लीन स्वीप किया। ओजस्वी के स्वर्ण के अलावा हृदया श्री कोंदुर और शंभावी क्षीरसागर ने क्रमश- रजत और कांस्य पदक हासिल किया। ओजस्वी ने कर्णी सिंह निशानेबाजी रेंज में फाइनल में अपने आठवें और 16वें शॉट में 10.9 के परफेक्ट स्कोर के साथ कुल 252.7 अंक के साथ खिताब जीता।

हृदया श्री 250.2 अंक के साथ दूसरे जबकि क्वालीफिकेशन में शीर्ष पर रही शंभावी 229.4 अंक के आथ तीसरे स्थान पर रही। भारतीय तिकड़ी ने क्वालीफिकेशन में भी दबदबा बनाते हुए पहले तीन स्थान हासिल किए। शंभावी 632.0 अंक के साथ शीर्ष पर रहीं जबकि उनके बाद ओजस्वी ने 631.9 और हृदया श्री ने 629.8 अंक जुटाए। क्वालीफिकेशन में आठवें स्थान पर रहीं

क्रोएशिया की अनामरिजा तुर्क ने फाइनल में 206.6 अंक के साथ चौथा स्थान हासिल किया।

पुरुष 10 मीटर एयर राइफल फाइनल में भारत के हिमांशु क्वालीफिकेशन में 633.7 अंक के साथ शीर्ष पर रहे और फिर फाइनल में फॉर्म को बरकरार रखते हुए 250.9 अंक के साथ स्वर्ण पदक जीता। व्यक्तिगत तटस्थ एथलीट दमित्री पिमेनोव ने 249.9 अंक के साथ रजत जबकि भारत के अभिनव साव ने 228.4 अंक के साथ कांस्य पदक जीता।

भारत के नारायण प्रणव वनिता सुरेश 187.0 अंक के साथ पांचवें स्थान पर रहे। पुरुष 25 मीटर रेपिड फायर पिस्टल में व्यक्तिगत तटस्थ एथलीट एलेक्सांद्र कोवालेव ने शूट ऑफ में भारत के मुकेश नेलावल्ली को पछाड़कर स्वर्ण पदक जीता। दोनों ने समान 27 हिट लगाए जिसके बाद कोवालेव ने 3-1 के स्कोर से स्वर्ण पदक जीता। मुकेश को रजत पदक मिला।

क्वालीफिकेशन के बाद शीर्ष पर रहे भारत के सूरज शर्मा ने 21 हिट के साथ कांस्य पदक जीता। समीर 15 हिट के साथ चौथे स्थान पर रहे। ट्रैप जूनियर स्पर्धा के पहले दिन कड़ा मुकाबला देखने को मिला। महिला वर्ग में व्यक्तिगत तटस्थ एथलीट सेनिया समोफालोवा, भारत की आद्या कत्याल और इटली की सोफिया गोरी 75 में से 70 निशाने लगाकर संयुक्त रूप से शीर्ष पर हैं।

अमेरिका की लूसी मायर्स 69 अंक के साथ चौथे स्थान पर हैं जबकि भारत की तनीषा सेंथिल कुमार सहित चार निशानेबाजों के 68 अंक हैं। पुरुष वर्ग में क्रोएशिया के टोनी गुडेल्ज और स्पेन के डेनियल फर्नांडिज डि विसेंटे 73 हिट के साथ शीर्ष पर हैं जबकि सात निशानेबाजों के 72 अंक हैं।

# बीसीसीआई ने भारतीय टीम के लिए 21 करोड़ रुपये इनाम घोषित किया

मुम्बई (ईएमएस)। एशिया कप में विजेता भारतीय क्रिकेट टीम पर पैसे की बारिश होती नजर आ रही है। भारतीय टीम ने फाइनल में पाकिस्तान को पांच विकेट से हराकर रिकार्ड नौवीं बार खिताब जीता। ऐसे में बीसीसीआई ने भी उसके लिए अपना खजाना खोल दिया है। बोर्ड ने विजेता टीम के लिए 21 करोड़ रुपये के इनाम की घोषणा की है। इस घोषणा के साथ ही बोर्ड ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट किया - '3 वार, 0 जवाब', जो तुरंत वायरल हो गया। इस आशय था भारतीय टीम ने इस टूर्नोमेंट में तीनो ही मैचों में पाकिस्तान को हराया। भारतीय टीम ने टूर्नामेंट में अपने सभी मैच आसानी से जीते। फाइनल में भारतीय टीम की जीत के नायक रहे कुलदीप यादव और तिलक वर्मा। कुलदीप ने जहां 4 विकेट लेकर पाकिस्तान को 146 रनों पर समेटा। वहीं तिलक ने नाबाद 69 रन बनाकर भारतीय टीम को लक्ष्य तक पहुचाया। इस टूर्नामेंट में भारतीय टीम की जीत में अभिषेक शर्मा की भी अहम भूमिका रही। अभिषेक को सबसे अधिक रनों के लिए प्लेयर ऑफ द सीरीज का अवार्ड मिला।

# सिवाच का विजयी गोल, भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम ने आस्ट्रेलिया को हराया

कैनबरा। कनिका सिवाच के गोल की मदद से भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम ने दौरे के तीसरे मैच में आस्ट्रेलिया अंडर 21 टीम को 1-0 से हराया। सिवाच ने 32वें मिनट में विजयी गोल दागा। पहला हाफ गोलरहित रहने के बाद भारत ने तीसरे क्वार्टर के शुरूआती मिनटों में सिवाच के गोल के दम पर बढ़त बना ली जो अंत तक कायम रही। भारत को इससे पहले आस्ट्रेलिया की अंडर 21 टीम ने दो मैचों में हराया लेकिन इस जीत से भारतीय टीम का आत्मविश्वास लौटा होगा। उसे अब आस्ट्रेलिया प्रीमियर हॉकी वन लीग खेलने वाले क्लब कैनबरा चिल से अगले दो मैच खेलने हैं।

# एशेज में कठिन हालातों के लिए तैयार रहे इंग्लैंड टीम : स्मिथ

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया के स्टार बल्लेबाज स्टीव स्मिथ ने कहा है कि इंग्लैंड के बल्लेबाजों को आगामी एशेज सीरीज के लिए तैयार रहना चाहिये क्योंकि ऑस्ट्रेलिया में हालात बिलकुल अलग होंगे। स्मिथ का मानना है कि इंग्लैंड के बल्लेबाजों ने पिछले कुछ समय में सपाट पिचों पर खेला है लेकिन उन्हें पता होना चाहिये कि उन्हें इस प्रकार कि पिचें हमारी यहां नहीं मिलेंगी। स्मिथ ने कहा, पिछले तीन-चार साल के दौरान देखा गया है कि ऑस्ट्रेलिया के विकेट शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों के लिए विकेट काफी कठिन रहे हैं। यह उनके लिए एक अच्छी चुनौती होगी पर यह एक शानदार सीरीज होने वाली है। इस साल एशेज बेहद शानदार होने वाली है। स्मिथ को लगता है कि इंग्लैंड ने अपने आक्रामक रवैये पर अंकुश लगाते हुए हालातों के हिसाब से खेलना शुरू कर दिया है जबकि पहले वे आक्रामक खेल से दर्शकों का मनोरंजन करते थे। वे अब मैच जीतने पर अधिक जोर दे रहे हैं। उन्होंने इस साल फरवरी में चैंपियंस ट्रॉफी के बाद एकदिवसीय से संन्यास ले लिया था पर स्मिथ 2028 लॉस एंजिल्स खेलों तक टी20 प्रारूप में खेलते रहेंगे जिससे कि ओलंपिक में भागीदारी कर सकें।

# दो विश्व कप जीतने वाले इंग्लैंड के ऑलराउंडर ने संन्यास की घोषणा की

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** इंग्लैंड के ऑलराउंडर क्रिस वोक्स ने सोमवार को तत्काल प्रभाव से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा करते हुए कहा कि वह काउंटी क्रिकेट खेलना जारी रखेंगे और भविष्य में फ्रेंचाइजी के अवसरों की तलाश करेंगे। 36 वर्षीय वोक्स ने 2013 में अपने पदार्पण के बाद से 217 मैचों में इंग्लैंड का प्रतिनिधित्व किया है। उन्होंने न्यूजीलैंड के खिलाफ लॉर्ड्स में तीन विकेट लिए जिससे इंग्लैंड को 2019 आईसीसी पुरुष विश्व कप जीतने में मदद मिली। वह इंग्लैंड की 2022 विश्व कप जीत का भी हिस्सा थे, जिसमें उन्होंने मेलबर्न में पाकिस्तान को हराकर आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप जीता था।

### 'वह क्षण आ गया है'

वोक्स ने एक्स पर साझा किए गए एक बयान में कहा, 'वह क्षण आ गया है, और मैंने फैसला किया है कि मेरे लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने का सही समय आ गया है। इंग्लैंड के लिए खेलना एक ऐसी चीज थी जिसकी ख्वाहिश मैं बचपन से ही रखता था जब मैं घर के पिछवाड़े में सपने देखता था, और मैं खुद को बहुत भाग्यशाली मानता हूं कि मैंने उन सपनों को जीया। पिछले 15 सालों में इंग्लैंड का प्रतिनिधित्व करना, थ्री लायंस पहनना और टीम के साथियों के साथ मैदान साझा करना, जिनमें से कई मेरे आजीवन दोस्त बन गए हैं, ऐसी चीज़ें हैं जिन पर मुझे बहुत गर्व है।'

उन्होंने कहा, '2011 में ऑस्ट्रेलिया में पदार्पण करना कल की ही बात लगती है, लेकिन जब आप मजे कर रहे होते हैं तो समय उड़ जाता है। दो विश्व कप जीतना और कुछ शानदार एशेज सीरीज का हिस्सा बनना कुछ ऐसा है जिसके बारे में मैंने कभी सोचा भी नहीं था और मेरे साथियों के साथ वो यादें और जश्न हमेशा मेरे साथ रहेंगे। मेरे माता-पिता, मेरी पत्नी एमी और हमारी बेटियों लैला और एवी, आपके अटूट प्यार, समर्थन और वर्षों से दिए गए त्याग के लिए धन्यवाद। आपके बिना यह सब संभव नहीं होता।'

उन्होंने कहा, 'प्रशंसकों... मेरे कोचों, टीम के साथियों और पर्दे के पीछे के सभी लोगों - इंग्लैंड और वार्विकशायर, दोनों में, जिन्होंने मुझे अपने देश के लिए खेलने में मदद की, आपका मार्गदर्शन और दोस्ती मेरे लिए बहुत मायने रखती है। मैं काउंटी क्रिकेट खेलना जारी रखने और निकट भविष्य में और अधिक फ्रैंचाइजी अवसरों की तलाश करने के लिए उत्सुक हूं।'

### क्रिकेट करियर

गौर हो कि टेस्ट क्रिकेट में उन्होंने 62 मैच खेले, जिसमें 192 विकेट लिए, जिसमें 5 बार पारी में 5 विकेट लेना शामिल है, और 2018 में लॉर्ड्स में भारत के खिलाफ एक टेस्ट शतक बनाया। एकदिवसीय मैचों में उन्होंने 122 मैचों में 173 विकेट लिए हैं, और 33 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में, उन्होंने 31 विकेट लिए हैं।

### ECB अध्यक्ष ने धन्यवाद किया और बधाई दी

ECB के अध्यक्ष रिचर्ड थॉम्पसन ने कहा, 'इस गर्मी में एक टेस्ट मैच जीतने की कोशिश में क्रिस का हाथ स्लिंग में बांधकर बल्लेबाजी करने उतरना दर्शाता है कि उन्हें अपने देश के लिए खेलने और एक बेहतरीन टीम-साथी बनने की कितनी परवाह थी। वह मैदान के बाहर एक सज्जन व्यक्ति रहे हैं, उनके पास मैदान पर जीतने का कौशल और दृढ़ संकल्प है, और वह नियमित रूप से बल्ले और गेंद दोनों से सबसे बड़े मंच पर अपनी क्षमता का परिचय देते हैं। 2019 विश्व कप में नई गेंद से शानदार प्रदर्शन और 2022 में टी20 विश्व कप जीतने से लेकर 2023 पुरुष एशेज में श्रृंखला बदलने वाले उनके प्रभाव तक, जिसके लिए उन्हें प्लेयर ऑफ़ द सीरीज़ का सम्मान मिला,

उनकी कई खास यादें हैं। हम क्रिस जैसे खिलाड़ियों के इंग्लैंड का प्रतिनिधित्व करने के लिए आभारी हैं और मैं पिछले 14 वर्षों से इंग्लैंड की जर्सी में उनके द्वारा किए गए हर काम के लिए उन्हें धन्यवाद और बधाई देना चाहता हूं।'

## सुबह की भागदौड़ में नाश्ते की टेंशन खत्म! 10 मिनट में बनाएं प्रोटीन से भरपूर मल्टीग्रेन चीला

मोर्निंग में इतनी जल्दी होती है कई लोग ब्रेकफास्ट करना ही छोड़ देते हैं। क्या आप भी ऑफिस जल्दी जाने के चक्कर में ब्रेकफास्ट छोड़ देते हैं। अगर आप नाशते में हेल्दी मल्टीग्रेन चीला बनाएंगे तो यह आपके लिए हेल्दी साबित होगा। इस बनाना भी काफी आसान है। यह नाश्ता पौष्टिकता से भरपूर है, आइए आपको इसकी रेसिपी बताते हैं।

सुबह के नाश्ते के लिए हमेशा टेंशन बनीं रहती है क्या बनाया जाए। सुबह-सुबह भागदौड़ लगी रहती है ब्रेकफास्ट बनाने की, बच्चों को स्कूल छोड़ने की और घर के भी सारे काम होते हैं। ऐसे में कई बार लोग ऑफिस जाते समय नाश्ता नहीं करपाते क्योंकि उनके पास समय की कमी रहती है। कई बार तो लेट न हो जाएं इसलिए भी बना हुआ नाश्ता भी छुट ही जाता है। रास्ते में हम कुछ खाने की चीज ले लेते हैं, लेकिन इससे हमारे सेहत पर काफी नुकसान पड़ता है। अब नाशत में जल्दी बनने वाला मल्टीग्रेन चीला को बनाएं। झटपट से यह बन जाता है और स्वाद भी इसका लाजवाब होता है इसके साथ ही चीला खाना भी काफी लोगों को पसंद होता है। मल्टीग्रेन चीला खाने बॉडी को कई सारे न्यूट्रिशन मिलते हैं और यह हेल्थ के लिए भी बढ़िया है। आइए आपको इसकी रेसिपी बताते हैं।

मल्टीग्रेन चीला बनाने के लिए सामग्री

- 1/2 कप गेंहू का आटा
- 1/4 कप बेसन (चने का आटा)
- 1/4 कप ज्वार या बाजरे का आटा
- प्याज, टमाटर, शिमला मिर्च, हरी मिर्च बारीक कटी हुई
- 1 चम्मच अदरक-लहसुन का पेस्ट
- नमक स्वादानुसार
- 1/2 चम्मच हल्दी पाउडर
- 1/2 चम्मच (ऑप्शनल) लाल मिर्च पाउडर
- घोल बनाने के लिए पानी
- चीला सेकने के लिए तेल या घी

मल्टीग्रेन चीला बनाने की विधि

- इसके लिए सभी आटे (गेंहू, बेसन, ज्वार/बाजरा) को एक बड़े बर्तन में मिला लें।
- अब इसमें बारीक कटी हुई सब्जियां, अदरक-लुहसन का पेस्ट, नमक, हल्दी और लाल मिर्च पाउडर डाल दें।
- इसमें थोड़ा-थोड़ा करके पानी डालें जिससे एक गाढ़ा और चिकना घोल बन जाएं। इसमें कोई गांठ न रहे। घोल न ज्यादा पतला और न अधिक गाढ़ा।
- चीला को सेकन के लिए एक नॉन-स्टिक तवा गर्म करें और इस पर थोड़ा-सा तेल या घी लगाएं।
- अब एक बड़े चम्मच से तावे पर घोल डाले और इसे फैलाएं।
- इसे आप मध्यम आंच पर दोनों तरफ से सुनहरा भूरा होने दें।
- टेस्टी और पौष्टिक से भरपूर तैयार है मल्टीग्रेन चीला। इसे आप हरी चटनी या अचार के साथ गर्मा-गरम सर्व करें।
- मल्टीग्रेन चीला खाने से आप पूरे दिन खुद एनर्जिटक महसूस करेंगे।

# मम्मी के ये छोटे-छोटे जुगाड़ किचन के काम को बनाएंगे एकदम आसान

**अगर आप भी अक्सर रोटी इसलिए नहीं बनाकर रखती हैं, क्योंकि ठंडी होकर वह उतनी नरम नहीं रहती है तो अब ये तरीका अपनाएं। गरमागरम रोटी बनते ही उसे तुरंत साफ़ किचन टॉवल में लपेट दो या फिर गरम कसेरोल में रख दो।**

किचन में खाना बनाना खाना खाने जितना आसान काम नहीं है। अगर रेसिपी में कुछ ही गड़बड़ होती है तो स्वाद पूरा ही बदल जाता है। इतना ही नहीं, कुकिंग करते समय कभी नमक ज्यादा हो जाता है तो कभी दूध का पतीला जल जाता है, तो कभी खाना बच जाता है। ऐसे में मम्मी के जुगाड़ बहुत ही काम आते हैं। इन जुगाड़ की मदद से टाइम, मेहनत और पैसे, तीनों की बचत हो जाती है।

सच कहें तो मम्मियों के किचन हैक्स सच में किसी लाइफसेवर से कम नहीं है। अगर इन ट्रिक्स को आजमाया जाए, तो ना तो आपको रेसिपी में गड़बड़ होने पर खाना फेंकने की जरूरत पड़ेगी और ना ही बेवजह दोबारा मेहनत करने की। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको मम्मी के कुछ ऐसे ही छोटे-छोटे किचन से जुड़े जुगाड़ों के बारे में बता रहे हैं, जो यकीनन आपके भी बेहद काम आएंगे-

### रोटी को नरम रखने का जुगाड़

अगर आप भी अक्सर रोटी इसलिए नहीं बनाकर रखती हैं, क्योंकि ठंडी होकर वह उतनी नरम नहीं रहती है तो अब ये तरीका अपनाएं। गरमागरम रोटी बनते ही उसे तुरंत साफ़ किचन टॉवल में लपेट दो या फिर गरम कसेरोल में रख दो। इसके अलावा, आप मम्मी की उस सीक्रेट ट्रिक का इस्तेमाल करें। मम्मी हमेशा आटे में जरा सा गुनगुना दूध जरूर डालती थी। इससे रोटी अगले दिन भी उतनी ही मुलायम और टेस्टी लगेगी।

### अदरक को हमेशा फ्रेश रखने का जुगाड़

किचन में अदरक कई चीजों में इस्तेमाल होता है, इसलिए हम इसे अक्सर ज्यादा ही खरीद लेते हैं। लेकिन अक्सर फ्रिज में रखा अदरक भी जल्दी सूख जाता है। ऐसे में मम्मियों के इस जुगाड़ा को आजमाकर देखें। सबसे पहले अदरक को छोटे-छोटे टुकड़ों में काट लें। अब इसे मिट्टी के किसी बर्तन में डाल दो और फिर उसे फ्रिज में रख दो। इस तरह अदरक कई हफ्तों तक ताज़ा बना रहता है। वह ना तो सूखता है ना ही उसका स्वाद खराब होता है।

### तेल वाली कड़ाही को धोने का जुगाड़

तेल वाली कड़ाही को धोना इतना भी आसान नहीं होता। अक्सर हम उसमें बहुत सारा साबुन भी लगाते हैं, लेकिन इससे झाग तो निकलता है, पर चिकनाई साफ नहीं होती। ऐसे में मम्मी का वो पुराना नुस्खा आजमाकर देखो। बस एक पुराना कपड़ा लो और उस पर थोड़ा सा नमक छिड़को और कड़ाही पर अच्छे से रगड़ दो। नमक तुरंत उस चिपचिपे तेल को खींच लेगा। इसके बाद बस इसे हमेशा की तरह धो लो।

# मेहमानों को खिलाएं कुछ नया, ये कुरकुरी भिंडी चाट जीत लेगी सबका दिल

**भिंडी तो हम सभी के घरों में सब्जी के रूप में खाई जाती हैं। लेकिन आज हम आपको कुरकुरी भिंडी चाट रेसिपी के बारे में बताने जा रहे हैं। इस यूनिक भिंडी चाट को खाने के बाद हर कोई आपकी तारीफ करेगा।**

तीखा और चटपटा चाट खाना तो लगभग हर किसी को पसंद होता है। वहीं बारिश के मौसम में इसका मजा दोगुना हो जाता है। आमतौर पर हर मौसम में चाट लोगों को पसंद होती है। वहीं अधिकतर घरों में फ्रूट्स, आलू और स्प्राउट्स आदि

चाट देखने को ज्यादा मिलती है। लेकिन हर बार एक जैसा स्वाद पाकर हम अक्सर बोर हो जाते हैं। जिसके बाद हम नई डिशेज की तलाश करने लगते हैं। जिसको खाने का मजा भी आए और मुंह का स्वाद भी बदल जाए।

ऐसे में अगर आपके घर में भी लोग चाट खाने के शौकीन हैं और आप अब तक कई तरीके की चाट का स्वाद चख चुकी हैं। तो आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको एक बेहतरीन चाट रेसिपी के बारे में बताने जा रहे हैं। इस चाट को आप वीकेंड पर या फिर मेहमानों के आने पर फटाफट से बनाकर तैयार कर सकती हैं। भिंडी तो हम सभी के घरों में सब्जी के रूप में खाई जाती हैं। लेकिन आज हम आपको कुरकुरी भिंडी चाट रेसिपी के बारे में बताने जा रहे हैं। इस यूनिक भिंडी चाट को खाने के बाद हर कोई आपकी तारीफ करेगा।

सामग्री
भिंडी- 250 ग्राम
बेसन- 200 ग्राम
दही- 1 बाउल
हींग- एक चुटकी
पालक- 250 ग्राम
सोया- 100 ग्राम
जीरा- 1 चम्मच
लहसुन- 5-8 कली
राई- 1 चम्मच
अनार दाने- गार्निश के लिए
नमक- स्वादानुसार
तेल- फ्राई करने के लिए

कुरकुरी भिंडी चाट की रेसिपी

सबसे पहले पानी में नमक डालकर पालक को डाल दें।

फिर भिंडी को धोकर सुखा लें और बीच से दो भागों में लंबा काट लें।

एक ओर हरी मिर्च और लहसुन की कलियां कूट लें।

पालक ब्लांच हो जाने के बाद इसको निकालकर बर्फ के पानी में डाल दें।

बर्फ के पानी से पालक निकालने के बाद इसकी प्यूरी बना लें।

अब एक पैन में घी डालकर गर्म करें और उसमें लहसुन व हरी मिर्च का पेस्ट डाल दें।

इसमें बेसन, सोया, पालक की प्यूरी, काली मिर्च और नमक डालकर भूनें।

फिर पैन में राई, जीरा, सूखी लाल मिर्च, हींग और करी पत्ता तड़काकर दही में मिला दें।

बाउल में हींग और बेसन डालें, फिर पानी डालकर पतला घोल बनाकर उसमें कटी भिंडी डालकर मिक्स करें।

एक पैन में तेल डालकर उसको गर्म करके सभी भिंडी को उसमें क्रिस्पी होने तक फ्राई करें।

इसके बाद एक प्लेट में पालक वाली प्यूरी, उसके ऊपर फ्राई भिंडी, दही और अनार दाने डालकर गार्निश करके सर्व करें।

इस तरह से कुरकुरी और टेस्टी भिंडी चाट बनकर तैयार हो जाएगी।

# पहाड़ी चौंसा दाल के सामने फीकी पड़ी जाएगी पनीर की सब्जी

### जनिए कैसे बनाएं ये रेसिपी

हर घर में दाल जरुर बनती है। लोगों को सबसे ज्यादा दाल ही पसंद आती है। अगर आप भी रोजाना दोपहर या रात को एक प्रकार की दाल खाकर पक गए हैं, तो यह रेसिपी आपके लिए है। आप अपने घर में एकदम यूनिक तरीके से बनने वाली पहाड़ी चौंसा दाल को बना सकते हैं। आइए आपको इसकी रेसिपी बताते हैं।

अक्सर माओं को यह टेंशन होती है रोजाना खाने में नया क्या बनाएं। आजकल के बच्चे तो हर एक खाना में कमी निकालते हैं, जिससे मम्मियां परेशान हो जाती है, अब नया क्या बनाएं? वैसे तो ज्यादातर घरों में रोजाना दोपहर में अरहर का दाल और चावल जरुर बनते हैं। इन्हें बनाना भी काफी आसान होता है, ज्यादा समय भी नहीं लगता है। रोजाना दाल तो बनती है बस वैरायटी बदल जाती है। कभी-कभी को डेली दाल खा-खाकर बोर भी हो जाते हैं। अगर आप भी नई डिश ड्राई करना चाहती है तो आप पहाड़ी चौंसा दाल को बना सकते हैं। इसे बनाना बेहद आसान है और इसका स्वाद भी लाजवाब होता है। पहाड़ी चौसा दाल के आगे पनीर और छोले की सब्जी फीकी पड़ जाएगी। आइए आपको इसकी रेसिपी बताते हैं।

### पहाड़ी चौंसा दाल की सामग्री

- 1 कप काली उड़द दाल
- 2 छोटे प्याज
- 4-5 लहसुन की कलियां
- 2 इंच अदरक. 2 हरी मिर्च
- 1 बड़ा चम्मच धनिया
- मुट्ठी भर ताजा हरा धनिया
- स्वादानुसार नमक
- 1 छोटा चम्मच हल्दी पाउडर
- 1 बड़ा चम्मच गेहूं का आटा
- एक चुटकी हींग
- 1 छोटा चम्मच जीरा
- 1 छोटा चम्मच राई
- 2-3 सूखी लाल मिर्च
- 3-4 बड़े चम्मच देसी घी
- 2 लीटर पानी
- देसी घी

### चौंसा दाल बनाने की विधि

- चौंसा दाल बनाने के लिए सबसे पहले आप उड़द दाल को रोस्ट कर पाउडर बना लें।
- अब इसमें अदरक, लहसुन, हरा धनिया, धनिया के बीज और मिर्च को दरदरा कूट लें।
- इसके बाद कड़ाही को लो फ्लेम पर रखकर घी डालकर 2-3 सेकंड तक गर्म कर लें।
- अब इसमें राई, जीरा, खड़ी लाल मिर्च, हींग और प्याज को डालकर लाइट ब्राउन भून लें।
- इसमें अब दरदरा किया गया मसाला डाल दें और उसे भून लें।
- फिर इसमें उड़द दाल का पाउडर, जो पीसकर रखा गया है।
- जब दाल डाल दी हो, तो आप इसमें 1 छोटा चम्मच हल्दी पाउडर, 1 बड़ा चम्मच गेंहू का आटा और एक चुटकी हींग डालकर चलाते रहें।
- जब यह मिश्रण हरा रंग जैसा हो जाए, तो इसे गर्म पानी में मिलाएं।
- 20-25 मिनट पकाने के बाद इसका स्वाद बढ़ाने के लिए घी और मिर्च का तड़का ऊपर से लगाएं।
- यह लीजिए तैयार है चौंसा दाल, आखिर में हरा धनिया डालकर इसे सर्व करें।

# पैसे बचाकर सफेद जूतों के किनारों को चमकाएं, केमिकल-फ्री ये हैं कमाल के टिप्स

**जूतों की चमक को वापस पाने के लिए लोग केमिकल क्लीनर का इस्तेमाल करते हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कुछ ऐसे तरीकों के बारे में बताने जा रहे हैं, जिनको अपनाकर आप जूतों के एजज को चमका सकती हैं।**

सफेद जूते दिखने और पहनने में जितने ज्यादा अच्छे लगते हैं, उतना ही उनका ध्यान रखना भी जरूरी होता है। क्योंकि एक छोटी सी गलती आपके सफेद जूतों के रंग-रूप को बदलकर रख सकता है। हालांकि आज के समय में सफेद जूते सिर्फ फुटवियर तक ही सीमित नहीं हैं बल्कि यह एक स्टाइल स्टेटमेंट बन चुके हैं। किसी खास दिन पर अधिकतर लोग सफेद जूते पहनना पसंद करते हैं। क्योंकि चाहे वह कॉलेज हो, ऑफिस हो या फिर फ्रेंड पार्टी, यह हर लुक में चार चांद लगाने का काम करता है।

लेकिन अगर सफेद जूते के किनारों पर गलती से कोई दाग लग जाए, तो इसको हटाना काफी मुश्किल हो जाता है। जूते के ऊपरी हिस्से पर लगे दाग को साफ करना थोड़ा आसान है, लेकिन किनारे पर लगे दागों को बिना रगड़े हटाना काफी मुश्किल होता है। ऐसी स्थिति में जूतों की चमक को वापस पाने के लिए लोग केमिकल क्लीनर का इस्तेमाल करते हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कुछ ऐसे तरीकों के बारे में बताने जा रहे हैं, जिनको अपनाकर आप जूतों के एजज को चमका सकती हैं।

### ऐसे साफ करें जूते

जूते के किनारे को चमकाने के लिए आप डिटर्जेंट और टूथपेस्ट का इस्तेमाल कर सकती हैं। इसके लिए एक कटोरी में बिना जेल वाला 2-3 चम्मच टूथपेस्ट लें। फिर इसमें एक चम्मच डिटर्जेंट डालकर मिक्स करें और पेस्ट बना लें। अब जूतों के किनारों को पानी की मदद से हल्का गीला करें और जो पेस्ट आपने बनाया है, उसको लगाकर फैलाएं। वहीं 10-15 मिनट इस पेस्ट को छोड़ने के बाद ब्रश की मदद से इसको रगड़ते हुए साफ करें। फिर कपड़ा गीला करके अच्छे से पोंछ लें या फिर धोकर धूप में सुखा लें। वहीं दूसरा आसान तरीका यह है कि आप जूतों के किनारे को साफ करने के लिए किचन में रखे नमक का इस्तेमाल कर सकती हैं। इसके लिए एक कटोरी में दो चम्मच नमक और 2 चम्मच नींबू का रस मिलाकर पेस्ट बनाएं। अब इस पेस्ट को जूते के किनारे लगाकर 5-7 मिनट छोड़ दें। फिर ब्रश को हल्का गीला करके जूते के किनारे को रगड़ते हुए साफ करें।

जूते के किनारे पर लगे दाग को हटाने के लिए शेविंग क्रीम और सिरका का भी उपयोग कर सकते हैं। दोनों चीजों को मिलाकर पेस्ट बना लें। अब इस पेस्ट को जूते के किनारों पर लगाएं और फिर 10 मिनट बाद टूथब्रश की मदद से रगड़कर साफ कर लें।

# इंटरनेशनल एमी अवॉर्ड में नॉमिनेट हुए दिलजीत दोसांझ

## इम्तियाज अली को दिया क्रेडिट

सिंगर और एक्टर दिलजीत दोसांझ को फिल्म अमर सिंह चमकीला के लिए एमी इंटरनेशनल अवॉर्ड में बेस्ट एक्टर का नॉमिनेशन मिला है। एमी नॉमिनेशन की अनाउंसमेंट गुरुवार को हुई है, जिसमें अमर सिंह चमकीला को दो नॉमिनेशन मिले हैं। दिलजीत दोसांझ ने अपने ऑफिशियल सोशल मीडिया अकाउंट से नॉमिनेशन मिलने पर खुशी जाहिर की है। उन्होंने एक पोस्ट शेयर कर लिखा है, ये सब इम्तियाज अली की बदौलत हुआ।

### इन इंटरनेशनल सेलेब्स से कंपीट करेंगे दिलजीत दोसांझ

इंटरनेशनल एमी अवॉर्ड्स में बेस्ट परफॉर्मर बाय अन एक्टर की कैटेगरी में दिलजीत दोसांझ को चमकीला के लिए, डेविड मिशेल को इन लूडविग, ओरियल प्ला को फिल्म न यो, एडिक्टो, डिएगो वासक्वेज को फिल्म इन वन हंड्रेड एयर ऑफ सोलीट्यूड के लिए नॉमिनेशन मिला है। दिलजीत दोसांझ और परिणीति चोपड़ा स्टारर फिल्म अमर सिंह चमकीला को बेस्ट टीवी मूवी/ मिनी सीरीज कैटेगरी में भी नॉमिनेशन मिला है। इसके साथ जर्मनी से हेरहोसन : द बैंकर एंड द बॉम्ब, यूनाइटेड किंगडम से लॉस्ट बॉय्ज एंड फैरीज और चिली से वेंसर ए मोरिर भी नॉमिनेटेड हैं। इंटरनेशनल एमी अवॉर्ड 2024 का आयोजन 24 नवंबर को न्यूयॉर्क में होगा, जहां सभी विजेताओं की अनाउंसमेंट होगी। दिलजीत दोसांझ को पहली बार इंटरनेशनल लेवल पर नॉमिनेशन मिला है। सभी नॉमिनीज की अनाउंसमेंट 25 सितंबर को इंटरनेशनल एकेडमी ऑफ टेलीविजन आर्ट्स एंड साइंस द्वारा की गई है।

# ध्वनि भानुशाली ने बताया कैसे बनी रहती हैं सकारात्मक

**इंडियन पॉप सिंगर और एक्ट्रेस ध्वनि भानुशाली आलोचनाओं के बावजूद खुद को मजबूत बनाए रखती हैं। बातचीत में ध्वनि ने बताया कि उन्होंने अपने भीतर की रोशनी से डर और मुश्किलों को कैसे हराया।**

### नवरात्रि हमेशा से मेरे लिए खास रही है

'यही एहसास मुझे नवरात्रि के वक्त भी होता है। नवरात्रि हमेशा से मेरे लिए खास रही है। मैंने कभी नवरात्रि का कॉन्सर्ट नहीं किया, लेकिन गरबा कई बार खेला है। भीड़ के साथ नाचते हुए जो खुशी और एनर्जी मिलती है, वह किसी जादू से कम नहीं। इस बार मैं चाहती हूं कि स्टेज से ही पूरा उत्सव महसूस करूं और सभी के साथ वो खुशी बाटूं।'

### हर कमेंट और राय से प्रभावित हो जाती थी

'करियर की शुरुआत में मैं हर कमेंट और राय से प्रभावित हो जाती थी। यह मेरी एनर्जी छीन लेती थी। लगता था कि हर किसी की उम्मीद पर खरा उतरना है। लेकिन धीरे-धीरे समझ आया कि मेरी ताकत कीमती है। इसे सही जगह लगाना जरूरी है – अपने गानों, कॉन्सर्ट्स और अपनी खुशी में। वही ताकत, जो पहले मुझे कमजोर करती थी, अब मेरी मजबूती बन गई है। अब तो सोचती हूं, ट्रोलिंग ही सही, कम से कम लोग मेरा नाम तो ले रहे हैं।'

### निडर होने का मतलब है अपनी रोशनी चमकने देना

'मेरे लिए निडर होने का मतलब है कि अपनी रोशनी को चमकने दो, चाहे सामने कितनी भी मुश्किलें हों। हर दिन खुद से कहती हूं– आगे बढ़ो, अपनी राह रोशन करो और अपने सपनों की ओर चलो। यही तरीका है जिंदगी को खुश रखने का। मैंने यह भी सीखा है कि कभी-कभी छोटी-सी हिम्मत कुछ बोलना, किसी फैसले पर टिके रहना या रिस्क लेना, पूरा दिन बदल सकती है। हमारी सकारात्मकता दूसरों तक पहुंच सकती है और जिंदगी में जादू ला सकती है।'

संगीत ही रोशनी फैलाने का मेरा जरिया है

'जब मैं परफॉर्म करती हूं तो खुद को सबसे ज्यादा जिंदा महसूस करती हूं। हर शो मेरे लिए पॉजिटिविटी और खुशी फैलाने का मौका है। मेरे लिए संगीत ही वह जरिया है, जिससे रोशनी सब तक पहुंचती है।'

### इस नवरात्रि मैं नतीजों की चिंता छोड़ना चाहती हूं

'इस नवरात्रि मैं नतीजों की चिंता छोड़ना चाहती हूं। असली खुशी तो उसी प्रक्रिया में है, जब आप अपनी एनर्जी और रोशनी दूसरों से शेयर करते हो और हर दिन को रोशन बनाते हो।'

### फैंस के लिए संदेश

'मजबूत रहो, निडर रहो और हमेशा चमकते रहो। हर पल का जश्न मनाओ, अपनी अंदर की रोशनी को फैलाओ और जिंदगी का पूरा मजा लो। हमारी पॉजिटिविटी ही सबसे बड़ी ताकत है। इसे सही जगह इस्तेमाल करो, सब कुछ बदल जाएगा।'

# श्रुति हासन ने गायिकी के प्रति जताया प्यार

अभिनेत्री श्रुति हासन ने एक बार फिर अपने प्रशंसकों को अपनी गायिकी से हैरान कर दिया है। उन्होंने सोशल मीडिया के जरिए अपनी संगीतमय प्रतिभा का प्रदर्शन किया। वीडियो में श्रुति पियानो की धुनों के साथ वह अपनी मधुर आवाज में गाना बड़े मन से गा रही हैं। इस वीडियो ने उनके प्रशंसकों का दिल जीत लिया और उनकी बहुआयामी प्रतिभा को एक बार फिर उजागर किया। श्रुति ने वीडियो के साथ एक भावुक कैप्शन भी लिखा, जिसमें उन्होंने अपनी रचनात्मक यात्रा के बारे में खुलकर बात की। उन्होंने लिखा, काफी समय हो गया है कोई नया गाना लिखे। सच कहूं तो, मैं लिख नहीं पा रही हूं। यह कभी परफेक्शन की खोज के बारे में नहीं था। जब दिल से भावनाएं निकलती हैं, तो सही समय पर सबकुछ अपने आप सिखा देती हैं। बस वही होना चाहिए जो मैं हूं और वहीं रहना चाहिए जहां मुझे होना चाहिए। श्रुति हासन न केवल अपनी अभिनय कला के लिए जानी जाती हैं, बल्कि संगीत के क्षेत्र में भी उनकी गहरी रुचि रही है। उन्होंने अपनी आवाज में कई गाने भी गाए हैं और संगीत रचना में भी योगदान दिया है। सोशल मीडिया पर उनके इस पोस्ट को खूब सराहना मिल रही है और प्रशंसक उनके अगले प्रोजेक्ट का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। वर्कफ्रंट की बात करें तो वह हाल ही में बहुचर्चित फिल्म कुली में नजर आई थीं। इस फिल्म में उन्होंने प्रीति राजशेखर का किरदार निभाया था। इस फिल्म में उनके साथ सुपरस्टार रजनीकांत, तेलुगु सिनेमा के दिग्गज नागार्जुन अक्किनेनी, मलयालम एक्टर सौबिन शाहिर, और बॉलीवुड अभिनेता आमिर खान भी नजर आए थे।

# टॉम क्रूज के लिए कुछ भी करने को तैयार हैं अमीषा

**अमीषा पटेल ने ऋतिक रोशन के साथ फिल्म 'कहो न प्यार है' से बॉलीवुड में अपनी शुरुआत की थी। अपनी पहली पहली ही फिल्म से अमीषा इंडस्ट्री की नई सनसनी बन गई थीं। उनकी खूबसूरती की काफी चर्चा थी। अब अमीषा 50 साल की हो चुकी हैं और उन्होंने शादी नहीं की है। अब अमीषा ने अपने क्रश के बारे में खुलासा किया है। उन्होंने बताया कि उन्हें हॉलीवुड सुपरस्टार टॉम क्रूज पर जबरदस्त क्रश है। एक्ट्रेस ने यहां तक कहा कि वो उनके साथ कुछ भी करने को तैयार हैं।**

बातचीत के दौरान अमीषा पटेल ने अपने सेलिब्रिटी क्रश को लेकर बात की। इस दौरान एक्ट्रेस ने बताया कि मुझे टॉम क्रूज पर क्रश है। अगर आप उनके साथ कोई पॉडकास्ट कर सकते हैं, तो प्लीज मुझे भी उस पॉडकास्ट में बुलाएं। मुझे बचपन से ही टॉम क्रूज पसंद हैं। मेरे पेंसिल बॉक्स में, मेरी फाइलों में उनकी तस्वीर लगी रहती थी और मेरे कमरे में सिर्फ टॉम क्रूज के ही पोस्टर होते थे। वो हमेशा से मेरा क्रश रहे हैं। मैं हमेशा मजाक में कहती हूं कि वो इकलौते ऐसे इंसान हैं जिनके लिए मैं अपने उसूलों को ताक पर रख सकती हूं। मैं उनके लिए कुछ भी कर सकती हूं। अगर आप मुझसे पूछें कि क्या तुम उनके साथ वन नाइट स्टैंड के लिए तैयार हो, तो हां मैं वो भी कर सकती हूं।

### 'गदर 2' में नजर आई थीं अमीषा

वर्कफ्रंट की बात करें तो अमीषा पटेल आखिरी बार साल 2023 में आई फिल्म 'गदर 2' में नजर आई थीं। इस फिल्म में वो सनी देओल के साथ सकीना के किरदार में दिखाई दी थीं। अनिल शर्मा द्वारा निर्देशित इस फिल्म में अमीषा और सनी के अलावा उत्कर्ष शर्मा और सिम्रत कौर रंधावा भी प्रमुख भूमिकाओं में नजर आए हैं।

### शादी के लिए तैयार हैं अमीषा, योग्य व्यक्ति की है तलाश

अमीषा ने यहां तक कहा कि अगर मुझे मौका मिलता तो मैं उनसे शादी कर लेतीं। इस दौरान अमीषा ने आगे कहा कि मैं शादी के लिए पूरी तरह तैयार हूं, बशर्ते मुझे कोई योग्य व्यक्ति मिले। कहते हैं न जहां चाह, वहां राह, इसलिए जो व्यक्ति मुझे हर मुश्किल से पार पा ले और मौके पर चौका मारले, वही मेरा साथी होगा। मुझे आज भी कई अच्छे परिवारों से तरह-तरह के प्रस्ताव मिलते रहते हैं। वैसे यह पहली बार नहीं है, जब अमीषा ने टॉम  क्रूज के लिए अपना प्यार दिखाया हो। इससे पहले भी कई मौकों पर वो दिल खोलकर टॉम क्रूज की तारीफ कर चुकी हैं।

# सर्च-द नैना मर्डर केस: कॉलेज गर्ल की डेथ मिस्ट्री में उलझा कोंकणा का किरदार

कोंकणा सेन शर्मा संजीदा किरदारों को बखूबी निभाना जानती हैं। हाल ही में उनकी एक अपकमिंग सीरीज 'सर्च-द नैना मर्डर केस' का ट्रेलर रिलीज हुआ। जिसमें वह एक पुलिस ऑफिसर के रोल में हैं, जो एक मर्डर मिस्ट्री को सॉल्व करने की कोशिश कर रही है।  सीरीज 'सर्च-द नैना मर्डर केस' के ट्रेलर में कोंकणा सेन शर्मा एक पुलिस ऑफिस के रोल में हैं। वह एक कॉलेज गर्ल की मर्डर मिस्ट्री को सॉल्व करने की कोशिश में लगी हैं। इस राह में उसके सामने कई चुनौतियां हैं। कई लोग शक के घेरे में हैं। इस सीरीज में एक तरफ मर्डर मिस्ट्री को दिखा गया है। साथ ही केस को सॉल्व करने के दौरान कोंकणा सेन का किरदार डिजिटल दुनिया के खतरों से भी वाकिफ होता है। इस सीरीज में सोशल मीडिया के स्याह पक्ष को दिखाने की कोशिश की गई, जिसके जाल में यंगस्टर बुरी तरह फंस जाते हैं। कोंकणा सेन स्टारर इस सीरीज की रिलीज डेट भी ट्रेलर के साथ ही शेयर की है। यह सीरीज जीयोहॉटस्टार पर 10 अक्टूबर 2025 को रिलीज होगी। यह सीरीज रोहन सिप्पी ने डायरेक्ट की है।

# मैं कोई भी पुराना प्रोसेस अगली फिल्म में रिपीट नहीं करता

**एक्टर दीपक डोबरियाल इस वक्त फिल्म 'जुगनुमा' में नजर आ रहे हैं। पहाड़ों की जिंदगी पर आधारित इस फिल्म की हर जगह तारीफ हो रही है। साथ ही, फिल्म से जुड़े एक्टर्स की भी सराहना हो रही है। सीरियस रोल हो या कॉमेडी दीपक हर किरदार में अपनी छाप छोड़ते हैं। 'जुगनुमा' में भी उनके किरदार को सराहा जा रहा है।**

**'जुगनुमा' से आपने जुड़ने का फैसला क्यों किया? स्क्रिप्ट में क्या पसंद आया?**

मुझे 'जुगनुमा' की हर बात पसंद है। इस फिल्म के बनने का प्रोसेस, डायरेक्शन सब कुछ बढ़िया था। आपने इतना कन्विक्शन के साथ डायरेक्शन नहीं देखा होगा, जहां पर कैनवास एक पूरा पैराग्राफ, डायलॉग या मोनोलॉग बोलने जितना जरूरी है। एक शॉट की ब्यूटी को लेकर जो कमिटमेंट था। इस फिल्म में विजुअल बहुत बड़ा डायलॉग है क्योंकि वो नेचर को कमिटमेंट करते हुए दिखाया

जा रहा है। इसके अलावा बिना बैकग्राउंड स्कोर की फिल्म है। आपने इस तरह की फिल्म नहीं देखी होगी, तो माइंड सेट टूटता है।

**आपके किरदार दर्शकों के जेहन में रह जाते हैं। उनमें पर खूब मीम्स भी बनते हैं। किसी भी किरदार को निभाने का क्या प्रोसेस रहता है?**

हर फिल्म के लिए प्रोसेस अलग होता है। जैसे मेरी हालिया रिलीज फिल्म 'जुगनुमा' में कहानी और डायरेक्शन आपको कहां ले जा रही है। आपको इस हिसाब चलना होता है और खुद को ढालना होता है। अलग-अलग फिल्म में अलग माइंड सेट होता है। कोई भी पुराना प्रोसेस अगली फिल्म में काम नहीं आता है। मैं खुद प्रोसेस रिपीट नहीं करता हूं क्योंकि तभी किरदार में नयापन आ पाएगा। आप कहानी, डायरेक्टर या सीन के हिसाब से भांप लेते हो कि कहानी किस डायरेक्शन में जा रही है।

**आपको अपनी फिल्मों का कौन सा किरदार सबसे चैलेंजिंग लगा है?**

मैं तो कहूंगा सभी रोल चैलेंजिंग थे। जैसे 'तनु वेड्स मनु' के मेरे किरदार के बारे में मेरे दोस्त की राय है कि मैं पप्पी का किरदार को चलते-चलते भी निभा सकता हूं। वो मुझसे कहते हैं कि 10 मिनट में तू 15 तनु वेड्स मनु का रोल कर देगा। लेकिन ऐसा नहीं है। उसमें मैंने आवाज बहुत पतली रखी थी। मेरी आवाज बहुत ज्यादा आर्टिफिशियल थी। उस किरदार में था कि एक आदमी है, जो बातूनी है। सुबह से रात तक बात करता है और उसकी आवाज में पतलापन है। मैंने इस किरदार के लिए कई सारे एक्सपेरिमेंट भी किए थे। सभी किरदार मुश्किल होते हैं, बस बात इतनी है कि उस किरदार को ऑडियंस कितनी मिलती है।

**'जुगनुमा' के बाद आपके फैंस आपको किसी प्रोजेक्ट में देख पाएंगे?**

मैं अपने फैंस से कहूंगा कि पहले वो 'जुगनुमा' देखें। ये बहुत प्यारी फिल्म है। आपको एक अलग तर्जुबा मिलेगा। फिल्म एक अलग दुनिया, एक अलग कैनवास, अलग डायरेक्शन, अलग फिलॉसफी और भी कई एलिमेंट को छूती है। पहाड़ों पर बहुत कम फिल्में बनी हैं। पहाड़ों पर फिल्म बनाने का प्रोसेस काफी मुश्किल होता है। इस फिल्म को बनाने में चार-पांच साल का समय लगा है। कभी कोविड, कभी बारिश तो कभी परमिशन नहीं मिलना, देरी की वजह बना। काफी चुनौतियों के बाद ये फिल्म थिएटर तक पहुंची है। अमूमन मैं किसी फिल्म के लिए नहीं बोलता हूं लेकिन 'जुगनुमा' के लिए बोल रहा हूं। जो भी सिनेमा लवर हैं, कुछ अच्छा होते हुए देखना चाहते हैं तो वो प्लीज इस फिल्म को जरूर देखेंगे।

### आपके लिए सफलता के क्या मायने हैं?

मैं अगले रोल के लिए फिर से उत्साहित हो पाऊं, मेरे लिए ये सफलता है। अगले रोल के लिए मैं बच्चा बन पाऊं, जीरो से शुरू कर पाऊं, ये सफलता है। मैं अपनी मासूमियत बचकर रख पाऊं, ये सफलता है।

## एअर इंडिया की उड़ान सेवाओं में कटौती मामले में केंद्र करे हस्तक्षेप : सतीशन

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)। केरल विधानसभा में विपक्ष के नेता वीडी सतीशन ने केंद्र सरकार से मांग की है कि वह एअर इंडिया एक्सप्रेस के अक्टूबर से राज्य के हवाई अड्डों से उड़ान सेवाओं में कटौती करने के फैसले में हस्तक्षेप करे। सतीशन ने केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री किंजरापु राममोहन नायडू को लिखे पत्र में कहा है कि इस कदम से केरल के लोगों खासकर खाड़ी देशों में रहने वाले प्रवासियों के बीच चिंता पैदा हो गई है। उन्होंने कहा कि ऐसा माना जा रहा है कि तिरुवनंतपुरम, कोच्चि, कोझिकोड और कन्नूर से प्रमुख खाड़ी देशों के लिए उड़ान सेवाएं या तो कम या फिर खत्म कर दी जाएंगी, जबकि मंगलुरु, जयपुर और लखनऊ से अतिरिक्त उड़ानें चलाई जा रही हैं। सतीशन ने कहा कि विमानन कंपनी ने आर्थिक कारणों का हवाला दिया है, लेकिन इस फैसले पर सवाल उठ रहे हैं, क्योंकि केरल से खाड़ी मार्ग एअर इंडिया एक्सप्रेस के लिए सबसे ज्यादा लाभदायक मार्गों में शामिल है। उन्होंने कहा कि इन सेवाओं में कटौती से खाड़ी देशों में काम करने वाले लाखों मलयाली लोगों को भारी कठिनाई होगी, जो किफायती और प्रत्यक्ष कनेक्टिविटी पर बहुत ज्यादा निर्भर हैं।

## आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने 'संघ गीत' एल्बम किया लॉन्च

नागपुर (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने रविवार को एल्बम 'संघ गीत' लॉन्च किया है जो आरएसएस के गीतों का संग्रह है। उन्होंने इस एल्बम को मातृभूमि के प्रति समर्पण बताया। भागवत ने नागपुर में आयोजित समारोह में उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए यह बात कही। कार्यक्रम में केंद्रीय परिवहन मंत्री नितिन गडकरी और महाराष्ट्र के सीएम देवेंद्र फडणवीस भी मौजूद थे। 'संघ गीत' एल्बम में प्रसिद्ध गायक शंकर महादेवन द्वारा गाए गए 25 गीत शामिल हैं। महादेवन ने कार्यक्रम में इनमें से 10 गीत गाये। गीतों के पीछे की भावना की तारीफ करते हुए संघ प्रमुख भागवत ने कहा कि संघ गीत मातृभूमि के प्रति समर्पण और जीवन की तपस्या की उपज हैं। ये गीत स्वयंसेवकों के जीवंत अनुभवों से निकलते हैं। उन्होंने कहा कि आरएसएस के पास कई गीत हैं, जिनकी कुल संख्या अनुमानित रूप से 25,000 से 30,000 के बीच है। भागवत ने कहा कि इन गीतों का सार समर्पण की भावना में निहित है और इनके रचनाकारों के नाम ढूंढ़ना अक्सर मुश्किल है। उन्होंने कहा कि संघ गीत गाना कोई आसान काम नहीं है और महादेवन ने इन्हें एक सच्चे स्वयंसेवक की भावना से गाया है। वहीं केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने संघ गीत लॉन्च को एक ऐतिहासिक बताया। उन्होंने कहा कि ये गीत देशभक्ति के लिए प्रेरणा स्रोत बनेंगे। फडणवीस ने कहा कि प्रत्येक संघ गीत अत्यंत प्रेरणादायक है और जीवन जीने के मूल्यवान सबक सिखाता है।

## जुबिन गर्ग को श्रद्धांजलि देने उनके घर पहुंचे गौतम अडाणी और बेटा जीत

डिसपुर (एजेंसी)। देश के प्रमुख उद्योगपति गौतम अडाणी और उनके बेटे जीत अडाणी ने असम के गुवाहाटी में दिवंगत गायक-संगीतकार जुबिन गर्ग के घर जाकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अडाणी व उनके बेटे ने यहां काहिलीपाड़ा इलाके में गर्ग के घर पर करीब आधा घंटा बिताया और उनकी पत्नी गरिमा सैकिया गर्ग से मुलाकात की। अडाणी, ग्रुप के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ रविवार रात करीब नौ बजे यहां पहुंचे और पुष्पांजलि अर्पित की। गौतम अडाणी और उनके बेटे जीत अडाणी असम की महान हस्ती को अपनी संवेदनाएं व्यक्त करने आए थे। वे कुछ देर गरिमा के साथ बैठे और गायक के असामयिक निधन पर शोक व्यक्त किया। बता दें जुबिन गर्ग का 19 सितंबर को सिंगापुर में समुद्र में तैरते समय निधन हो गया था।

## युवक ने नशे में सीएम योगी को कहे अपशब्द, पुलिस तलाश में जुटी

प्रयागराज (एजेंसी)। सीएम योगी आदित्यनाथ के खिलाफ सोशल मीडिया पर अपशब्द बोलने का मामला सामने आया है। प्रयागराज के एक युवक ने नशे में फेसबुक पर सीएम योगी को गाली देते हुए एक वीडियो पोस्ट किया, जो वायरल हो रहा है। पुलिस ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए आरोपी की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक आरोपी का नाम इमरान बताया जा रहा है, जो नारीबारी गांव का रहने वाला है और पेशे से ट्रक ड्राइवर है। वीडियो में वह नशे में सीएम योगी के खिलाफ अशोभनीय भाषा का इस्तेमाल करता नजर आ रहा है। वीडियो के वायरल होते ही हड़कंप मच गया। इलाके के लोग बताते हैं कि इमरान अक्सर नशे की हालत में रहता है। पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए आरोपी की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी कर रही है। आरोपी के परिवार ने पुलिस को बताया है कि वह घर पर नहीं है। वहीं यह मामला सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बना हुआ है और प्रशासन इसे लेकर सतर्क है।

## लेह हिंसा के बाद तनाव में पांचवें दिन भी कर्फ्यू जारी, 44 गिरफ्तार

लेह (एजेंसी)। लद्दाख में चल रहे शांतिपूर्ण प्रदर्शन के बीच 24 सितंबर को भड़की हिंसा के बाद हालात अब भी तनावपूर्ण बने हुए हैं। इसके चलते जिले में लगातार पांचवें दिन भी कर्फ्यू जारी है। प्रशासन ने बीएनएसएस की धारा 163 लागू कर दी है, जिसके तहत पांच या उससे अधिक लोगों के एकत्र होने पर प्रतिबंध है। इसके अलावा, बिना पूर्व अनुमति किसी भी तरह के जुलूस, रैली या मार्च निकालने पर रोक लगी है। तनाव के बीच पूरे लेह में सुरक्षाबलों की तैनाती बढ़ा दी गई है। लेह में हुई हिंसा के दौरान अब तक चार लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि करीब 90 लोग घायल बताए गए हैं। पुलिस ने उपद्रव और हिंसा फैलाने के आरोप में अब तक 44 लोगों को गिरफ्तार भी किया है। गिरफ्तार किए गए लोगों में प्रमुख सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक प्रमुख हैं, जिन्हें राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम (एनएसए) के तहत हिरासत में लेकर जोधपुर जेल भेजा गया है। यहां बताते चलें कि प्रमुख सामाजिक कार्यकर्ता वांगचुक लंबे समय से लद्दाख को संविधान की छठी अनुसूची में शामिल किए जाने की मांग उठा रहे थे।

# चिदंबरम का बड़ा दावा: 26/11 मुंबई हमले के बाद पाकिस्तान पर कार्रवाई करने से रोक दिया था विदेश मंत्रालय ने

### -पाटिल के इस्तीफे के बाद न चाहते हुए भी गृह मंत्रालय भेजा गया

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** कांग्रेस नेता और पूर्व गृह मंत्री पी चिदंबरम ने दावा किया है कि 26 नवंबर 2008 के मुंबई हमले के बाद वे पाकिस्तान के खिलाफ तत्काल जवाबी कार्रवाई के पक्ष में थे, लेकिन तत्कालीन विदेश मंत्रालय ने ऐसा करने से रोक दिया था। चिदंबरम का कहना है, कि तब मंत्रालय के अधिकारियों ने उन्हें समझाया कि इस समय कूटनीति और बातचीत ही दोनों देशों के बीच तनाव को सुलझाने का बेहतर तरीका है।

इस आशय का दावा पी चिदंबरम ने हाल ही में दिए एक इंटरव्यू के दौरान किया, जिसमें उन्होंने बताया कि जब मुंबई हमले के बाद तत्कालीन गृह मंत्री शिवराज पाटिल मीडिया और जनता के निशाने पर आए, तो उन्होंने नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए इस्तीफा दे दिया। इसके बाद वित्त मंत्री चिदंबरम को गृह मंत्रालय भेजा गया। चिदंबरम ने बताया, कि वह इस तबादले के लिए तैयार नहीं थे, क्योंकि उन्होंने वित्त मंत्रालय में पांच बजट पेश किए थे और अगले साल चुनाव होने वाला था। उन्होंने कहा कि तत्कालीन प्रधानमंत्री ने उन्हें फोन कर सूचित किया कि गृह मंत्रालय में उन्हें स्थानांतरित करने का सामूहिक फैसला लिया गया है। चिदंबरम ने कहा, कि मंत्रालय के अधिकारी बार-बार कहते थे कि दोनों देशों के बीच तनाव को सैन्य कार्रवाई से नहीं, बल्कि रचनात्मक कूटनीतिक प्रयासों से ही सुलझाया जाना चाहिए। इस कारण तत्काल जवाबी कार्रवाई नहीं हो सकी। गौरतलब है कि 26/11 मुंबई हमले में पाकिस्तान से आए लश्कर-ए-तैयबा के 10 आतंकवादियों ने मुंबई के विभिन्न स्थानों पर हमला किया। इन हमलों में 166 लोगों की जान गई थी और सैकड़ों लोग घायल हो गए थे। इन हमलों के चौथे दिन, यानी 29 नवंबर 2008 को भारतीय सुरक्षा बल आतंकियों का पूरी तरह खात्मा करने में सफल रहे। इन 10 आतंकवादियों में अजमल कसाब एकमात्र ऐसा आतंकी था जिसे जिंदा पकड़ा गया और अदालत के आदेश से उसे फांसी दी गई।

बहरहाल 2014 में केंद्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली बीजेपी सरकार बनने के बाद से भारत की पाकिस्तान नीति पूरी तरह बदल गई। अब भारत हर आतंकवादी वारदात के बाद पाकिस्तान के खिलाफ अधिक सख्त और निर्णायक कार्रवाई करता है। ऑपरेशन सिंदूर जैसे अभियान इसी रणनीति का हिस्सा हैं, जिसमें आतंकियों और उनके संरक्षकों को उनके ठिकानों पर मारने की नीति अपनाई गई।

## कर्नाटक हाईकोर्ट के आदेश को चुनौती देगा 'एक्स' : कंपनी बोली- यह अभिव्यक्ति की आजादी पर हमला

**बेंगलुरु (एजेंसी)।** एलन मस्क की कंपनी और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' (पूर्व में ट्विटर) ने कर्नाटक हाईकोर्ट के हालिया फैसले पर आपत्ति जताते हुए इसे सुप्रीम कोर्ट तक ले जाने का ऐलान किया है। कंपनी का कहना है कि अदालत का आदेश भारतीय नागरिकों की अभिव्यक्ति की आजादी के अधिकार पर सीधा हमला है। इस मामले को लेकर 'एक्स' ने अपने आधिकारिक पोस्ट में लिखा, कि इस आदेश के बाद पुलिस अधिकारियों को एक सीक्रेट ऑनलाइन पोर्टल के जरिए मनमाने ढंग से कंटेंट हटाने के निर्देश देने का अधिकार मिल गया है। यह व्यवस्था न तो आईटी एक्ट की धारा 69 के तहत है और न ही किसी अन्य कानून में इसका आधार मौजूद है। यह सुप्रीम कोर्ट के पुराने फैसलों के भी खिलाफ है। गौरतलब है कि 24 सितंबर को कर्नाटक हाईकोर्ट ने एक्स की केंद्र सरकार के खिलाफ दायर याचिका खारिज कर दी थी। अदालत ने अपने आदेश में कहा था कि विदेशी कंपनियां भारतीय संविधान के तहत अभिव्यक्ति की आजादी का अधिकार नहीं मांग सकतीं। दरअसल, मार्च 2025 में एक्स ने भारत सरकार के खिलाफ याचिका दायर की थी। कंपनी का आरोप था कि सरकारी अधिकारी आईटी एक्ट की धारा 79(3)(बी) का गलत इस्तेमाल कर एक्स पर जबरन कंटेंट ब्लॉक कर रहे हैं। कंपनी ने इसे नियमों और प्रक्रियाओं के खिलाफ बताया था। इसी के साथ ही कंपनी ने कहा, कि वह इस फैसले को उच्चतम अदालत में चुनौती देगी। पोस्ट में लिखा गया, हम भारत के नागरिकों की अभिव्यक्ति की आजादी की रक्षा के लिए हर कानूनी कदम उठाएंगे। यह सिर्फ एक कंपनी का मामला नहीं है, बल्कि हर भारतीय के अधिकार का सवाल है।

## अमित शाह के दावे पर कांग्रेस का पलटवार, कहा- बिहार में महागठबंधन को मिलेगा जनादेश

### -जयराम बोले- ....राजनीति में वीसी का मतलब वोट चोरी

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** गृह मंत्री अमित शाह के इस दावे पर कि बिहार विधानसभा चुनाव में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) को 243 में से 160 से अधिक सीटें मिलेंगी, कांग्रेस ने तीखा हमला बोला है। पार्टी ने आरोप लगाया कि शाह वोट चोरी और वोट रेवड़ी की राजनीति के सहारे ऐसी उम्मीद जता रहे हैं, लेकिन बिहार की जागरूक जनता उनकी इस साजिश को नाकाम कर देगी।

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर पोस्ट कर कहा, कि शिक्षा जगत में वीसी का मतलब कुलपति होता है, स्टार्ट-अप की दुनिया में वीसी का मतलब वेंचर कैपिटल होता है और सेना में वीसी का अर्थ वीर चक्र होता है। लेकिन आज राजनीति में वीसी का नया मतलब है- वोट चोरी। उन्होंने आरोप लगाया कि बिहार में भाजपा और उसके सहयोगी वीसी (वोट चोरी) और वीआर (वोट रेवड़ी) की रणनीति से चुनाव जीतना चाहते हैं। जयराम रमेश ने कहा, कि गृह मंत्री ने आत्मविश्वास के साथ ऐलान किया है कि राजग को 160 से अधिक सीटें मिलेंगी। लेकिन बिहार की राजनीतिक रूप से सजग जनता इन षड्यंत्रों को परास्त करेगी। महागठबंधन जीतेगा और इसका पहला झटका दिल्ली की सत्ता में बैठे लोगों को लगेगा।

कांग्रेस का यह बयान ऐसे समय में आया है जबकि भाजपा लगातार बिहार में अपनी पकड़ मजबूत करने की कोशिश में लगी हुई है। अमित शाह ने हाल ही में चुनावी रैली के दौरान कहा था कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और राजग की एकजुटता के बल पर राज्य में 160 से अधिक सीटें जीतना तय है।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि बिहार का चुनावी माहौल अभी पूरी तरह खुला है। राजग और महागठबंधन दोनों ही अपने-अपने वोट बैंक को साधने की कोशिशों में जुटे हैं। गृह मंत्री अमित शाह के दावे और कांग्रेस के पलटवार से यह साफ है कि चुनावी जंग तेज़ होती जा रही है।

# पहले हाथ मिलाया, चाय पी और तस्वीरें खिंचवाई सूर्या ने पर ट्रॉफी नहीं ली

### -संजय राउत ने की बीजेपी और टीम इंडिया की आलोचना, बोले-क्या जनता मूर्ख है?

**मुंबई (एजेंसी)।** शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने सोमवार को पाकिस्तान के खिलाफ एशिया कप फाइनल खेलने को लेकर बीजेपी और टीम इंडिया की आलोचना की है। एक्स पर पोस्ट किए गए अपने वीडियो का हवाला देते हुए राउत ने कहा कि भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने टूर्नामेंट से पहले पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के प्रमुख मोहसिन नकवी से हाथ मिलाया था। उन्होंने कहा कि मुझे बीजेपी के नकली देशभक्तों और भक्तों के बारे में नहीं पता, लेकिन असली देशभक्तों ने कल मैच नहीं देखा। आपने पीसीबी प्रमुख मोहसिन नकवी से ट्रॉफी नहीं ली, लेकिन मैंने एक वीडियो शेयर किया जिसमें भारतीय कप्तान उनसे हाथ मिलाते, चाय पीते और तस्वीरें खिंचवाते दिख रहे हैं। क्या आपको लगता है कि जनता मूर्ख है?

इसके अलावा राउत ने भारत और पाकिस्तान के बीच हुए मैच को भारतीय सेना और पहलगाम आतंकी हमले में शहीद हुए लोगों का अपमान बताया। उन्होंने कहा कि हमारा सवाल है कि आप पाकिस्तान के साथ क्यों खेल रहे हैं? आपको पहलगाम में शहीद हुए सैनिकों और लोगों का अपमान नहीं करना चाहिए। आपने ट्रॉफी नहीं ली, उनके कप्तान से हाथ नहीं मिलाया, फिर मैच क्यों खेला? अगर खेला, तो ये ड्रामा बंद करो।

सोमवार को राउत ने एक्स पर वीडियो शेयर किया और मैच के बाद की कार्रवाई को राष्ट्रवादी ड्रामा बताया। उन्होंने लिखा कि सिर्फ़ 15 दिन पहले, सीरीज़ की शुरुआत में वे पाकिस्तान के मंत्री मोहसिन नक़वी से हाथ मिला रहे थे और तस्वीरें खिंचवा रहे थे और अब? कैमरों पर पूरी तरह से राष्ट्रवादी ड्रामा! अगर देशभक्ति सच में आपके खून में होती, तो आप पाकिस्तान के साथ मैदान पर कदम भी नहीं रखते। ऊपर से नीचे तक- शुद्ध नाटक। जनता के साथ खेला जा रहा है।

इस बीच महाराष्ट्र कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता अतुल लोंधे पाटिल ने केंद्रीय मंत्री अमित शाह पर निशाना साधते हुए सवाल किया कि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद के अध्यक्ष और उनके बेटे जय शाह पाकिस्तानी टीम को बाहर क्यों नहीं करते। उन्होंने कहा कि यह अच्छी बात है, लेकिन हम पूछना चाहते हैं कि क्या ऑपरेशन सिंदूर खत्म हो गया है? अगर यह खेल रिश्तों को सामान्य बनाने के लिए खेला जा रहा होता, तो बात समझ में

आती, लेकिन ऑपरेशन सिंदूर के बीच में यह कैसे हो सकता है? क्या यह पैसे के लिए हो रहा है? उन्होंने कहा कि अमित शाह कहते हैं कि यह आईसीसी द्वारा आयोजित किया जाता है, तो उनके बेटे के अध्यक्ष रहते हुए आईसीसी पाकिस्तान को बाहर क्यों नहीं कर सकता?

## वोट चोरी और मतदाता सूची में हेराफेरी ने लोगों का विश्वास डगमगा दिया : वेणुगोपाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस महासचिव के सी वेणुगोपाल ने कहा है कि 'वोट चोरी' भारत की अखंडता के लिए खतरा है और उन्होंने केंद्र पर ''मतदाता सूची में हेराफेरी'' करने का भी आरोप लगाया। उन्होंने एक्स पर पोस्ट में कहा कि वोट चोरी और मतदाता सूची में हेराफेरी ने लोकतंत्र की बुनियाद में लोगों का विश्वास डगमगा दिया है। वेणुगोपाल इस मुद्दे पर पार्टी द्वारा शुरू किए गए राष्ट्रव्यापी 'वोट चोर, गद्दी छोड़' हस्ताक्षर अभियान में शामिल हुए। उन्होंने रविवार को वार्ड कैथवना में आयोजित अभियान में हिस्सा लिया। अलप्पुझा के सांसद ने एक्स पर पोस्ट में आरोप लगाया कि वोट चोरी कोई मामूली अपराध नहीं है। यह हमारे संविधान, हमारी अर्थव्यवस्था, सामाजिक न्याय और भारत की अखंडता के लिए एक बड़ा खतरा है। रिपोर्ट के मुताबिक वेणुगोपाल ने कहा कि कांग्रेस पूरे भारत में पांच करोड़ हस्ताक्षर एकत्र करेगी। कांग्रेस नेता ने दावा किया कि यह अभियान एक जन आंदोलन के रूप में गति पकड़ रहा है और उन्होंने लोकतंत्र में विश्वास रखने वाले हरेक नागरिक से संविधान की रक्षा करने और भारत की आत्मा को बचाने के लिए इस संघर्ष में शामिल होने का आह्वान किया।

# भारी बारिश और बाढ़ से 5 जिलों में हुई 10 की मौत, 12 हजार लोगों का किया गया रेस्क्यू

### -चेरापूंजी नहीं इस दफा तमहिनी घाट बना देश का रैन कैपिटल

**मुंबई (एजेंसी)।** महाराष्ट्र के कई हिस्सों में लगातार दो दिनों से जारी भारी बारिश ने जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया है। राज्य के पांच जिलों में भारी बारिश और बाढ़ से जुड़ी घटनाओं में बीते 24 घंटे में 10 लोगों की मौत हो गई है। मरने वालों में नासिक के 4, धाराशिव और अहिल्यानगर के 2-2, जबकि जालना और यवतमाल के 1-1 व्यक्ति शामिल हैं।

सरकारी आंकड़ों के अनुसार, अब तक 11,800 से ज्यादा लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। मराठवाड़ा क्षेत्र के जालना, बीड, लातूर, नांदेड़, हिंगोली, परभणी और छत्रपति संभाजीनगर जिले सबसे ज्यादा प्रभावित हुए हैं। नासिक में गोदावरी नदी उफान पर है। जलस्तर खतरे के निशान को पार कर गया, जिससे रामकुंड इलाके के कई मंदिर और घाट जलमग्न हो गए। प्रशासन ने लोगों को नदी किनारे जाने से मना किया है।

#### पुणे का तमहिनी घाट बना देश का 'रैन कैपिटल'

पुणे जिले की मुलशी तहसील स्थित तमहिनी घाट में इस मानसून सीजन में अब तक 9,000 मिमी से ज्यादा बारिश दर्ज की गई है। यह आंकड़ा इस साल भारत में सबसे ज्यादा है। अब तक मेघालय के चेरापूंजी और मौसिनराम गांवों को देश के सर्वाधिक वर्षा वाले क्षेत्र माना जाता था, लेकिन इस बार तमहिनी घाट ने एक नया रिकॉर्ड बनाने का काम कर दिया है।

#### जयकवाड़ी डैम के सभी 27 गेट खोले गए

औरंगाबाद जिले में हालात बेहद गंभीर हैं। रविवार देर रात करीब 12 बजे जयकवाड़ी डैम के सभी 27 गेट 10 फीट तक खोल दिए गए, जिससे गोदावरी नदी बेसिन में 3,06,540 क्यूसेक पानी छोड़ा गया। जबकि बेसिन की क्षमता सिर्फ 1 लाख क्यूसेक है। इसके चलते औरंगाबाद के 1,219 गांवों में बाढ़ का पानी भर गया और हजारों लोग प्रभावित हुए।

#### एनडीआरएफ की टीमें राहत-बचाव में जुटीं

पूरे राज्य में एनडीआरएफ की 16 टीमें तैनात की गई हैं। इसके अलावा दो टीमों को पुणे में स्टैंडबाय पर रखा गया है। प्रशासन लगातार संवेदनशील इलाकों की निगरानी कर रहा है और जरूरत पड़ने पर और टीमें भेजी जा सकती हैं। भारी बारिश के चलते महाराष्ट्र के कई जिलों में सड़क और रेल यातायात प्रभावित हुआ है। मौसम विभाग ने अगले 48 घंटे तक राज्य के कई हिस्सों में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है।

## चैतन्यानंद मामला: पुलिस का दावा बाबा ने 16 लड़कियों का किया यौन शोषण

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** यौन शोषण मामले में आरोपी चैतन्यानंद पर दिल्ली पुलिस का शिकंजा कसता जा रहा है। रविवार को पटियाला हाउस कोर्ट ने बाबा को 5 दिन की पुलिस हिरासत में भेजा था। इसके बाद सोमवार तड़के दिल्ली पुलिस की टीम बाबा को उस इंस्टिट्यूट लेकर पहुंची, जहां छात्राओं का शोषण किया जाता था।

दिल्ली पुलिस ने इस मामले में एफआईआर जोड़ी है, जो गैर-जमानती अपराध है और हत्या की धमकी जैसे गंभीर अपराधों के लिए लगाई जाती है। इससे पहले इस मामले में जो अपेक्षाकृत कम गंभीर मानी जाती है। पुलिस का दावा है कि बाबा ने अब तक 16 लड़कियों के साथ यौन शोषण किया है और इसके पुख्ता डिजिटल सबूत भी मौजूद हैं। पुलिस ने कोर्ट से बाबा और पीड़िताओं का आमना-सामना कराने तथा छिपाए गए डिजिटल सबूतों को इकट्ठा करने के लिए हिरासत की मांग की थी। दूसरी तरफ बाबा के वकील ने इसका विरोध करते हुए कहा कि पुलिस उनके साथ ठीक व्यवहार नहीं कर रही है। उन्होंने यह भी तर्क दिया कि बाबा वरिष्ठ नागरिक और साधु हैं, जिनका स्वास्थ्य ठीक नहीं है और पुलिस पहले ही उनका सारा सामान जब्त कर चुकी है। पुलिस की जांच में यह सामने आया कि बाबा ने बाथरूम तक में कैमरे लगाए थे, जिससे छात्राओं की निजता का गंभीर उल्लंघन होता था। पुलिस का कहना है कि पीड़ित लड़कियों को अल्मोड़ा, गुड़गांव और फरीदाबाद तक ले जाया जाता था। फिलहाल 16 लड़कियों ने इस मामले में औपचारिक शिकायत दर्ज कराई है। डिजिटल सबूतों को मजबूत बनाने के लिए पुलिस आईपी एड्रेस की भी जांच कर रही है। जांच अभी जारी है और आने वाले दिनों में और बड़े खुलासे होने की संभावना जताई जा रही है।

# दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे के ऊपर बनेंगे बंदरों के लिए झूले, नीचे दौड़ेंगे वाहन

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे पर बने एशिया के सबसे लंबे वाइल्ड लाइफ कॉरिडोर पर जहां ऊपर वाहन फर्राटा भरेंगे, वहीं नीचे वन्यजीव आराम से विचरण कर सकेंगे। इसके साथ अब सड़क हादसों से बचाव के लिए एक और अनोखी पहल होने जा रही है। नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एनएचएआई) की ओर से यहां उत्तर प्रदेश का पहला मंकी लैडर तैयार किया जाएगा। यह लैडर खासतौर पर बंदरों के लिए बनाया जा रहा है, ताकि वह सड़क पार करते समय सीधे वाहनों की चपेट में न आएं और कॉरिडोर पर किसी बड़े हादसे को टाला जा सके।

एनएचएआई के परियोजना निदेशक पंकज कुमार मौर्य के अनुसार, यह मंकी लैडर पेड़ों से जुड़ा होगा। इससे बंदर आसानी से एक ओर से दूसरी ओर जा सकेंगे और उन्हें सड़क पर उतरने की जरूरत नहीं पड़ेगी। इस तरह सड़क पर अचानक आने वाले वन्य जीवों से होने वाले हादसों की संभावना कम हो जाएगी। यह व्यवस्था वन्य जीवों और सड़क सुरक्षा दोनों को ध्यान में रखकर की जा रही है।

इस प्रयोग का उद्देश्य न केवल सड़क हादसों को रोकना है, बल्कि जैव विविधता की रक्षा करना भी है। एक्सप्रेसवे से रोजाना हजारों वाहन गुजरते हैं और यदि वन्य जीवों के लिए सुरक्षित आवागमन की सुविधा मिलती है, तो यह मानवीय और पर्यावरणीय संतुलन को बनाए रखने में मदद करेगा। बंदरों का यह सुरक्षित मार्ग पूरे उत्तर भारत के लिए मिसाल बन सकता है। ये उत्तर प्रदेश का पहला मंकी लैडर होगा। जो इस एक्सप्रेसवे पर तैयार किया जाएगा। दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे पर एशिया का सबसे लंबा वाइल्ड लाइफ कॉरिडोर बना है, जिसके ऊपर वाहन फर्राटे भर सकेंगे। वहीं वन्यजीव आराम से घूम सकेंगे। दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे पर एक बड़ा हिस्सा सहारनपुर की शिवालिक पहाड़ियों और राजाजी नेशनल पार्क से होकर गुजरता है। इस इलाके में बंदरों की संख्या बहुत ज्यादा है और अक्सर वे सड़क पर आ जाते हैं। इससे वाहन चालक भले ही धीमी गति से चलें, लेकिन अचानक सामने आने वाले बंदर सड़क हादसों का कारण बन जाते हैं। इस समस्या का समाधान करने के लिए राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने वाइल्ड लाइफ कॉरिडोर पर मंकी लैडर बनाने का निर्णय लिया है। मंकी लैडर का निर्माण यूपी में पहली बार किया जा रहा है। अधिकारी उम्मीद कर रहे हैं कि इस पहल से सड़क पर होने वाले हादसे कम होंगे और वन्य जीवों की सुरक्षा बढ़ेगी। इसके अलावा यह परियोजना पर्यावरणीय शिक्षा का भी उदाहरण बनेगी, जिससे लोग जानवरों और उनके आवास के प्रति अधिक संवेदनशील होंगे। सहारनपुर के इलाके में वाहन चालक कई बार बंदरों से

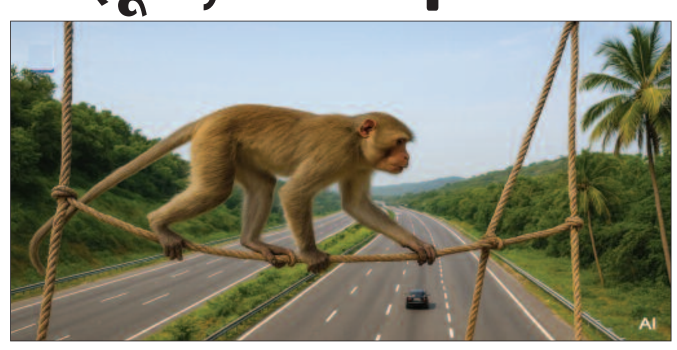


टकराने से बचते हैं, लेकिन अचानक आने से कई बार हादसे हो चुके हैं। मंकी लैडर से बंदर ऊपर से सुरक्षित सड़क पार करेंगे और वाहन चालकों को भी सुरक्षित यात्रा का मौका मिलेगा। इससे एक्सप्रेसवे पर यातायात में व्यवधान और दुर्घटनाओं की संभावना दोनों कम होंगी।

स्वामी, प्रकाशक, अनीता शर्मा द्वारा मुद्रक, रजनी कुमारी- मैसर्स साई प्रिंटिंग प्रेस D-85 सेक्टर-6 नोएडा, गौतमबुद्धनगर से मुद्रित एवं जी-271 एचआईजी, प्रताप विहार, सेक्टर-11, गाजियाबाद (उ०प्र०) से प्रकाशित। संपादक -अतुल शर्मा *
ईमेल-rashtriyashikhar@gmail.com (समस्त विवादों का क्षेत्र गाजियाबाद न्यायालय रहेगा) (* इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन तथा कानूनी मामलों हेतु उत्तरदायी)
समाचार संपादक-आरव शर्मा (एडवोकेट) 9310230557, 9625163807
( PRGI No. - UPHIN/25/A0086 )